●वर्ष : 16 ●अंक : 214 ●मूल्य : 02 रूपया मात्र पृष्ठ : 08 RNI No. DELHIN/2008/23928

दैनिक लोकतंत्र की शान

लोकतंत्र का स्तंभ

दिल्ली से प्रकाशित

बुधवार 27 नवम्बर 2024

Mfg & mkt by.. ANGEN PHARMACEUTICALS (OPC) PRIVATE LIMITED

Lycopene, Ginseng, Multivitamin & Multimineral Syrup
Multistrength Syrup
200 ml

Distributorship ke liye contact Karen . (9315755133 / ya email Karen) angenpharmaceuticals@gmail.com

समाचार

ईटानगर में छात्र संघ के चुनाव के दौरान हिंसक झड़प, 10 लोग किये गये गिरफ्तार

नूना न्यूज एजेंसी।

ईटानगर। अरुणाचल प्रदेश के ईटानगर में ऑल न्यीशी स्टूडेंट्स यूनियन (एएनएसयू) के चुनाव में मतगणना के दौरान झड़प होने के बाद दस लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। पुलिस अधीक्षक (राजधानी) रोहित राजबीर सिंह ने बताया कि सोमवार रात यहां करीब नौ बजे मतगणना के दौरान सिद्धार्थ हॉल में दो प्रत्याशियों के समर्थकों के बीच झड़प शुरू हो गयी। उन्होंने बताया कि उनके समर्थकों ने एक-दूसरे पर हथियारों एवं लाठियों से हमला किया जिससे पांच लोग घायल हो गये। उन्होंने बताया कि स्थिति और बिगड़ने लगी जब दोनों पक्षों की ओर से गोलियां चलने लगीं। सिंह ने बताया कि त्वरित कार्रवाई करते हुए पुलिस ने स्थिति नियंत्रित करने के लिए आंसू गैस के गोले एवं स्टन ग्रेनेड (बहुत तेज आवाज एवं चकाचौंध पैदा करने वाले गैर घातक गोले) दागे तथा लाठी चार्ज किया। उन्होंने कहा कि स्थिति नियंत्रण में आ गयी लेकिन आसपास की पहाड़ियों की चोटियों से छिटपुट गोलीबारी जारी रही। उन्होंने कहा कि इस हिंसा में कई पुलिसकर्मी घायल हो गये। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि अस्पतालों में प्रतिद्वंद्वी गुटों के बीच फिर झड़प होने लगी, जिससे घायल लोगों को भागने पर मजबूर होना पड़ा। उन्होंने बताया कि जिस स्थान से भीड़ पर गोलियां चलायी जा रही थीं, वहां से तीन गोलियां बरामद की गयीं। उन्होंने बताया कि ईटानगर थाने में बीएनएस और शस्त्र कानून के संबंधित प्रावधानों के तहत प्राथमिकी दर्ज की गयी है। सिंह ने बताया कि सिद्धार्थ हॉल में स्थिति नियंत्रण में है और मतों की गिनती चल रही है। उन्होंने बताया कि जिन लोगों ने गोलियां चलायीं, उनकी पहचान करने की कोशिश की जा रही है। एएनएसयू की स्थापना 1982 में हुई थी और उसका मुख्यालय ईटानगर में है। वह पूर्वोत्तर के सबसे बड़े छात्र संगठनों में से एक है।

चेन्नई में बारिश नहीं ले रही थमने का नाम, हर तरफ जल प्रलय

चेन्नई। में इन दिनों बारिश लगातार बरस रही है। तमिलनाडु के चेन्नई में कुछ जिलों के लिए रेड अलर्ट भी मौसम विभाग ने जारी किया है। चेन्नई मौसम विभाग (आरएमसी) द्वारा जारी अलर्ट में कहा गया कि गहरे दबाव के कारण तटीय और डेल्टा जिलों में अगले पांच दिनों में भारी वर्षा होने की संभावना है। क्षेत्रीय मौसम विभाग ने मयिलादुथुराई, कराईकल, तिरुवरुर और नागपट्टिनम के लिए रेड अलर्ट जारी किया है। कई अन्य जिले ऑरेंज अलर्ट पर हैं।

दबाव के कारण रामनाथपुरम, तिरुचिरापल्ली, पेरम्बलुर, कल्लाकुरिची और चेंगलपट्टू जिलों के अलग-अलग इलाकों में भारी बारिश होने की संभावना है। इसके अलावा, अरियालुर, तिरुवरुर, नागपट्टिनम, तंजावुर, पुदुक्कोट्टई, विल्लुपुरम, पुडुचेरी, शिवगंगा, चेन्नई, कांचीपुरम, तिरुवल्लूर, रानीपेट और तिरुवन्नामलाई जिलों में बहुत भारी वर्षा होने की संभावना है। आंध्र प्रदेश और पुडुचेरी में भी भारी बारिश होने की संभावना है। मछुआरों को सलाह दी गई है कि वे समुद्र में उथल-पुथल के कारण इस अवधि के दौरान तटों पर लौट आएं और बाहर न निकलें।

हिन्दुओं की सुरक्षा सुनिश्चित हो

बांग्लादेश में चिन्मय दास की गिरफ्तारी पर भारत ने जताई चिंता

अल्पसंख्यकों पर किए गए हमले: भारत सरकार

भारत सरकार की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि हमने श्री चिन्मय कृष्ण दास की गिरफ्तारी और जमानत से इनकार किए जाने पर गहरी चिंता व्यक्त की है. यह घटना बांग्लादेश में चरमपंथी तत्वों द्वारा हिंदुओं और अन्य अल्पसंख्यकों पर किए गए कई हमलों के बाद हुई है. अल्पसंख्यकों के घरों और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों में आगजनी और लूटपाट के साथ-साथ चोरी और तोड़फोड़ और देवताओं और मंदिरों को अपवित्र करने के कई मामले दर्ज हैं।

नूना न्यूज एजेंसी।

नई दिल्ली। भारत के विदेश मंत्रालय ने आज एक बयान जारी कर चिन्मय दास की गिरफ्तारी और जमानत न दिए जाने पर गहरी चिंता जताई है और बांग्लादेश से सभी अल्पसंख्यकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने का आग्रह किया है. हिंदू नेता चिन्मय कृष्ण दास ब्रह्मचारी को हाल ही में बांग्लादेश में गिरफ्तार कर लिया गया था. दरअसल, चिन्मय कृष्ण दास प्रभु ने 22 नवंबर को बांग्लादेश के रंगपुर में हिंदुओं के समर्थन में एक रैली की थी. माना जा रहा है कि इसी वजह से चिन्मय कृष्ण प्रभु के खिलाफ यह कार्रवाई की गई. दावा यह भी किया जा रहा है कि मोहम्मद यूनुस की अगुवाई में बनी अंतरिम सरकार नहीं चाहती थी कि चिन्मय दास देश से बाहर निकलें और यही वजह रही कि वह जैसे ही एयरपोर्ट पर पहुंचे उन्हें पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया. वहीं अब इस पूरे मामले में भारत सरकार की प्रतिक्रिया आई है।

इसी साल अक्टूबर के महीने में बांग्लादेश की सरकार ने चिन्मय कृष्ण दास प्रभु पर देशद्रोह का आरोप लगाया था. साथ ही हिंदू संगठन से जुड़े कई लोगों के खिलाफ केस भी दर्ज किए गए थे।

विदेश मंत्रालय ने बयान में आगे कहा "यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि इन घटनाओं के अपराधी अभी भी खुलेआम घूम रहे हैं, जबकि शांतिपूर्ण सभाओं के माध्यम से वैध मांगें पेश करने वाले धार्मिक नेता के खिलाफ आरोप लगाए जा रहे हैं." मंत्रालय ने धार्मिक नेता की गिरफ्तारी का विरोध कर रहे हिंदुओं पर हमलों के बारे में भी चिंता व्यक्त की।

बांग्लादेश की एक अदालत ने आज चिन्मय कृष्ण दास ब्रह्मचारी की जमानत याचिका खारिज कर दी.अदालत ने उन्हें जेल भेजने का आदेश दिया है.दास समेत 19 लोगों के खिलाफ मामले दर्ज किए गए हैं.ढाका एयरपोर्ट से दास को गिरफ्तार किया गया था।

हिंदुओं को बांटने की साजिश

रंगपुर में हिंदुओं के समर्थन में जो रैली हुई थी, उसमें हिंदुओं पर हो रहे हमलों का विरोध किया गया था. इस रैली में यह कहा गया था कि बांग्लादेश की मोहम्मद यूनुस की अंतरिम सरकार लगातार अल्पसंख्यकों को खासकर हिंदुओं को प्रताड़ित कर रही है. इसमें विरोध करते हुए कहा गया था कि बीएनपी के सहयोग से कट्टरपंथी जमात-ए-इस्लामी के लोग खुलेआम इस्कॉन और इस्कॉन भक्तों की हत्या करने की धमकियां दे रहे हैं। इस रैली में बांग्लादेश इस्कॉन के चिन्मय कृष्ण दास प्रभु ने कहा था कि यहां हिंदुओं के खिलाफ हो रहे अत्याचार के जरिए यहां की सरकार हिंदुओं को आपस में बांटने की साजिश रच रही है।

ज्वलंत मुद्दा

सम्पादकीय

इमरजेंसी लाइट की तरह रोशनी दिखाता संविधान

भारतीय संविधान इमरजेंसी लाइट की तरह है। जब कभी हालात का घना अंधेरा देश के सामने उलझन जैसी स्थिति पैदा करते हैं, संविधान खुद-ब-खुद उजाला बन सामने हाजिर हो जाता है। संविधान के अंजोर में देश को सही राह दिख जाती है। आपातकाल जैसे एक-आध अपवादों को छोड़ दें तो पचहत्तर साल से यह संविधान हमारे लिए रोशनी की लकीर बना हुआ है। देश के सामने जब भी भटकाव जैसे हालात होते हैं, संविधान से ही आगे बढ़ने की राह निकल आती है। भारत को स्वाधीनता देने वाले लॉर्ड एटली सरकार के प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान ब्रिटिश संसद में पूर्व प्रधानमंत्री और तत्कालीन विपक्षी नेता विंस्टन चर्चिल ने कहा था कि आजाद होते ही भारत बिखर जाएगा और वहां दुष्टों, बदमाशों और लुटेरों के हाथ चला जाएगा। लेकिन चर्चिल की इस चाहत को स्वाधीन भारत की मनीषा ओर लोकतंत्र ने ध्वस्त कर दिया। दुनिया के विकसित और बड़े माने जाने वाले लोकतंत्रों में भी संवैधानिक व्यवस्था लागू होने या स्वाधीनता के तुरंत बाद समानता के आधार पर वयस्क मतदान का अधिकार नहीं मिला। लेकिन महज 18.33 प्रतिशत साक्षरता वाला देश लोकतंत्र की मजबूत राह पर चल पड़ा। ये सब उपलब्धियां अगर भारतीय लोकतंत्र को हासिल हुई हैं, तो इसकी मजबूत बुनियाद भारतीय संविधान ने रखी। लोकतांत्रिक शासन की बुनियाद पर भारत राष्ट्र की जो मजबूत इमारत खड़ी हुई है, वह मजबूत संवैधानिक बुनियाद के बिना संभव नहीं हो सकता था। इसी भारतीय संविधान ने 26 नवंबर के दिन 75 साल की यात्रा पूरी कर ली है। 64 लाख रूपए के कुल खर्च और दो साल 11 महीने 18 दिन तक चली बहसों के बाद इसी दिन 1949 में देश ने भारतीय संविधान को अंगीकृत किया था। इसके ठीक दो महीने बाद यानी 26 जनवरी 1950 को देश ने इसे लागू किया और तब से यह हमारी लोकतांत्रिक राष्ट्र यात्रा की आत्मा, धड़कन, रक्त बना हुआ है। संविधान की प्रारूप समिति के अध्यक्ष भीमराव अंबेडकर को हमने संविधान के निमार्ता के रूप में स्वीकार कर लिया है, लेकिन संविधान के निर्माण में 389 सदस्यों के साथ ही बीएन राव जैसे व्यक्तियों का योगदान कम नहीं रहा। भारत को आजादी देना जब तय हुआ, उसके पहले पंडित नेहरू की अगुआई में एक अंतरिम सरकार बनी। उसी अंतरिम सरकार के मुखिया के नाते जवाहरलाल नेहरू और उप-प्रधानमंत्री सरदार पटेल ने कर्नाटक के जाने माने विधिवेत्ता बेनेगल नरसिम्ह राव यानी बीएन राव को विधि सलाहकार के पद पर नियुक्त करके संविधान का प्रारूप तैयार करने की जिम्मेदारी दे दी थी।

SYED ZAKI HAIDER
(EDITOR / PUBLISHER CUM MANAGING DIRECTOR
OF NAI UMMEED NEWS AGENCY
MOBILE NO. 9911371802
EMAIL SYEDZAKIHAIDER786@GMAIL.COM

झांसी में पंडित धीरेंद्र शास्त्री पर हमला! बागेश्वर बाबा में खुद बताई पूरी सच्चाई

नूना न्यूज एजेंसी।

झांसी। पंडित धीरेंद्र शास्त्री पर उनके नेतृत्व में चल रही सनातन हिंदू एकता पदयात्रा के छठे दिन हमला हुआ है। पदयात्रा के दौरान बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर पंडित पर किसी ने हमला करने के लिए मोबाइल फोन फेंक दिया। सूत्रों के मुताबिक, यात्रा के दौरान उनके स्वागत में फूलों के साथ मोबाइल फोन भी फेंका गया था। हालांकि, धीरेंद्र शास्त्री ने इससे खुद इनकार किया है। उन्होंने कहा कि कोई हमला नहीं हुआ। पुष्पवर्षा कर रहे एक भक्त का गलती से मोबाइल फोन गिर गया। यह कोई हमला नहीं था। हम इस यात्रा को शांतिपूर्ण ढंग से चला रहे हैं। बताया जा रहा है कि मोबाइल फोन सीधे धीरेंद्र शास्त्री के चेहरे पर लगा। पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री, जिन्हें बागेश्वर धाम सरकार के नाम से भी जाना जाता है, ने 160 किलोमीटर की पदयात्रा शुरू की। 11 दिनों तक चलने वाली इस यात्रा में कई संतों, राष्ट्रवादी विचारकों और अन्य लोगों की भागीदारी शामिल है।

शास्त्री द्वारा मध्य प्रदेश के छतरपुर से ओरछा तक की जा रही 'सनातन पदयात्रा' को समर्थन देने के लिए कई संत एक साथ आए हैं। आपको बता दें कि बागेश्वर धाम सरकार के नाम से मशहूर आध्यात्मिक नेता धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने मध्यप्रदेश के बुंदेलखंड क्षेत्र में हिंदू एकता के लिए अपने समर्थकों के साथ 160 किलोमीटर की पदयात्रा शुरू की। नौ दिवसीय हिंदू एकता पद यात्रा बागेश्वर धाम से शुरू हुई जो निवाड़ी जिले के ओरछा में श्री राम राजा मंदिर में समाप्त होगी। ओरछा में श्रीराम को भगवान और राजा के रूप में पूजा जाता है तथा अक्सर भक्तों द्वारा इसे दूसरी अयोध्या कहा जाता है। यात्रा में उनके सैकड़ों समर्थक हिंदू राष्ट्र की मांग वाली तख्तियां लिए हुए थे। यात्रा की शुरूआत में भाग लेने वालों में प्रदेश भाजपा प्रमुख और लोकसभा सांसद वी डी शर्मा और राज्य मंत्री दिलीप अहिरवार शामिल थे।

संविधान दिवस समारोह में राहुल गांधी ने ऐसा क्या कर दिया

भाजपा लगा रही राष्ट्रपति के अनादर का आरोप

नूना न्यूज एजेंसी।

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी मंगलवार को भाजपा के निशाने पर आ गए। पार्टी ने उन पर संसद में संविधान दिवस समारोह में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का अभिवादन न करके उनका अपमान करने का आरोप लगाया। बीजेपी ने यह भी आरोप लगाया कि राष्ट्रगान के दौरान कांग्रेस नेता का ध्यान भटका था। भाजपा नेता अमित मालवीय ने कार्यक्रम के दो वीडियो साझा किए, जिनमें से एक में कथित तौर पर राहुल गांधी को बगल में देखते हुए दिखाया गया है, जबकि अन्य नेता राष्ट्रगान बजते समय या तो सीधे आगे या नीचे की ओर देख रहे थे। एक अन्य वीडियो में गांधी बैठने का प्रयास करते दिख रहे हैं जबकि राष्ट्रपति और अन्य नेता खड़े रहे। वीडियो में गांधी को राष्ट्रपति मुर्मू का अभिवादन किए बिना मंच से निकलते हुए भी दिखाया गया है। मालवीय ने कांग्रेस नेता की पहले की टिप्पणियों का जिक्र करते हुए कहा कि राहुल गांधी 50 सेकंड के लिए भी अपना ध्यान नहीं रोक सकते, और उनमें संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति पर बिल्कुल अरुचिकर टिप्पणी करने का दुस्साहस था। जैसे ही राष्ट्रगान समाप्त हुआ, मंच के किनारे खड़े राहुल गांधी को नीचे उतरने का प्रयास करते देखा गया, जबकि अन्य नेताओं ने राष्ट्रपति मुर्मू का अभिवादन किया। दूसरा वीडियो साझा करते हुए, मालवीय ने कहा, "कांग्रेस हमेशा अध्यक्ष श्रीमती द्रौपदी मुर्मू जी का अनादर करती है, क्योंकि वह देश के सर्वोच्च पद पर आसीन होने वाली पहली आदिवासी महिला हैं। राहुल गांधी और परिवार एससी, एसटी और ओबीसी का तिरस्कार करते हैं। यह दिखाता है।

संभल से बड़ी संख्या में लोग कर रहे हैं पलायन

नूना न्यूज एजेंसी।

लखनऊ। पश्चिमी उत्तर प्रदेश के जिला संभल में जामा मस्जिद के सर्वे को लेकर रविवार 24 नवंबर को करीब पांच घंटे के बवाल के बाद तीसरे दिन भी क्षेत्र में दहशत के बीच लोगों में गम, गुस्सा और बेबसी नजर आई। जामा मस्जिद से नखासा और हिंदूपुरा खेड़ा तक सन्नाटा पसरा रहा। चौक-चौराहों पर अधिकतर पुलिसकर्मी ही दिखे। इन सबके बीच कहीं गोली के निशान तो कहीं सड़कें और दीवारें बवाल की कहानी बयां कर रही थीं। जान गंवाने वालों के परिजन व आम लोग भी सीधे तौर पर कुछ भी कहने से बचते रहे। बवाल वाले क्षेत्रों से सैकड़ों लोग घरों पर ताला लगाकर अपने रिश्तेदारों के घर चले गए। संभल में हुए बवाल के दौरान उपद्रवियों ने जिस तरह दुकानों के बाहर लगे सीसीटीवी कैमरों को तोड़ा, उससे उनकी मंशा पर सवाल उठा रहे हैं। मोहल्ला कोट पूर्वी में सोमवार को जब स्थिति कुछ सामान्य हुई तो अपनी दुकानों की स्थिति का जायजा लेने दुकानदार भी पहुंच गए। दुकानदारों का कहना था कि उपद्रवियों ने सीसीटीवी कैमरे तोड़ दिए ताकि उनका उपद्रव सामने न आ सके। दुकानदारों ने कहा कि रविवार को बवाल होने के कारण दुकानें नहीं खोली थीं। रात में कार घर के बाहर खड़ी छोड़ दी थी, सुबह बवाल में वह आग के हवाले हो गई। संभल में बवाल के बाद तनाव पूर्ण माहौल नजर आ रहा है। इस बीच पुलिस ने सपा सांसद जियाउर्रहमान बर्क, विधायक इकबाल महमूद के बेटे सुहेल इकबाल समेत 2500 लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की। बर्क और सुहेल पर बलवा कराने की साजिश का आरोप है। वहीं तीन महिलाओं समेत 27 आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। वहीं जामा मस्जिद के सदर जफर अली एडवोकेट को पुलिस ने पूछताछ के लिए बुलाया।

संविधान दिवस पर स्वतंत्रता सेनानी एवं उत्तराधिकारी संयुक्त संगठन

संविधान सम्मान यात्रा
स्वतंत्रता सेनानी एवं उत्तराधिकारी संगठन

भोपाल। प्रसिद्ध क्रान्तिकारी श्री विद्याभूषण आजाद की पुत्री डॉ.जया शुक्ला ने बताया कि संविधान दिवस पर स्वतंत्रता सेनानी एवं उत्तराधिकारी संयुक्त संगठन, भोपाल द्वारा एक दो-दिवसीय राष्ट्रीय अधिवेशन संयोजित हुआ जिसमें विभिन्न प्रदेशोंके प्रतिनिधियों ने भाग लिया। डॉ.जया शुक्ला द्वारा झंडोत्तोलन के बाद पूर्वाह्न में श्री अजय सीतलानी की अध्यक्षता में हुये सम्मेलन में सभी वक्ताओं ने हमारे संविधान तथा लोकतंत्र, जो हमारे आजाद देश की आत्मा हैं, पर लगातार हो रहे हमलों पर गहरी चिन्ता व्यक्त की। इन उत्तराधिकारियों की अन्तरात्मा इनके बलिदानी पूर्वजों के संस्कारों से परिपूर्ण है। देशकी वर्तमान हर प्रकार की दुर्दशा देखते हुये संगठन ने नौ प्रकार के अहम बिन्दुओं को लेकर भविष्यके कार्यक्रम तय किये, तथा संविधान और लोकतंत्र की आजादी की हर कीमत पर, पूर्ण समर्पण के साथ, रक्षा करनेकी प्रतिज्ञा की। अपराह्न में सभी जुलूस के रूप में पुरानी विधानसभा से जवाहर चौक तक संबंधित मुद्दोंके पैम्फ़लेट बाँटते हुये गये, जहाँ पुनः प्रदर्शन हुआ। वहाँ से रोशनपुरा बाजार के सामने प्रदर्शन में जनता ने उत्साह पूर्वक भाग लिया। सभी ने संविधान के 1949 में अधिनियमित व अधिगृहीत कियेजाने को पुनः उच्चारित किया। सम्मेलन का कल की सभा के बाद समापन होगा।

आप के 12 साल, क्या केजरीवाल जारी रख पाएंगे अपना कमाल, दिल्ली में कई सवाल

नूना न्यूज एजेंसी।

दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) ने मंगलवार को अपने संथापना के 12 साल पूरे कर लिए। आप धीरे-धीरे भारतीय राजनीति में अपने पंख फैला रही है और चुनाव दर चुनाव राज्यों में अपनी उपस्थिति बढ़ा रही है। अस्तित्व में आने के ठीक एक साल बाद 2013 में पार्टी को दिल्ली की 70 में से 28 सीटें मिलीं। इसके बाद उसने राष्ट्रीय राजधानी में अगले दो विधानसभा चुनावों में जीत हासिल की। जहां 2015 में आप ने 70 में से 67 सीटें जीतीं, वहीं 2020 में उसने शहर में 62 सीटें जीतीं। यह पहली बार था कि कांग्रेस या भाजपा के अलावा कोई अन्य पार्टी दिल्ली में सरकार बनाने में कामयाब रही। इसने न केवल दिल्ली में राजनीतिक तस्वीर बदल दी, बल्कि इसके नागरिकों को उन राजनेताओं के एक नए समूह से भी परिचित कराया जो उनके पड़ोसी थे। आप ने दिल्ली में कांग्रेस के 15 साल के शासन को समाप्त कर दिया, 2015 और 2020 में ग्रैंड ओल्ड पार्टी को एक भी सीट नहीं दी। इसने भारत में पांच राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों में उपस्थिति दर्ज करने के बाद 2023 में राष्ट्रीय पार्टी का दर्जा भी हासिल किया। दिल्ली और पंजाब में सरकार के अलावा, पार्टी के पास गोवा, गुजरात और जम्मू-कश्मीर में विधायक हैं। 2014 के लोकसभा चुनाव में आप ने पंजाब से चार सीटों के साथ लोकसभा में एंट्री की। पंजाब में 2017 के विधानसभा चुनावों में, पार्टी ने लड़ी गई 112 सीटों में से 20 सीटें जीतीं और विपक्ष के नेता (एलओपी) का पद हासिल किया। प्रयास 2022 तक जारी रहे जब राज्य की 117 सीटों में से आप ने 92 सीटें हासिल कीं जो एक रिकॉर्ड है। जहां दिल्ली और पंजाब में यात्राओं ने इतिहास रचा, वहीं अन्य हिस्सों में आप की वृद्धि धीमी रही। यह 2011 का अन्ना हजारे आंदोलन था जिसे आप की उत्पत्ति माना जाता है। देश क्रोधित और उत्तेजित था और इस हताशा ने अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व में भारत के सबसे बड़े भ्रष्टाचार विरोधी अभियानों में से एक को जन्म दिया। केजरीवाल ने 2 अक्टूबर 2012 को पार्टी के गठन की घोषणा की, और इसे 26 नवंबर को लॉन्च किया गया - जो 1949 में भारत द्वारा अपना संविधान अपनाने की सालगिरह थी। भारत में किसी भी नए राजनीतिक दल की सफलता दर आम तौर पर कम होती है लेकिन केजरीवाल और आप की कहानी अलग थी। पार्टी का दावा है कि उसने काउंटी में राजनीतिक कहानी बदल दी है, जिससे बड़ी पार्टियों को उन कल्याणकारी योजनाओं के बारे में बात करने के लिए मजबूर होना पड़ा है जो अतीत में गायब हो गई थीं। फिलहाल, आप अपनी ऊर्जा दिल्ली में आगामी विधानसभा चुनावों पर केंद्रित कर रही है, जो 2025 के पहले कुछ हफ्तों के आसपास होने वाले हैं। चुनाव न केवल पार्टी के भाग्य का फैसला करेंगे बल्कि केजरीवाल को दिल्ली के सबसे लंबे समय तक सेवा करने वाले मुख्यमंत्रियों में से एक की सूची में स्थान सुरक्षित करने की अनुमति भी देंगे। अरविंद केजरीवाल ने पार्टी के स्थापना दिवस पर मंगलवार को कहा कि पार्टी अपनी ईमानदारी और लोगों के प्यार के कारण मजबूत हुई है तथा संविधान और लोकतंत्र को बचाने की लड़ाई जारी रहेगी। उन्होंने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा, 2012 में आज का यह दिन इतिहास का वह पल है, जब देश के आम आदमी ने अपनी ताकत पहचानी और आम आदमी पार्टी की स्थापना की। अब तक का हमारा यह सफर संघर्ष, बलिदान और जीत की कहानियों से भरा रहा। केजरीवाल ने लिखा, पिछले एक साल में तो हमें मिटाने की लाख कोशिशें हुईं, लेकिन हमारी ईमानदारी, जनता के प्यार और कार्यकर्ताओं के हौसले ने हमें और मजबूत बना दिया। हम अन्याय और तानाशाही के खिलाफ पहले से ज्यादा मजबूती के साथ खड़े हैं। उन्होंने कहा कि संविधान और लोकतंत्र को बचाने की यह लड़ाई जारी रहेगी।

सीपीएचआई और पी-मेक इंडिया में वैश्विक फार्मा दिग्गज एक साथ आए

CPHI India
PMEC India
informa markets
INAUGURATION

नई दिल्ली। 26 नवंबर 2024 इन्फोर्मा मार्केट्स इंडिया द्वारा आयोजित सीपीएचआई और पी-मेक इंडिया का 17 वां संस्करण आज ग्रेटर नोएडा, दिल्ली-एनसीआर के इंडिया एक्सपो सेंटर में शुरू हुआ जो 26 से 28 नवंबर 2024 तक चलेगा, जिसमें भारतीय फार्मा उद्योग की मजबूत क्षमता का प्रदर्शन किया गया। 2030 तक भारतीय फार्मा बाजार के 130 बिलियन अमरीकी डॉलर और 2047 तक 450 बिलियन अमरीकी डॉलर तक बढ़ने के अनुमान के साथ, इस आयोजन ने वैश्विक स्वास्थ्य को आकार देने में उद्योग की महत्वपूर्ण भूमिका को उजागर किया। अमेरिका, यूएई, दक्षिण कोरिया, जापान और यूनाइटेड किंगडम सहित 120 से अधिक देशों के 2,000 से अधिक प्रदर्शकों और 50,000 से अधिक विजिटर्स को एक साथ लाते हुए, यह एक्सपो नवाचार और सहयोग के लिए एक गतिशील केंद्र के रूप में कार्य करता है। फार्मा मशीनरी, पैकेजिंग, विश्लेषणात्मक उपकरण, प्रयोगशाला प्रौद्योगिकियों, सामग्री और अन्य से लेकर, यह हितधारकों को परिवर्तनकारी बातचीत में शामिल होने और रणनीतिक साझेदारी को बढ़ावा देने के लिए एक व्यापक मंच प्रदान करता है। सीपीएचआई और पी-मेक इंडिया 2024 के भव्य उद्घाटन में उद्योग जगत के गणमान्य व्यक्तियों और गणमान्य लोगों की एक प्रतिष्ठित कतार ने शिरकत की, जिसने इस आयोजन की शक्तिशाली शुरूआत को चिह्नित किया। इस अवसर पर उपस्थित थे श्री के. राजा भानु, महानिदेशक, फार्मेक्सिल; श्री हरीश के. जैन, अध्यक्ष, फेडरेशन ऑफ फार्मा उद्यमी; श्री नमित जोशी, उपाध्यक्ष, फार्मेक्सिल; श्री एवीपीएस चक्रवर्ती, वैश्विक राजदूत, विश्व पैकेजिंग संगठन; श्री राकेश कुमार, अध्यक्ष, इंडिया एक्सपो मार्ट लिमिटेड और महानिदेशक, हस्तशिल्प निर्यात संवर्धन परिषद (ईपीसीएच); श्री योगेश मुद्रास, प्रबंध निदेशक, इन्फोर्मा मार्केट्स इंडिया; श्री एडम एंडरसन, कार्यकारी उपाध्यक्ष - फार्मा, इन्फोर्मा मार्केट्स बी.वी. और श्री राहुल देशपांडे, वरिष्ठ समूह निदेशक, इन्फोर्मा मार्केट्स इंडिया जैसे गणमान्य व्यक्तियों ने भारत के फार्मा क्षेत्र को आगे बढ़ाने और वैश्विक सहयोग को बढ़ावा देने में आयोजन के योगदान की सराहना की, एक्सपो के महत्व को उद्योग में नवाचार, संवाद और विकास के लिए एक आधारशिला के रूप में पुष्टि की। सीपीएचआई और पी-मेक इंडिया में डॉ. रेड्डीज लैबोरेटरीज लिमिटेड, बायोकॉन लिमिटेड, ग्लेनमार्क लाइफ साइंसेज लिमिटेड, मोरेपेन लैबोरेटरीज लिमिटेड, हेटेरो लैब्स लिमिटेड, ल्यूपिन लिमिटेड, सिग्नेट एक्सिपिएंट्स प्राइवेट लिमिटेड, एपिटोरिया फार्मा प्राइवेट लिमिटेड, कैप्सुजेल हेल्थकेयर प्राइवेट लिमिटेड, सुप्रिया लाइफ साइंस लिमिटेड, एसएमएस फार्मास्यूटिकल्स लिमिटेड, एमएसएन लैबोरेटरीज प्राइवेट लिमिटेड, सेख़्मेट फामार्वेंचर्स प्राइवेट लिमिटेड, तिरुपति लाइफ साइंसेज प्राइवेट लिमिटेड और मर्क लाइफ साइंस प्राइवेट लिमिटेड जैसी प्रमुख कंपनियों सहित कई दिग्गजों ने शिरकत की। इस साल, इस एक्सपो को भारतीय फार्मास्युटिकल उद्योग परिसंघ (CIPI), फेडरेशन ऑफ फार्मा उद्यमी (FOPE), इंटरनेशनल फार्मास्युटिकल एक्सिपिएंट्स काउंसिल ऑफ इंडिया (IPEC इंडिया) और फार्मेक्सिल सहित प्रमुख उद्योग संघों का भरपूर समर्थन मिला, जिसने फार्मास्युटिकल उद्योग में एक अग्रणी और बहुप्रतीक्षित आयोजन के रूप में अपनी स्थिति को और मजबूत किया।

राजस्थान मंडप में जोधपुर की महिलाओं के स्वयं सहायता समूह के द्वारा निर्मित उत्पादों ने छोड़ी अपनी छाप

नई दिल्ली। 26 नवम्बर 2024 दिल्ली के प्रगति मैदान में चल रहे 14 दिवसीय 43वें भारतीय अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेला में महिला सशक्तिकरण की मिसाल पेश करते जोधपुर के पाल गांव की कल्याणी स्वयं सहायता समूह द्वारा निर्मित उत्पादों ने अपनी विषेष छाप छोड़ी है। मेले में आ रहे आगंतुक विषेषकर महिलाएं इनके स्टॉल पर जाकर समूह की महिलाओं से चर्चा कर उनके हुनर के बूते आत्मनिर्भर बनने के अनुभवों की जानकारी ले रही हैं। इन स्वयंसेवी महिलाओं के हूनर और उनके दृढ़ संकल्पों से उनके द्वारा हजारों लोगो को रोजगार देने तक के सफर की कहानी सुनकर लोग रोमांचित हो रहे हैं। इन महिलाओं ने बताया कि उन्होंने अलग-अलग क्षेत्र में अपनी मेहनत, सोच और निष्ठा से फर्श से अर्ष तक की कहावत को मूर्त रूप दिया है। हल्के वजन एवं गर्माहट के लिये जयपुरी रजाईयां खरीददारों की बनी पहली पसंद राजस्थान मंडप में जयपुरी रजाईयों को काफी पसंद किया जा रहा है और उनके हल्के वजन, कोमलता एवं गर्माहट की खासियत की बजह से खूब खरीदारी भी हो रही है। पवेलियन में जयपुरी रजाईयां के स्टोल संचालक अब्दुल रऊफ ने बताया कि जयपुरी रजाईयां बनाना बुनकरों का वंशानुगत व्यवसाय है और इसे वे पिछली कई पीढ़ीयों से करते आ रहे हैं।

खरगे बोले- ईवीएम की जगह बैलेट पेपर से कराए जाएं चुनाव

संविधान रक्षक अभियान समारोह में दिया बैलेट पेपर के लिए भारत जोड़ो यात्रा जैसी मुहिम चलाने का सुझाव

>> राहुल ने फिर किया देश में जातिगत जनगणना का समर्थन, कहा इससे विकास की एक मजबूत नींव तैयार होगी

नई दिल्ली। 26 नवंबर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने ईवीएम की जगह बैलेट पेपर से चुनाव कराने की मांग की है। उन्होंने बैलेट पेपर से चुनाव के लिए 'भारत जोड़ो यात्रा' की तरह ही देशव्यापी मुहिम शुरू करने का सुझाव भी दिया। कांग्रेस अध्यक्ष मंगलवार को संविधान दिवस के अवसर पर दिल्ली के तालकटोरा स्टेडियम में लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी के साथ संविधान रक्षक अभियान समारोह को संबोधित कर रहे थे। अपने संबोधन में कांग्रेस अध्यक्ष ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को चुनौती देते हुए कहा, बैलेट पेपर से चुनाव कराने पर पता चल जाएगा कि आप कहां खड़े हैं और आपकी क्या हालत है। कांग्रेस अध्यक्ष ने उद्योगपति अडानी पर भाजपा की मदद करने का भी आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र के चुनावों में अडानी का बहुत बड़ा हाथ था, क्योंकि उन्होंने अपने धनबल से भाजपा की मदद की। मोदी ने अडानी को इतनी संपत्ति दी है कि वे इसे पचा नहीं पा रहे हैं और भाजपा की मदद के लिए चुनावों में पैसा बांट रहे हैं। भाजपा पर निशाना साधते हुए खरगे ने कहा कि संविधान यूं ही नहीं बना, इसे तैयार करने के लिए कांग्रेस पार्टी ने बहुत मेहनत की। इसे बनाने में बाबासाहेब आंबेडकर जी का अहम योगदान था। आज कुछ लोग संविधान की तारीफ करते हैं, उसे नमन करते हैं। लेकिन अंदर ही अंदर वे संविधान को खत्म करना चाहते हैं। आजादी की लड़ाई में इनका कोई योगदान नहीं है। कांग्रेस के लोग आजादी के लिए लड़े और आजादी हासिल की। इंदिरा गांधी और राजीव गांधी जैसे कांग्रेस नेताओं ने देश को एकजुट रखने के लिए अपने प्राणों की आहुति दी। राहुल गांधी ने भारत जोड़ो यात्रा भी लोकतंत्र और संविधान बचाने के लिए निकाली।

राष्ट्रीय लोकदल पार्टी ने मो. नासिर को जिला चांदनी चौक का अध्यक्ष मनोनीत किया

नई दिल्ली। 26 नवम्बर 2024 राष्ट्रीय लोकदल पार्टी ने मो. नासिर को दिल्ली प्रदेष अध्यक्ष रजनीष मलिक द्वारा कार्यालय पार्टी के पदाधिकारियों दिल्ली प्रदेष उपाध्यक्ष राजीव तौमर महासचिव मनमोहन सिंह की उपस्थिती में जिला चांदनी चौक का अध्यक्ष मनोनीत करते हुए मो. नासिर को पत्र दिया। पार्टी के दिल्ली प्रदेष अध्यक्ष नजनीष मलिक ने कहा मो. नासिर को जिला चांदनी चौक का अध्यक्ष पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष ज्यंत चौधरी के आदेष पर मनोनीत किया गया है। मो. नासिर युवा और झुजारू नेता हैं। आर.एल.डी पार्टी युवाओं को आगे बढ़ाने की दिषा में कार्यरत है। आर.एल.डी. पार्टी दिल्ली में आगामी विधानसभा चुनाव में भाग लेकर अपने प्रत्याषी मैदान में उतारेगी। आषा करते है मो. नासिर पार्टी को मजबूत करने की दिषा में जिला चांदनी चौक में सराहनीय कार्य करेंगे। उपाध्यक्ष राजीव तौमर, माहासचिव मनमोहन सिंह ने कहा मो. नासिर पार्टी के मूल्य सिद्धांतो पर चलते हुए पार्टी को नई उर्जा प्रदान करेंगे। अंत में मो. नासिर ने कहा मैं पूरी महनत और लगन से पार्टी के लिए कार्य करते हुए जिला चांदनी चौक में जन जन तक पार्टी का संदेष पहुंचाएंगे। मैं प्रयास करूंगा आगामी विधानसभा चुनाव में आर.एल.डी पार्टी अपने प्रत्याषी उतारें। दिल्ली की जनता वर्तमान सरकार के झूठे वादों से परेषान है इसलिए दिल्ली की जनता परिवर्तन चाहती है। इस अवसर पर मौजूद लोगों ने मो. नासिर और पार्टी के पदाधिकारियों का स्वागत करते हुए उन्हें बधाई दी जो इस प्रकार हैः मो. षुएब, मो. जाहिद, मुजाहिद खान, मुजम्मिल परवाज, हाफिज मो तौहीद, मो. समी, राजकपूर डबास, उस्मान त्यागी,यासीन मलिक, प्रहलाद सिंह, हर्ष चौधरी, राजरानी, मो. अबरार, भीम सिंह, सुभाष तौमर, चौधरी रवीष गुर्जर आदि। ज्ञात हो कि विजय सिंह राठौर को दक्षिण दिल्ली का जिला अध्यक्ष और मो. नासिर को चांदनी चौक जिला अध्यक्ष बनने पर राष्ट्रीय लोकदल परिवार की तरफ से बधाई दी।

कुलपति प्रो श्रीनिवास वरखेड़ी ने संस्कृत में अनूदित भारतीय संविधान को ऐतिहासिक बताया

प्रो अजय कुमार मिश्रा,
संयोजक मीडिया प्रकोष्ठ,
आईकेएस व पीआरओ,
सीएसयू,

दिल्ली। केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, दिल्ली के कुलपति प्रो श्रीनिवास वरखेड़ी ने सभी को संविधान दिवस की हार्दिक शुभकामना दी और कहा है कि भारतीय संविधान निर्माण के 75वें वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य पर संस्कृत भाषा में अनूदित भारतीय संविधान की प्रति का विमोचन सर्वथा ऐतिहासिक है। प्रो वरखेड़ी ने प्रसन्नता व्यक्त करते यह भी कहा कि संस्कृत भारतीय भाषा के मूल में है और इसके लिए संस्कृत एक संयोजक कड़ी के रूप में सदा से ही अपनी महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाती आयी है । अतः यह संस्कृत अनुवाद भारतीय भाषाओं की विरासत के साथ साथ सांस्कृतिक पहचान को भी समुन्नत करेगा। उनका यह भी मानना है कि भारत के अन्य भाषाओं में भी इसका अनुवाद राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 की उस भावना को भी संबलित करता है जिसके अन्तर्गत भारतीय भाषाओं के समुन्नयन पर प्रथम बार समुचित रुप में बल दिया गया है उन्होंने यह भी बताया कि इस दिवस को बाबा साहब अंबेडकर की जयन्ती के रूप में मनाये जाने माने की सार्थकता इसी में है कि उन्होंने जिस सामाजिक न्याय,समता तथा समरता की कटिबद्धता की भावना बनाये रखने के लिए विश्व का सबसे विशाल भारतीय संविधान का निर्माण करने में बहुत ही महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई थी, उसकी सार्थकता अन्त्योदय तक पहुंचे। उन्होंने यह भी कहा कि संविधान की मयार्दा की रक्षा करना ही राष्ट्र धर्म है।

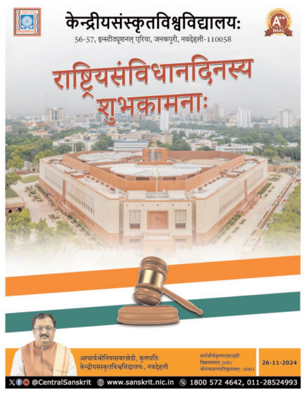
केन्द्रीयसंस्कृतविश्वविद्यालयः
56-57, इन्स्टीट्यूशनल् एरिया, जनकपुरी, नवदेहली-110058
राष्ट्रियसंविधानदिनस्य शुभकामनाः
26-11-2024
@CentralSanskrit www.sanskrit.nic.in 1800 572 4642, 011-28524993

प्रसार भारती, रेलटेल और प्लेबॉक्स टीवी ने रेलवायर ब्रॉडबैंड पर फ्रीडम प्लान लॉन्च किया

नई दिल्ली, नवम्बर : प्रसार भारती, रेलटेल कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया और प्लेबॉक्स टीवी ने रेलवायर के फ्रीडम प्लान का अनावरण किया है। फ्रीडम प्लान, रेलवायर द्वारा एक ओटीटी बंडल होम इंटरनैट प्लान है। रेलटेल की रिटेल होम इंटरनैट सेवा जो आम जनता को किफायती किमत पर हाई स्पीड इंटरनैट उपलब्ध कराती है। रेलवायर टियर 2, 3 शहरों और ग्रामीण क्षेत्रों पर ज्यादा ध्यान केंद्रित करता है, जहां अक्सर गुणवत्तापूर्ण ब्रॉडबैंड सेवाएँ उपलब्ध नहीं होती हैं। फ्रीडम प्लान में उपलब्ध ओटीटी बंडल ऑफर सब्सक्राइबर को गुणवत्तापूर्ण मनोरंजन भी प्रदान करते हैं। फ्रीडम प्लान, प्रसार भारती के अपने ओटीटी प्लेटफॉर्म वेव्स और प्रीमियम ओटीटी, 30 एमबीपीएस हाई स्पीड इंटरनैट के साथ-साथ 400 प्लस लाइव टीवी चैनल और 200 प्लस गेम के साथ आता है। रेलटेल, प्लेबॉक्स टीवी के साथ मिलकर ओटीटी एग्रीगेटर के रूप में प्रसार भारती के नए लॉन्च किए गए ओटीटी वेव्स को अपने प्लेटफॉर्म पर लाने वाली पहली पहल है। ग्राहक फैमिली एंटरटेनमैंट के नए कलैक्शन तक पहुंच सकेंगे। रेलवायर की व्यापक पहुंच और वंचित और ग्रामीण बाजारों में इसकी पैठ कुछ ऐसी है जो फ्रीडम प्लान को व्यापक और अधिक विविध दर्शकों तक पहुंचाने में मदद करेगी। यह एक डिजीटल राष्ट्र का निर्माण है।

ट्रक ने बाइक सवार को लिया चपेट में, एक की मौत, दूसरा गंभीर

जींद, नवंबर : ललितखेड़ा के पास रविवार रात को टोल प्लाजा पर सिक्योरिटी गार्ड की नौकरी पर ड्यूटी पर जा रहे बाइक सवारों को ट्रक ने चपेट में ले लिया। जिसमें एक की मौत हो गई जबकि दूसरा घायल हो गया। सदर थाना पुलिस ने अज्ञात ट्रक चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। बताया जा रहा है कि ट्रक चालक ने टक्कर मार कर तेज गति से गाड़ी भगाई, दुर्घटनाग्रस्त हुए घायलों की बाइक ट्रक के नीचे फंस गई। करीब एक किलोमीटर दूर जाकर बाइक मिली है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। भिड़ताना गांव निवासी राजेश ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह गोहाना रोड पर ललितखेड़ा के पास टोल प्लाजा पर सिक्योरिटी गार्ड की नौकरी करता है। रविवार रात नौ बजे के करीब वह और गांव का ही बलवान अपनी बाइक पर सवार होकर ड्यूटी पर जा रहे थे। टोल के नजदीक गोहाना रोड पर पहुंचे तो एक तरफ से आ रहे ट्राला चालक ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। इसमें दोनों गिर कर घायल हो गए। उनका बाइक ट्राले के नीचे फंस गया जिसे घसीटते हुए ट्रक चालक काफी दूर तक ले गया।

केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने दिल्ली में द टिचर एप्प का किया अनावरण

नई दिल्ली, नवम्बर : भारती एंटरप्राइजेज की परोपकारी शाखा, भारती एयरटेल फाऊंडेशन ने द टिचर एप्प लॉन्च किया, जो एक नवोन्मेषी डिजीटल प्लेटफॉर्म है जिसे 21वीं सदी की कक्षाओं की मांगों को पूरा करने के लिए शिक्षकों को भविष्य के लिए तैयार कौशल प्रदान करके भारत में शिक्षा के क्षेत्र में क्रांति लाने के लिए डिजाइन किया गया है। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने दिल्ली में आयोजित एक लॉन्च कार्यक्रम में इस प्लेटफॉर्म का अनावरण किया। इस अवसर पर भारती एंटरप्राइजेज के वाइस चेयरमैन राकेश भारती मित्तल और भारती एयरटेल फाऊंडेशन की सीईओ ममता सैकिया के साथ-साथ शिक्षा क्षेत्र के गणमान्य व्यक्ति, स्कूलों के प्रिंसीपल, शिक्षक और बी.एड. के विद्यार्थी भी मौजूद थे। जमीनी अनुभव और शिक्षकों के सामने आने वाली चुनौतियों की गहरी समझ के आधार पर भारती एयरटेल फाऊंडेशन ने द टिचर एप्प की अवधारणा को विकसित किया है। यह एक ऐसा प्लेटफॉर्म है जो शिक्षकों को नवोन्मेषी डिजीटल संसाधनों के माध्यम से उन्हें समय की कसौटी पर खरे उतरे और भविष्य के लिए तैयार कौशल से सुसज्जित करने के लिए डिजाइन किया गया है। शिक्षकों के सीधे इनपुट से विकसित किया गया।

दिल्ली में मानवता के कल्याण के लिए समर्पित ध्यान महोत्सव का आयोजन

नई दिल्ली, नवम्बर : तेजज्ञान फाऊंडेशन की ओर से रजत जयंती ध्यान महोत्सव का आयोजन चिन्मय मिशन ऑडिटोरियम हॉल, कोटला मुबारकपुर, दिल्ली में किया गया था। इस समारोह में प्रमुख अतिथि आयुर्वेद विशेषज्ञ आचार्य मनीष, स्टालवार्ट एजुकेटर के अवध ओझा, तेजज्ञान फाऊंडेशन की कार्यकारी ट्रस्टी तेजविद्या ये गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। तेजज्ञान फाऊंडेशन का रजत जयंती ध्यान महोत्सव में दिल्ली शहर और आस पास के सैकड़ों के तादाद में लोग जुड़े हुए थे। इस अवसर पर साथ में इकट्ठा होकर रजत ध्यान जयंती महोत्सव बड़ी शान से मनाया गया।

इस अवसर पर बोलते हुए आचार्य मनीष ने कहा कि तेजज्ञान फाऊंडेशन के संस्थापक तेजगुरु सरश्री इन्होंने पिछले 25 सालों से ध्यान के माध्यम से समाज में सकारात्मक का बीज समाज में बोने का काम किया है। उन्होंने आगे कहा कि तेजज्ञान फाऊंडेशन एक चैरिटेबल इंस्टीच्यूट है, जो पूरे मानव जाति के कल्याण के लिए समर्पित किया है।

दिल्ली चुनाव से पहले आतिशी का सनसनीखेज आरोप

दिल्ली। की मुख्यमंत्री आतिशी ने मंगलवार को आरोप लगाया कि एलजी विनय सक्सेना आप समर्थकों को मतदाता सूची से हटवाकर चुनावी प्रक्रिया में हेरफेर करने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि लगभग 20,000 मतदाताओं को मतदाता सूची से हटाने के लिए चुनाव अधिकारियों पर दबाव डाला जा रहा है। साथ ही उन्होंने कहा कि भाजपा को आगामी दिल्ली विधानसभा चुनावों में हार का डर है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार अनुचित तरीकों से दिल्ली चुनाव जीतने की कोशिश कर रही है। वे मतदाताओं को मतदाता सूची से हटाने की योजना बना रहे हैं, खासकर आप से जुड़े मतदाताओं को। हालाँकि, भाजपा की ओर से तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं आई। आम आदमी पार्टी (आप) के वरिष्ठ नेता ने इस कथित साजिश में पहले कदम के रूप में दिल्ली के उपराज्यपाल के 28 अक्टूबर के आदेश का हवाला देते हुए 29 उप-विभागीय मजिस्ट्रेटों (एसडीएम) को स्थानांतरित कर दिया। उन्होंने बूथ स्तर के अधिकारियों से ऐसी कार्रवाइयों का विरोध करने की अपील करते हुए उनसे किसी भी अनुचित दबाव या जबरदस्ती का दस्तावेजीकरण करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि यदि कोई आपको मतदाताओं के नाम काटने के लिए मजबूर करता है, तो इसे रिकॉर्ड करें और मुझे भेजें। मैं कार्रवाई सुनिश्चित करूंगा. भारत का संविधान आज आपके हाथ में है। एक अन्य राजनीतिक घटनाक्रम में, सत्तारूढ़ आप के संयोजक अरविंद केजरीवाल ने मंगलवार को भाजपा पर अपना हमला तेज करते हुए आरोप लगाया कि वह हाल के वर्षों में शहर में कई झुग्गियों को "ध्वस्त" करने के बावजूद फरवरी में होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले "झुग्गी पर्यटन" का सहारा ले रही है।

गीता जीवन गीत सभा सम्मेलन से विश्व में हुआ सात्विक ऊर्जा का संचार

- सात्विक ऊर्जा के संचार को सुनिश्चित करने के लिए हुआ आयोजन: डा. वेद टंडन
- द्वारका में हुआ गीता जीवन गीत सभा सम्मेलन, 11 दिसंबर को होगा गीता जयंती का आयोजन

श्री कृष्ण कृपा
गीता जीवन गीत

मंच से जानकारी देते पूज्य गीता मनीषी स्वामी श्री ज्ञानानंद जी महाराज।(

नई दिल्ली, नवम्बर : द्वारका सैक्टर-10 स्थित वंदना इंटरनैशनल सीनियर सैकेंडरी स्कूल के ओपी टंडन सभागार में पूजनीय गीता मनीषी स्वामी श्री ज्ञानानंद जी महाराज के सानिध्य में गीता जीवन गीत सभा सम्मेलन का आयोजन किया गया। गीता जयंती पर वैश्विक स्तर पर होने वाला कार्यक्रम हम एक बने, हम नेक बने एक मिनिट-एक साथ गीता पाठ के संबंध में विस्तृत जानकारी प्रदान करने के लिए दिल्ली व देश के अनेक क्षेत्रों के प्रबुद्ध नागरिकों, विद्यालयों के निदेशकों व प्रमुखों व दिल्ली विश्वविद्यालयों के उपकुलपतियों को आमंत्रित किया गया। इस मौके पर जीओ गीता के राष्ट्रीय शिक्षा संयोजक डॉ. वेद टंडन ने बताया कि इस सम्मेलन का आयोजन 11 दिसंबर को गीता जयंती के अवसर पर गीता के प्रचार-प्रसार, बच्चों में सुसंस्कार व युवाओं में रचनात्मक ऊर्जा के संचार की सफलता को सुनिश्चित करने के लिए किया गया है। कार्यक्रम का शुभारम्भ स्वामी ज्ञानानंद जी महाराज की पवित्र उपस्थिति में मंत्रोचारण के बीच मंगलदीप प्रज्वलन कर किया गया। अपने संक्षिप्त संबोधन में गीता मनीषी ज्ञानानंद जी महाराज ने गीता जयंती पर होने वाले कार्यक्रम की सार्थकता और सनातन की विस्तृत व प्रमाणित परिभाषा से उपस्थित गीता प्रेमियों को अवगत कराया। डा. वेद टंडन ने विभिन्न प्रांतों से पधारे जीओ गीता के संयोजकों/सहसंयोजकों व सभागार में उपस्थित सभी गणमान्य अतिथियों का उनकी गरिमामयी उपस्थिति और सहयोग के लिए आभार प्रकट किया। दिल्ली शिक्षक विश्वविद्यालय के उपकुलपति प्रो. धनंजय जोशी ने जीओ गीता के प्रयास को समय की मांग बताया और इसकी सार्थकता की सराहना करते हुए दिल्ली के सभी विश्वविद्यालयों में इस कार्यक्रम के आयोजन का संकल्प लिया।

छात्र राजनीति से उभरे शोएब इकबाल' फिलहाल संभाल रहे हैं मटिया महल' की सत्ता

2020 में छोड़ा था कांग्रेस का दामन

दिल्ली। की सत्ता पर काबिज आम आदमी पार्टी के विधायक शोएब इकबाल का जन्म 1 मई 1958 को हुआ था। इकबाल दिल्ली विधानसभा के सदस्य हैं। वे मटिया महल विधानसभा विधानसभा क्षेत्र से 6 बार विधायक रह चुके हैं। 2015 के विधानसभा चुनाव में शोएब को आम आदमी पार्टी के असीम अहमद खान ने हराया था। 2020 में शोएब इकबाल दिल्ली विधानसभा चुनाव से ठीक पहले सत्तारूढ़ आम आदमी पार्टी में शामिल हो गए। उन्होंने दिल्ली विधानसभा के उपाध्यक्ष के रूप में भी कार्य किया। शोएब इकबाल की शादी 1980 में हुई थी और उनके दो बेटे आले मुहम्मद इकबाल और अहमद हसन इकबाल हैं। आले मुहम्मद इकबाल एमसीडी के डिप्टी मेयर हैं। उनका परिवार भी पुरानी दिल्ली की राजनीति में सक्रिय है। उनके भतीजे खुर्रम इकबाल जामा मस्जिद से पार्षद थे। उनके भतीजे की सास सुल्ताना आबाद खान जामा मस्जिद वार्ड से पार्षद हैं। 2022 के दिल्ली एमसीडी चुनावों में शोएब इकबाल के करीबी सहयोगी हफीज की बेटी भी 2022 में सीता राम बाजार निर्वाचन क्षेत्र से पार्षद चुनी गईं। इकबाल अपने कॉलेज के दिनों में छात्र राजनीति में सक्रिय थे और जाकिर हुसैन दिल्ली कॉलेज में छात्र संघ के सचिव थे। शोएब ने शुरूआती दिनों में गरीब लोगों को परेशान करके और निर्माण गतिविधियों को करने के लिए उनसे पैसे की मांग करके ख्याति अर्जित की है। एमसीडी अधिकारियों द्वारा एक अवैध निर्माण को रोकने की कोशिश करने के बाद, इकबाल ने उनके अधिकारी पर हमला किया। वह जामा मस्जिद के पास एक लग्जरी होटल खोलने के लिए एक कथित स्थानीय माफिया और दुबई स्थित कंपनी के बीच विवादास्पद भूमि सौदे में भी शामिल था। आप के विधायक शोएब इकबाल ने अपना पहला चुनाव 1993 में जनता दल के टिकट पर लड़ा था। बाद में वह जनता दल (यूनाइटेड) में शामिल हो गए और पार्टी के अल्पसंख्यक मोर्चा का नेतृत्व किया। 2014 में वह भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस पार्टी में शामिल हो गए और बाद में 1993, 1998, 2003, 2008 और 2013 में पांच बार मटिया महल (विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र) से दिल्ली विधानसभा चुनाव जीते।

एक अच्छा नागरिक बनने के लिए बच्चों में मूल्यो का निर्धारण करना अति आवश्यक: शैली राजपूत

राजकीय बालिका इण्टर कॉलेज
हसनपुर, जनपद-अमरोहा
Ayushman Bharat
School Health & Wellness Program
Government Girls Inter College
Hasanpur (Amroha)

लोक तंत्र की शान
प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा

हसनपुर। मंगलवार को नगर के पुराने डाकघर रोड पर स्थित राजकीय बालिका इंटर कॉलेज हसनपुर में आयुष्मान भारत के स्कूल हेल्थ एंड वैलनेस प्रोग्राम के मॉड्यूल 4 मूल्य और जिम्मेदार नागरिक के अंतर्गत विद्यालय की छात्राओं को नैतिक मूल्य के संबंध में विस्तार से बताया गया, प्रार्थना सभा स्थल पर कार्यक्रम प्रभारी शैली राजपूत ने छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि एक अच्छा नागरिक बनने के लिए मूल्यो का निर्धारण करना अति आवश्यक होता है, वहीं उन्होंने चार्ट के माध्यम से मूल्यो का विस्तार से वर्णन किया, यह कार्यक्रम विद्यालय की प्रधानाचार्य श्रीमती कुमकुम के निर्देशन में संपन्न हुआ, इस मौके पर विद्यालय की समस्त छात्राएं एवं विद्यालय का स्टाफ मौजूद रहा।

होटल में युवक, युवती की अश्लील वीडियो वायरल मामले में युवती की तहरीर पर आरोपी युवक गिरफ्तार

लोक तंत्र की शान
प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा

हसनपुर। बताते चलें कि कुछ दिन पूर्व हसनपुर के एक होटल के कमरे में एक युवक और युवती का अश्लील वीडियो नग्न अवस्था में सामने आया था, वही वीडियो के सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद पीड़ित युवती ने आरोपी युवक के खिलाफ पुलिस को तहरीर देकर सख्त कार्रवाई की मांग की, जिसके चलते पीड़िता की तहरीर के आधार पर पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी और वायरल वीडियो की सत्यता की पड़ताल की, इस संबंध में क्राइम इंस्पेक्टर बालेंद्र सिंह ने बताया कि पीड़िता की तहरीर और वीडियो के आधार पर आरोपी युवक के खिलाफ मुकदमा पंजीकृत किया गया है, आरोपी की पहचान रहरा थाना क्षेत्र के गांव जेवड़ा मुस्तकाम निवासी विकास के रूप में हुई है, पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष पेश किया जहां से उसे न्यायालय के आदेश पर जेल भेज दिया गया ' बता दे की घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने आरोपी के खिलाफ संबंधित धाराओं में कार्यवाही की है ' वही ऐसी घटनाओं पर रोक लगाने के लिए पुलिस ने सभी होटल संचालकों को होटल में आने जाने वाले प्रत्येक व्यक्ति की सीसीटीवी फुटेज हर समय तैयार रखने एवं पुलिस के मांगने पर उपलब्ध कराने आदेश दिए हैं।

विश्व हिंदू परिषद, बजरंग दल की प्रखंड बैठक से पूर्व हुआ हनुमान चालीसा का पाठ

लोक तंत्र की शान
प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा

हसनपुर। मंगलवार को नगर के झारखंड महादेव शिवाला मंदिर प्रांगण में विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल प्रखंड हसनपुर की एक बैठक संपन्न हुई, वही बैठक से पूर्व प्रत्येक मंगलवार की भांति इस मंगलवार को भी हनुमान चालीसा का पाठ किया गया, हनुमान चालीसा के पाठ के उपरांत बैठक आयोजित की गई तथा बैठक में आगामी 8 दिसंबर को प्रस्तावित शौर्य यात्रा को भव्य रूप से आयोजन के लिए चर्चा की, उधर इस मौके पर विश्व हिंदू परिषद हसनपुर प्रखंड के अध्यक्ष मोहित अग्रवाल के द्वारा गिरजाशंकर बंसल को शिवाला खंड सत्संग प्रमुख एवं अभिषेक सिंह को खंड मंत्री के नवीन दायित्व की घोषणा की गई, इस मौके पर मुख्य रूप से जिला साप्ताहिक मिलन प्रमुख बजरंग दल शिवम त्यागी,प्रखंड संयोजक राहुल हिंदुस्तानी,प्रखंड मंत्री अमित शर्मा, मयंक अग्रवाल काव्य चंद्र, विपिन हिंदुस्तानी, अंकुर कुमार राजा, आकाश कुमार, राजीव चौहान,अक्षित अगरवाल, दिव्यांग,निशांत चौहान, अभिषेक सिंह, अभिनव कुमार, बबलू सिंह, देव अग्रवाल आदि सहित दर्जनों कार्यकर्ता मौजूद रहे।

विभिन्न विद्यालयों में संविधान दिवस पर दिलाई गई शपथ

रामसरन सुशीला आनन्द हाई स्कूल
हसनपुर (अमरो

लोक तंत्र की शान
प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा

हसनपुर। मंगलवार को संविधान दिवस के उपलक्ष में नगर एवं देहात क्षेत्र के विभिन्न विद्यालयों में संविधान दिवस के तहत छात्र-छात्राओं को संविधान के सम्मान के प्रति शपथ दिलाई गई, बताते चलें कि नगर के प्रगतिशील विद्यालय रामशरन सुशील आनंद हाई स्कूल में छात्र-छात्राओं ने डॉक्टर भीम राव अंबेडकर जी के चित्र पर पुष्प अर्पित किए, तथा विद्यालय के अध्यक्ष रवि शंकर शर्मा ने छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुए बताया कि प्रत्येक वर्ष 26 नवंबर को संविधान दिवस मनाया जाता है जिसकी शुरूआत सन 2015 से हमारे देश में संविधान दिवस के रूप में हुई, उधर नगर के झम्ममनलाल पीजी कॉलेज में संविधान दिवस पर राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवियो एवं अन्य छात्र-छात्राओं को कॉलेज की प्राचार्या डॉ शमा परवीन द्वारा शपथ ग्रहण कराई गई, वहीं क्षेत्र के ग्राम पतेई खादर के प्राथमिक विद्यालय में छात्र-छात्राओं को संविधान का सम्मान करने की शपथ दिलाई गई तथा संविधान के संबंध में शिक्षक गौरव नागर एवं शिक्षक विजेंद्र सिंह द्वारा संविधान से संबंधित विस्तृत जानकारी छात्र-छात्राओं को दी गई।

अंबेडकर पार्क की साफ सफाई के उपरांत मनाया संविधान दिवस

लोक तंत्र की शान
प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा

हसनपुर। मंगलवार को अंबेडकर विकास मंच द्वारा संविधान दिवस के उपलक्ष में अंबेडकर पार्क की साफ सफाई करने के उपरांत संविधान दिवस मनाया जिसमें मंच के अध्यक्ष महेंद्र आर्य एवं अन्य पदाधिकारीयो ने बाबा साहब की प्रतिमा का माल्यार्पण किया, इस संबंध में अंबेडकर विकास मंच के अध्यक्ष महेंद्र आर्य ने बताया कि 26 नवंबर 1949 को संविधान दिवस अपनाने की याद में यह दिवस मनाया जाता है, उन्होंने कहा कि बाबा डॉ भीमराव अंबेडकर जी ने संविधान के माध्यम से देश के दबे कुचले लोगों को बहुत बड़ी ताकत दी है हमारा देश संविधान के बल पर आगे बढ़ रहा है, वहीं उन्होंने बताया कि अंबेडकर पार्क पर प्रतिदिन सफाई नहीं होती है अतः अंबेडकर पार्क की साफ सफाई के लिए जिम्मेदार लोगों से अंबेडकर पार्क की साफ सफाई नियमित रूप से के जाने की मांग की, इस मौके पर मुख्य रूप से अंबेडकर विकास मंच के अध्यक्ष महेंद्र सिंह आर्य, चंचल सागर, निशा सागर, सुशील भगत जी, जगबीर मौर्य, रामपाल सिंह, बृजेश कुमार, उमेश कुमार, मुखिया, संजीव कुमार, पप्पू कुमार, विवेक कुमार, बिट्टू आदि सहित अंबेडकर विकास मंच जाटव समाज के लोग मौजूद रहे।

पुलिस कर्मियों को क्राइम इंस्पेक्टर बालेंद्र सिंह ने दिलाई संविधान दिवस पर शपथ

लोक तंत्र की शान
प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा

हसनपुर। मंगलवार को कोतवाली प्रांगण में पुलिस कर्मियों ने संविधान दिवस पर शपथ ली, बता ते चले कि अपराध निरीक्षक बालेंद्र सिंह ने कोतवाली के समस्त पुलिसकर्मियों को संविधान के प्रति ईमानदारी एवं निष्ठा पूर्वक संविधान के अनुसार कार्य करने की शपथ दिलाई इस, मौके पर संविधान के संबंध में बताया कि 26 नवंबर 1949 को संविधान को अपनाया गया था इसी कारण 26 नवंबर को संविधान दिवस मनाया जाता है, उन्होंने कहा कि संविधान सभी लोगों को समान अधिकार देता है तथा स्वतंत्रता प्रदान करता है, इस मौके पर कोतवाली से संबंधित सभी सब इंस्पेक्टर, महिला एवं पुरुष कांस्टेबल मौजूद रहे।

पालिका अध्यक्ष ने सड़क निर्माण कार्य का फीता काट कर किया शुभारंभ

लोक तंत्र की शान
प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा

हसनपुर। मंगलवार को नगर पालिका परिषद के अध्यक्ष राजपाल सैनी ने नगर के मोहल्ला झकड़ी अड्डे के पास स्थित वार्ड नंबर 2 में 127 मीटर सी सी रोड के निर्माण कार्य का फीता काटकर शुभारंभ कर दिया, इस संबंध में पालिका अध्यक्ष राजपाल सैनी ने बताया कि एक सप्ताह के अंदर सड़क का निर्माण कार्य पूरा हो जाएगा तथा नगर में कहीं भी सड़क अधूरी नहीं रहेगी जल्द ही पूरे नगर में सड़के बेहतर नजर आएंगी, उन्होंने बताया कि इस सड़क के निर्माण में लगभग 11 लख रुपए की लागत आएगी, इस मौके पर पालिका अध्यक्ष राजपाल सैनी के साथ जिला महामंत्री अभिनव कौशिक, नगर स्वच्छता प्रेरक प्रशांत सैनी, इशांत सैनी, अरविंद त्यागी, संजय सहदेव, कुलदीप प्रधान, नीतू भाटी, प्रेम शंकर, संजीव सैनी, रविंद्र चौहान, शेर मोहम्मद एवं करन सिंह बाबू आदि सहित दर्जनों वार्ड वासी मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री ने पूर्व विधायक 'दादा' के निधन पर जताया शोक

लखनऊ, 26 नवम्बरः भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता व वाराणसी के शहर दक्षिणी से कई बार विधायक रहे श्यामदेव राय चौधरी (दादा) का मंगलवार को निधन हो गया। वे काफी समय से बीमार थे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उनके निधन पर शोक जताया है।

'दादा' का निधन भाजपा परिवार की अपूरणीय क्षति

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट 'एक्स' पर पोस्ट किया कि वरिष्ठ राजनेता एवं पूर्व विधायक श्यामदेव राय चौधरी जी (दादा) का निधन अत्यंत दुःखद और भाजपा परिवार की अपूरणीय क्षति है। उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि!

शोकाकुल परिजनों को दुःख सहने की शक्ति दें प्रभु श्रीराम

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लिखा कि प्रभु श्री राम से प्रार्थना है कि दिवंगत पुण्यात्मा को सद्गति तथा शोकाकुल परिजनों को यह अथाह दुःख सहन करने की शक्ति प्रदान करें। ॐ शांति!

मुख्यमंत्री ने 10 दिन पहले अस्पताल पहुंचकर लिया था हालचाल

पूर्व मंत्री श्यामदेव राय चौधरी काफी दिनों से बीमार थे। उन्हें 5 नवम्बर को अस्पताल में भर्ती कराया गया था। देव दीपावली के उपरांत मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 16 नवंबर को काशी के ओरियाना अस्पताल पहुंचकर पूर्व विधायक का हालचाल जाना था।

चिरंजीलाल कॉलेज ऑफ एजूकेशन डगरोली में संविधान दिवस पर निबंध प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

लोक तंत्र की शान
प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा

हसनपुर। मंगलवार को क्षेत्र के चिरंजीलाल कॉलेज आफ एजूकेशन डगरोली मे राष्ट्रीय संविधान दिवस के अवसर पर निबंध प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। जिसमे विद्यार्थियो ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया। इन प्रतिभागियो मे से काजल, कविता, वर्षा, रुकमणि, संगीता, सोनिया एवं दीपान्शी को पुरस्कार के लिए चयनित किया गया। इस अवसर पर कॉलेज के कम्युनिटी हाल मे एक विचार गोष्ठी का आयोजन हुआ। जिसका उद्घाटन निदेशक पुनीत अग्रवाल ने किया। इस अवसर पर निदेशक पुनीत अग्रवाल ने संविधान निर्माण के पूर्व की व्यापक परिस्थितियो संविधान निर्माण काल और संविधान लागू होने के पश्चात की परिस्थितियो पर सिलसिलेवार तथ्य परक एवं परिस्थितिजन्य मुद्दो को प्रतिपादित किया। उन्होने कहा कि दुनियाभर के लगभग 60 राष्ट्र के संविधानो के गहन अध्ययन मनन के पश्चात लगभग दस विकसित राष्ट्रो के संविधानो से मुख्य अनुच्छेदो को भारतीय संविधान मे शामिल किया गया। अध्यक्ष डॉक्टर राजेन्द्र प्रसाद एवं डॉक्टर भीमराव अम्बेडकर ने प्रारूप समिति के अध्यक्ष के तौर पर विशेष सहयोग किया। देश की विषम विविधतापूर्ण चुनौतियो के परिप्रेक्ष्य मे 395 अनुच्छेद शामिल किए गए। भारत के वर्तमान विकास को देखकर संतोष होता है कि हमने हर क्षेत्र मे आशातीत सफलता प्राप्त की है। रोजगार सेवा स्वास्थ्य उद्योग व्यापार विज्ञान तकनीक विदेश सम्बन्ध कृषि आदि सभी दिशाओ मे भारतियो ने बुलंदियो को छुआ है। आपसी भाईचारा एकता अखण्डता सम्प्रभुता और स्वतंत्रता की समझ आम आदमी तक पहुंची है। इस अवसर पर प्राचार्य डॉक्टर राकेश आर्य, विनोद कुमार गुप्ता, राजकुमार, मनोज कुमार, लोकेश कुमार, कावेन्द्र सिंह, अतुल शर्मा आदि ने भी विचार व्यक्त किए।

अपराध और दंड नहीं बल्कि न्याय है तीन नये कानूनों का भाव : सीएम योगी

JUSTICE
UPSIFS

लखनऊ, 26 नवंबरः प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रेरणा से देश में एक जुलाई-24 से तीन नए कानून लागू किये गये। यह तीन कानून भारतीय न्याय संहिता 2023, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 और भारतीय साक्ष्य अधिनियम 2023 हैं। इन सभी का भाव आपराधिक संहिता और दंड संहिता नहीं है बल्कि न्याय संहिता है। यह नागरिक सुरक्षा की संहिता है। इसके तहत पहले साक्ष्य जुटाए जाएंगे, उसके बाद अपराधी को कटघरे में खड़ा किया जाएगा। सुशासन की पहली शर्त कानून का राज स्थापित करना होता है। पिछले साढ़े सात वर्षों से प्रदेश में कानून का राज दृढ़ता से स्थापित है। वहीं देश विदेश में प्रदेश के कानून के राज की चर्चा हो रही है। ये बातें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को भारतीय संविधान को अंगीकृत किये जाने की 75वीं वर्षगांठ पर नवीन आपराधिक कानूनों के तहत न्याय प्रक्रिया में फॉरेंसिक विज्ञान एवं साइबर सिक्योरिटी की भूमिका विषयक राष्ट्रीय कांफ्रेंस (26-27 नवंबर) के शुभारंभ पर कही। इस दौरान सीएम योगी ने फॉरेंसिक इंस्टीट्यूट में नये ऑडिटोरियम का उद्घाटन भी किया। साथ ही बच्चों को विभिन्न कोर्सेज के सर्टिफिकेट प्रदान किये।

सकारात्मक सोच के लोग टेक्नोलॉजी से न भागें: सीएम योगी

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि 26 नवंबर 1949 की तिथि स्वतंत्र भारत के इतिहास के लिए एक महत्वपूर्ण तिथि है। भारत माता के सपूत बाबा साहेब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर के बनाए संविधान को 75 वर्ष पहले भारत ने अंगीकार किया था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 26 नवंबर 2015 से इस तिथि को पूरे देश में संविधान दिवस के रूप में मनाने का आह्वान किया। सीएम योगी ने कहा कि टेक्नोलॉजी के प्रयोग से विकास कार्य तेजी से हो रहे हैं, लेकिन कुछ लोग इसका गलत इस्तेमाल कर लोगों को आर्थिक चोट पहुंचा रहे हैं। ऐसे में साइबर फ्रॉड्स और डिजिटल अरेस्ट जैसी घटनाओं को रोकने के लिए टेक्नोलॉजी का सकारात्मक इस्तेमाल करना होगा। उन्होंने कहा कि सकारात्मक सोच के लोग टेक्नोलॉजी से भागेंगे तो नकारात्मक लोग उस पर हावी होंगे। ऐसे में हमे उन्हे हावी नहीं होने देना है। सीएम ने कहा कि साइबर फ्राड्स से निपटने के लिए पहले चरण में प्रदेश के 18 रेंज में साइबर थानों की स्थापना की गयी है। इसके बाद 75 जनपद में स्थापना की गयी। वहीं आज प्रदेश के सभी 1775 थानों पर एक-एक साइबर हेल्प डेस्क संचालित हैं। इसी के तहत प्रदेश में पहला उत्तर प्रदेश स्टेट इंस्टीट्यूट ऑफ फॉरेंसिक साइंसेज की स्थापना की गयी ताकि बच्चे से साइबर फ्राड्स की पढ़ाई कर इसे रोकने में अपना सहयोग करें।

स्वच्छ, दिव्य-भव्य कुंभ के साथ होंगे डिजिटल कुंभ के दर्शन: योगी

NBT
संवाद
विकास, विरासत और कुंभ
आदित्यनाथ

लखनऊ, 26 नवंबरः मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मंगलवार को एक मीडिया समूह के संवाद कार्यक्रम में शामिल हुए। उन्होंने सभी को संविधान दिवस की बधाई देते कहा कि भारत का संविधान जिन तीन पिलर्स पर स्थित है, उसका आधार ही संवाद है। सीएम ने यहां आगामी महाकुंभ-2025 को लेकर सरकार के कार्यों, प्रयासों की विस्तृत जानकारी देते यूपी में साढ़े सात वर्ष में हुए सकारात्मक बदलाव की भी चर्चा की। सीएम ने कहा कि स्वच्छ कुंभ के साथ डिजिटल कुंभ के भी दर्शन होंगे।

पहले कुंभ मेले के प्रभारी मंत्री का दायित्व ऐसे लोगों को मिलता था, जिनके भीतर श्रद्धा तक नहीं थी

सीएम योगी ने कहा कि प्रयागराज कुंभ की बात करें तो लगता था कि हम सबने कुंभ को गंदगी, भगदड़ व अव्यवस्था का पर्याय बना दिया था। कुंभ मेले के प्रभारी मंत्री का दायित्व भी ऐसे लोगों को दिया जाता था, जिन लोगों में श्रद्धा, परंपरा, संस्कृति व विरासत के प्रति का सम्मान नहीं था, लेकिन हमने विरासत के प्रति सम्मान, श्रद्धा का भाव रखा। प्रयागराज कुंभ की व्यवस्था को देखकर पीएम मोदी जी की प्रेरणा से 2019 में यूनेस्को ने मानवता के अमूर्त सांस्कृतिक धरोहर के रूप में कुंभ को मान्यता दी है।

13 जनवरी से 26 फरवरी तक चलेगा प्रयागराज महाकुंभ

सीएम ने बताया कि प्रयागराज महाकुंभ 13 जनवरी से 26 फरवरी तक चलेगा। 13 जनवरी को पौष पूर्णिमा का स्नान होगा। 14 जनवरी को मकर संक्रांति का शाही स्नान होगा। 29 जनवरी को मौनी अमावस्या, बसंत पंचमी 3 फरवरी, 12 फरवरी को माघ पूर्णिमा व 26 फरवरी को महाशिवरात्रि का स्नान होगा। दुनिया के सबसे बड़े धार्मिक, आध्यात्मिक व सांस्कृतिक आयोजन में से एक प्रयागराज कुंभ का आयोजन इस बार 45 दिन का होगा।

कांग्रेस ने संविधान का गला घोंटा, अंबेडकर के संविधान में नहीं थे 'सेक्युलर' और 'समाजवादी'झ्र योगी आदित्यनाथ

लखनऊ, 26 नवंबर। संविधान दिवस के अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लोकभवन में आयोजित समारोह में संविधान की उद्देशिका का पाठन कराया और संविधान निमार्ताओं को नमन किया। मुख्यमंत्री ने भारत के संविधान को दुनिया का सबसे विस्तृत और सशक्त संविधान बताते हुए कहा कि बाबा साहब ने सबसे पहले संविधान के रूप में एक भारत श्रेष्ठ भारत की आधारशिला रखी। इस दौरान सीएम योगी ने कांग्रेस पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि संविधान की उद्देशिका से छेड़छाड़ कर कांग्रेस ने भारत के संविधान का गला घोंटा है। उन्होंने कहा कि बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर ने जो संविधान 26 नवंबर 1949 को दिया था सेक्युलर और समाजवादी शब्द नहीं थे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने संविधान दिवस पर प्रदेशवासियों को बधाई देते हुए कहा कि यह दिन हमें अपने लोकतंत्र और संविधान की महानता का स्मरण कराता है। उन्होंने बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर को भारत का सच्चा सपूत बताते हुए कहा कि उनकी अगुवाई में बनी संविधान सभा की ड्राफ्टिंग कमेटी ने न्याय, समता और बंधुता जैसे मूल्यों को संविधान में शामिल कर देश को एक सशक्त भविष्य दिया। उन्होंने बताया कि 15 अगस्त 1947 को देश की आजादी के बाद 1946 में स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों की मांग पर संविधान सभा का गठन हुआ था। संविधान सभा की पहली बैठक 9 दिसंबर 1946 को हुई, जिसमें डॉ. राजेंद्र प्रसाद को अध्यक्ष चुना गया। 13 समितियों के माध्यम से संविधान निर्माण का कार्य किया गया, जिसमें ड्राफ्टिंग कमेटी का नेतृत्व बाबा साहब डॉ. अंबेडकर ने किया। संविधान निर्माण के लिए 13 कमेटियों के बहस और फिर उसके महत्वपूर्ण अंशों को संविधान में शामिल किया गया, मुख्यमंत्री ने इन बहसों को संविधान का सार बताते हुए कहा कि विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका को इनसे मार्गदर्शन लेना चाहिए।

राजमहलों को मात देते वीआईपी कैम्प बढ़ाएंगे महाकुम्भ की शोभा

प्रयागराज, 26 नवम्बर : महाकुम्भ को लेकर योगी सरकार के निर्देश पर देश दुनिया के संतों और श्रद्धालुओं के लिए प्रयागराज में अभूतपूर्व इंतजाम किए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री की मंशा के अनुरूप इस बार के महाकुंभ को दिव्य, नव्य और भव्य बनाने में अफसर दिन रात जुटे हैं। जैसे जैसे महाकुंभ की पवित्र घड़ी नजदीक आती जा रही है, वैसे-वैसे मेला अपना आकार लेता जा रहा है। मेला क्षेत्र में 07 अखाड़ों का घेरा बनाकर तैयार किया जा चुका है। साथ ही 09 थाने और 05 चौकियों के निर्माण का काम अपने अंतिम चरण में है। इसके अलावा 09 ऐसे वीआईपी कैम्प भी बनाए जा रहे हैं, जो बड़े-बड़े राजमहलों को मात दे दें। देश-विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं के लिए ये कैम्प आकर्षण का केंद्र होंगे। इनमें 14/28 फीट के आकर्षक कमरे बनाए जा रहे हैं, जिनमें जरूरत के हर इंतजाम मौजूद रहेंगे।

100 फीट लंबे प्रवेश द्वार बनाए जाने की योजना

संत महात्मा के साथ ही देश विदेश के 45 करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं के महाकुम्भ में पहुंचने का अनुमान है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ चाहते हैं कि इस बार के महाकुम्भ को सांस्कृतिक दृष्टि से अविस्मरणीय बनाया जाए। सीएम योगी के निर्देश पर अफसर रात दिन मौके पर खुद खड़े होकर काम करवाते देखे जा सकते हैं। सबसे खास बात ये है कि श्रद्धालुओं को मेले के प्रवेश द्वार पर ही अद्भुत नजारे देखने को मिलेंगे। यहां जगह-जगह 100 फीट लंबे प्रवेश द्वार बनाए जाने की योजना है, जो अपनी सांस्कृतिक विरासत का जीवंत दृश्य प्रस्तुत करेंगे। इसके साथ ही वीआईपी कैम्प को महाराजा टेंट की स्टाइल में बनाया जा रहा, जो पर्यटकों के लिए अच्छा खासा आकर्षण बनने जा रहा है। अरैल में काम सबसे तेज गति से चल रहा है। इसके अलावा सर्किट हाउस के काम ने भी गति पकड़ ली है। यहां तीन थाने अरैल में बनाए जा चुके हैं। झूंसी की पुलिस लाइन का भी काम दिन रात चल रहा है। बहुत जल्द इनका काम पूरा होते ही समुद्रकूप से लेकर साधु कुटी तक विभिन्न सेक्टरों में मेला क्षेत्र जगमगा उठेगा।

हरियाणा सरकार ने खरीदा 80 करोड़ रुपए का नया हैलीकॉप्टर, मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने की पूजा

2 साल पहले सरकार ने दिया था खरीद का ऑर्डर, नोएडा में असेंबल हुआ

चंडीगढ़, नवंबर : हरियाणा सरकार ने लगभग 80 करोड़ रुपए की लागत से नया हैलीकॉप्टर खरीदा है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने सिविल एविएशन मंत्री विपुल गोयल और अन्य के साथ सोमवार को यहां राजेंद्र पार्क हैलीपेड पर नए हैलीकॉप्टर की पूजा की। पहला हैलीकॉप्टर 2009 में खरीदा था। नए हैलीकॉप्टर को डीजीसीए ने गत 4 नवंबर को उड़ान योग्यता प्रमाण पत्र दिया था। तब से यह पिंजौर खड़ा था। इसके अलावा हरियाणा सरकार के पास एक प्लेन भी है। जो पुराना हैलीकॉप्टर है, वह जल्द ही डिस्पोज ऑफ कर दिया जाएगा। स्वामी संपूर्णानंद बाल ब्रह्मचारी ने पूजा करवाई। पूजा समारोह में राज्य मंत्री राजेश नागर, सिविल एविएशन विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव सुधीर राजपाल, सिविल एविएशन एडवाइजर शेखर विद्यार्थी और अन्य भी शामिल रहे। पूजा समारोह के बाद मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी और विपुल गोयल हैलीकॉप्टर में बैठे।

नए 'एयरबस एच-145 डी 3' हैलीकॉप्टर का यह है परिचय

1. नया सरकारी हैलीकॉप्टर 'एयरबस एच-145 डी 3' मॉडल है, जो मेसर्स एयरबस हेलीकॉप्टर्स, जर्मनी द्वारा निर्मित एक ट्विन-इंजन लाइट हैलीकॉप्टर है। इस हैलीकॉप्टर का ऑर्डर सरकार ने अक्तूबर 2022 में 80 करोड़ रुपए की लागत से दिया था।

2. एयरबस इंजीनियरों की एक टीम ने ग्रेटर नोएडा में एक एमआरओ सुविधा में इस हैलीकॉप्टर को असेंबल किया और अंततः 29/07/2024 को सरकार को सौंप दिया। डीजीसीए ने 04/11/2024 को 'उड़ान योग्यता का प्रमाण पत्र' प्रदान किया। इसके बाद हैलीकॉप्टर को पिंजौर हवाई क्षेत्र में लाया गया।

3. नया हैलीकॉप्टर मौजूदा 'यूरोकॉप्टर 145 सी2' हैलीकॉप्टर का उन्नत संस्करण है। नए हैलीकॉप्टर में 2 पायलट और 7 यात्रियों के बैठने की जगह है। यह हैलीकॉप्टर सिंथेटिक विजन और ट्रैफिक टकराव से बचाव जैसे उन्नत एवियोनिक्स से लैस है जैसे कि 4 एक्सिस ऑटोपायलट, शक्तिशाली इंजन और कवर्ड टेल रोटर जैसी बढ़ी हुई सुरक्षा सुविधाएं। इसमें कम कंपन, कम शोर और बेहतर केबिन तापमान नियंत्रण प्रणाली के मामले में बेहतर यात्री आराम उपलब्ध है। भारत में कम से कम 5 समान प्रकार के हैलीकॉप्टर उड़ रहे हैं।

4. पुराना सरकारी हैलीकॉप्टर 'यूरोकॉप्टर 145 सी-2' सरकार ने सितंबर 2008 में खरीदा था। आज की तारीख में यह भारत में उड़ने वाला एकमात्र मॉडल है। यह हैलीकॉप्टर मॉडल उत्पादन से बाहर है इसलिए स्पेयर और महत्वपूर्ण घटक सीमित आपूर्ति में हैं और इसे उड़ान योग्य बनाए रखने के लिए लंबी प्रतीक्षा अवधि लगती है। इसलिए सरकार द्वारा एक नए हैलीकॉप्टर में अपग्रेड करने की आवश्यकता महसूस की गई।

हिसार के जाट शिक्षण संस्थान को मालामाल कर गए सीएम नायब सैनी

जाट शिक्षण संस्थान में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री नायब सैनी।

पूनिया बोले : नायब सैनी की मां दहिया, पत्नी सिंहमार, दोनों जाटों के गोत्र

भाजपा के जिला महामंत्री सुरेंद्र पूनिया ने कहा- मुख्यमंत्री नायब सैनी की मां दहिया गोत्र से है और उनकी पत्नी का सिंहमार गोत्र है। दोनों गोत्र जाटों के हैं। कहीं न कहीं हमारी संस्कृति मिलती है, इसलिए मुख्यमंत्री से कार्यक्रम के लिए जल्दी समय मिल गया।

विधायक बोले : कालेज आकर आंख में आंसू आ गए

नलवा से विधायक रणधीर पनिहार ने कहा मैं 17 नंबर कमरे में पढ़ता था। कालेज में आकर आंख में आंसू आ गए। यहां पार्टी विशेष के लोगों को बुलाया जाता था। सावित्री जिंदल के दोनों बेटे यहां पढ़ते थे। यहां एक से एक दानवीर बैठा है।

हिसार, नवंबर : हिसार में जाट शिक्षण संस्थान का शताब्दी समारोह में पहुंचे मुख्यमंत्री नायब सैनी संस्थान को मालामाल कर गए। कार्यक्रम में मुख्यातिथि के तौर पर पहुंचे मुख्यमंत्री नायब सैनी ने 21 साल बाद कोई मुख्यमंत्री जाट शिक्षण संस्थान के कार्यक्रम में पहुंचने का इतिहास रच दिया। मुख्यमंत्री नायब सैनी ने जाट शिक्षण संस्थान को 31 लाख रुपए, शिक्षा मंत्री महीपाल ढांडा ने 21 लाख और कैबिनेट मंत्री रणबीर गंगवा ने 11 लाख रुपए देने की घोषणा की। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री नायब सैनी ने कहा कि विदेशों में पढ़ने के लिए कॉलेज में ही पासपोर्ट बनाए जा रहे हैं। विदेश में भी रोजगार दिलवा रहे हैं। खेलों में हरियाणा के युवाओं ने कामयाबी के झंडे गाड़े हैं। पीएम की खेल नीति के कारण देश आगे बढ़ रहा है। 2030 तक हरियाणा का युवा हुनरमंद करने का लक्ष्य है। उन्होंने कहा कि संस्था की जो भी मांगें हैं, सभी को पूरा किया जाएगा। जाट शिक्षण संस्था जो कोर्स खोलना चाहती है, वह भी पूरा करेंगे। हम हरियाणा में नई शिक्षा नीति 2025 तक लागू कर देश में ऐसा करने वाला पहला राज्य बनाएंगे। हरियाणा में 2 लाख युवाओं को पक्की नौकरी देंगे। कार्यक्रम में संस्थान के प्रधान दिलबाग पूनिया ने नायब सैनी का पगड़ी पहनाकर उनका स्वागत किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि आज गौरवपूर्ण दिन है। 100 साल संस्थान के पूरे हो चुके हैं। छाजू राम की 159 जयंती पर बधाई देता हूं। उन्होंने कहा कि सेठ छाजू राम ने दिल खोलकर दान दिया। हिंदू विश्वविद्यालय बनारस, गुरुकुल कांगड़ी व हिसार और रोहतक के शिक्षण संस्थान में दान दिया। जाट शिक्षण संस्थान ने सीएम के सामने जॉट कॉलेज में बीएससी नर्सिंग, बीएमसी आयुर्वेद, जीएनएम, एमएससी कोर्स शुरू करने की मांग उठाई। इसके लॉ कॉलेज में नए कोर्स शुरू करने व जाट कॉलेज में ही लड़कियों के लिए कबड्डी, कुश्ती और फुटबॉल और लड़कों के लिए कुश्ती व फुटबॉल की खेल नर्सरी खोलने की मांग की गई।

हरियाणा सरकार सीईटी में संशोधन करने पर जल्द कर सकती है फैसला, क्वालीफाई होने की संभावना कम

पुलिस सिपाही भर्ती और ग्रुप सी, ग्रुप डी पदों की भर्ती नए सीईटी के बाद संभव

चंडीगढ़, नवंबर : हरियाणा सरकार ग्रुप सी और ग्रुप डी पदों की भर्तियों के लिए कॉमन एलिजिबिलिटी टेस्ट (सीईटी) में संशोधन का फैसला जल्द कर सकती है। विधानसभा सत्र के कारण सरकार व्यस्त थी। वैसे मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी सीईटी में संशोधन करने पर एक बैठक कर चुके हैं। उसके बाद एक मसौदा तैयार किया जा रहा है। मुख्यमंत्री के मुख्य प्रधान सचिव राजेश खुल्लर के साथ हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग और अधिकारियों की एक बैठक होनी है, जिसमें सीईटी का फाइन ड्राफ्ट तैयार करने के लिए चर्चा होगी। उसके बाद मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के साथ चर्चा होगी। उनसे तय होने के बाद सीईटी में संशोधन होगा। लाखों युवा सीईटी कराए जाने का इंतजार कर रहे हैं। अभी तक की चर्चा के मुताबिक सीईटी क्वालीफाई होने की संभावना कम है। मगर इसे क्वालीफाई जैसा बनाने का प्रयास किया जाएगा। यानी शॉर्टलिस्ट करने के लिए जो शर्त चार गुना की थी, उसे 10 गुना तक किया जा सकता है या इसके आसपास किया जा सकता है। वैसे तो हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग सीईटी को क्वालीफाई करवाने का पक्षधर है मगर अंतिम फैसला प्रदेश सरकार को करना है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी भी चाहते हैं कि ज्यादा से ज्यादा युवाओं को नॉलेज टेस्ट में मौका मिले। उधर, मुख्य सचिव ने आयोग को रिमांडर पत्र भेजकर कहा है कि सीईटी पर हाईकोर्ट के फैसले के मद्देनजर अपनी टिप्पणी भेज दें। मुख्य सचिव ने पहले 23 अक्तूबर को पत्र लिखकर 25 अक्तूबर तक टिप्पणी भेजने को कहा था।

पुलिस सिपाही पदों की भर्ती और ग्रुप सी, ग्रुप डी पदों की भर्ती नए सीईटी के बाद संभव

हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग ने 16 अगस्त, 2024 को पुलिस पुरुष सिपाही के 4000, महिला सिपाही के 600, आईआरबी के 1000 पुरुष सिपाही पदों का विज्ञापन जारी कर आवेदन मांगे थे। हालांकि तब कांग्रेस ने चुनाव आयोग को शिकायत भेजी थी मगर आयोग ने जवाब दिया था कि ये पद 16 अगस्त को दिन में लगभग पौने दो बजे अपलोड हो गए थे। चूंकि अभी तक एक ही सीईटी हुआ है और इस सीईटी के माध्यम से ग्रुप सी पदों पर लगभग 25000 उम्मीदवारों का चयन हो चुका है। इसलिए अब संभावना है कि पुलिस सिपाही के इन पदों की भर्ती सीईटी संशोधन होने के बाद नए सीईटी के अंकों के आधार पर हो। यानी नया सीईटी होने से पास होने वाले नए युवाओं को भी मौका मिल जाएगा। इसी तरह ग्रुप सी के जो नए पद आएंगे, उन पर भी नए सीईटी अंकों के आधार पर आवेदन मांगे जाएंगे। ग्रुप डी के रिक्त पदों पर भी नए सीईटी के बाद भर्ती हो सकती है। हालांकि ग्रुप डी पास उम्मीदवार लगातार मांग कर रहे हैं कि ग्रुप डी के जो पद रिक्त हैं, उनकी चयन सूची इसी ग्रुप डी सीईटी के आधार पर जारी की जाए क्योंकि तत्कालीन मुख्यमंत्री मनोहर लाल और तत्कालीन अध्यक्ष भोपाल सिंह खदरी ने भी कहा था कि पहले ग्रुप सी का रिजल्ट निकाला जाएगा और बाद ग्रुप डी का रिजल्ट निकाला जाएगा। मगर परिस्थितियां ऐसी बन गई कि आयोग को ग्रुप सी और ग्रुप डी का रिजल्ट निकालना पड़ा। मगर अब ग्रुप सी का रिजल्ट बाद में निकाला गया तो ग्रुप डी के नियुक्त कर्मचारी ग्रुप सी में चयनित हो गए। इसलिए ग्रुप डी पद रिक्त हो गए और उन पर सीईटी पास उम्मीदवारों का हक है। वैसे मुख्य सचिव ने भी सभी विभागाध्यक्षों से ग्रुप डी के रिक्त पदों की जानकारी मांगी है।

बकाया ग्रुपों के पेपरों की संभावना भी फिलहाल कम

हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग की तरफ से कुछ ग्रुपों के पेपर लिए जाने हैं। मगर इन बकाया ग्रुपों के पेपर होने की फिलहाल संभावना कम लग रही है। चूंकि ग्रुप सी के 20 ग्रुपों से संबंधित भर्ती का मामला और हाईकोर्ट के फैसले पर पुनर्विचार समीक्षा याचिकाएं हाईकोर्ट में लंबित हैं। इसलिए बकाया ग्रुपों के पेपर लेने पर आयोग को अभी फैसला करना है। हालांकि हाईकोर्ट ने 30 नवंबर, 2024 तक सभी भर्तियां पूरी करने के लिए कहा था मगर आयोग की तरफ से फिलहाल इस तय तारीख तक पेपर लेने की संभावना कम लग रही है।

राज्य सरकार युवाओं को उच्चतर एवं कौशल युक्त शिक्षा उपलब्ध करवाने के लिए प्रयासरत : नायब सिंह

2 लाख युवाओं को बिना पर्ची-खर्ची के सरकारी नौकरियां देने का लक्ष्य

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी हिसार में आयोजित 159वीं दानवीर सेठ छाजू राम जयंती और जाट शिक्षण संस्था, हिसार के शताब्दी समारोह में उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए।

हिसार, नवंबर : हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि हरियाणा सरकार का संकल्प है कि वर्ष 2030 तक राज्य का हर युवा हुनरमंद हो और वित्तीय रूप से समृद्ध बने। इसके लिए सरकार द्वारा शिक्षा के साथ-साथ युवाओं के कौशल विकास पर भी बल दिया जा रहा है। राज्य सरकार ने अपने तीसरे कार्यकाल में 2 लाख युवाओं को योग्यता के आधार पर बिना पर्ची-खर्ची के सरकारी नौकरियां देने का लक्ष्य रखा है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सोमवार को जिले में जाट शिक्षण संस्था के 100 वर्ष पूरा होने व चौधरी छाजू राम जी की 159वीं जयंती के उपलक्ष्य में छाजू राम मैमोरियल जाट महाविद्यालय में आयोजित समारोह में उपस्थितजन को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने छाजू राम मैमोरियल जाट महाविद्यालय में योगा एवं इनडोर एक्टिविटी मल्टीपर्पज हॉल का उद्घाटन भी किया। सीएम सैनी ने कहा कि आज हम जो विकसित हरियाणा देख रहे हैं, उसे बनाने में ऐसी संस्थाओं ने महान योगदान दिया है। उन्होंने कहा कि जाट शिक्षण संस्थाओं जैसी सभी संस्थाओं ने प्रदेश तथा देश के विकास में अहम योगदान दिया है। सेठ छाजूराम शिक्षा के महत्व को भली भांति जानते थे। इसीलिए उन्होंने शिक्षा पर बल देते हुए अनेक शिक्षण संस्थान स्थापित किए, इन शिक्षण संस्थाओं ने देश को अनेक आईएएस अधिकारी, न्यायाधीश, खिलाड़ी, वैज्ञानिक तथा राजनेता दिए हैं, जिन्होंने भारत का नाम विश्व पटल पर गौरवान्वित करने का काम किया है। इस अवसर पर नलवा विधायक श्री रणधीर पनिहार एवं भाजपा के महामंत्री सुरेंद्र पूनिया ने भी उपस्थित जनसमूह को संबोधित किया। इनके अलावा हांसी विधायक विनोद भ्याणा, हिसार विधायिका सावित्री जिंदल, दानवीर सेठ छज्जू राम के पौत्र अरविंद चौधरी, पूर्व मंत्री अनूप धानक, जाट शिक्षण संस्थान के प्रधान दिलदार पूनिया, पूर्व राज्यसभा सांसद जनरल डीपी वत्स, माटी कला बोर्ड के अध्यक्ष ईश्वर मालीवाल, उपायुक्त अनीश यादव, हिसार पुलिस अधीक्षक शशांक कुमार सावन, अतिरिक्त उपायुक्त सी जयाश्रद्धा सहित अन्य गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे।

हरियाणा सरकार सभी वर्गों के उत्थान पर रही काम : शिक्षा मंत्री ढांडा

शिक्षा मंत्री महिपाल ढांडा ने कहा कि हरियाणा शिक्षा के क्षेत्र में तेजी से उन्नति कर रहा है। इसमें दानवीर सेठ छाजू राम का विशेष योगदान है। वर्तमान राज्य सरकार भी सेठ छाजू राम के दिखाए मार्ग पर चलकर सभी वर्गों के उत्थान के लिए निरंतर काम कर रही है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में भाजपा सरकार आने से पहले युवा यह सोचते थे कि पढ़े या नहीं पढ़ें। लेकिन अब युवा पढ़ाई कर रहे हैं क्योंकि उनमें यह विश्वास जग गया है कि मेहनत करने से बड़े से बड़े सरकारी पद को प्राप्त किया जा सकता है। गरीब से गरीब परिवारों के बच्चे भी अपनी मेहनत के दम पर सरकार नौकरी हासिल कर रहे हैं। शिक्षा मंत्री ने शिक्षण संस्थान को 21 लाख रुपए की राशि देने की भी घोषणा की।

पिछले 10 वर्षों में शिक्षा के प्रचार और प्रसार के लिए उठाए अनेक कदम

मुख्यमंत्री ने कहा कि सेठ छाजूराम जी के आदर्शों पर चलते हुए हरियाणा सरकार ने पिछले 10 वर्षों में शिक्षा के प्रचार और प्रसार के लिए अनेक कदम उठाए हैं। सरकार ने प्रदेश में हर 20 किलोमीटर की दूरी पर कॉलेज खोले हैं। पिछले 10 वर्षों में प्रदेश में कुल 77 नए राजकीय कॉलेज खोले गए, जिनमें से 32 लड़कियों के हैं। प्रदेश में महाविद्यालयों की संख्या बढकर 182 हो गई है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार का लक्ष्य है कि हर बच्चे को प्राथमिक शिक्षा मिले, माध्यमिक शिक्षा के विद्यार्थियों को व्यावसायिक शिक्षा और उच्चतर शिक्षा के विद्यार्थियों को विशेषज्ञता से युक्त शिक्षा मिले। इसी दिशा में प्रदेश में उच्चतर शिक्षा परिषद् की स्थापना की गई। उन्होंने कहा कि बारहवीं में 90 प्रतिशत से अधिक अंक लाने वाले गरीब परिवार के होनहार विद्यार्थियों के लिए मेधावी छात्रवृत्ति योजना शुरू की गई है। इसके तहत विद्यार्थी को 1 लाख 11 हजार रुपए पुरस्कार के रूप में दिए जा रहे हैं।

सेठ छाजू राम ने देशभर में स्थापित करवाई शिक्षण संस्थाएं : मंत्री गंगवा

इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री श्री रणबीर गंगवा ने कहा कि दानवीर सेठ छाजू राम ने न केवल हरियाणा बल्कि देशभर में शिक्षण संस्थाएं स्थापित करवाई। उन्होंने कहा कि आज इन शिक्षण संस्थानों में हर क्षेत्र तथा वर्ग के बच्चे बेहतरीन शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि मैंने भी इसी कॉलेज से शिक्षा ग्रहण की है। आज महाविद्यालय में आकर पढ़ाई के दिनों की यादें ताजा हो गई है। यहां आकर मैं भाव विभोर हूं। उन्होंने जाट शिक्षण संस्थान को 11 लाख रुपए की राशि देने की भी घोषणा की।

वर्ष 2025 तक राष्ट्रीय शिक्षा नीति लागू करने वाला हरियाणा देश का पहला राज्य

मुख्यमंत्री नायब सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का सपना है कि युवाओं को ऐसी शिक्षा मिले, जो उन्हें रोजगार सक्षम बनाए, चरित्रवान बनाए और उनमें नैतिक गुणों का समावेश करे। इसी दिशा में नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति लागू की गई है। केन्द्र सरकार ने इस नीति को वर्ष 2030 तक लागू करने का लक्ष्य रखा है, परन्तु हरियाणा में इसे वर्ष 2025 तक ही पूरी तरह से लागू कर दिया जाएगा। यह नीति लागू करने वाला हरियाणा देश का पहला राज्य है। उन्होंने कहा कि खेलों के क्षेत्र में भी हरियाणा ने शानदार प्रदर्शन किया है। ओलंपिक खेलों में भारत ने 6 मेडल जीते हैं, जिनमें से चार मेडल हरियाणा के खिलाडियों ने हासिल कर प्रदेश का नाम दुनिया भर में रोशन करने का काम करके दिखाया है। यह सब खिलाडियों की मेहनत तथा राज्य सरकार की खेल नीति के कारण हो पाया है।

संसद में शीतकालीन सत्र...

उन्होंने सदन की बैठक एक मिनट के अंदर ही दिनभर के लिए स्थगित कर दी।

उधर, राज्यसभा की बैठक आरंभ होने पर सदन ने दिवंगत सदस्यों को श्रद्धांजलि दी। इसके बाद सभापति जगदीप धनखड़ ने बताया कि नियम 267 के तहत उन्हें कुल 13 नोटिस मिले हैं। विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे, मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) के जॉन ब्रिटास, कांग्रेस के नीरज डांगी, प्रमोद तिवारी और अखिलेश प्रसाद सिह और आम आदमी पार्टी के संजय सिंह सहित कुछ अन्य सदस्यों ने अदाणी समूह के खिलाफ अमरीकी अभियोजकों के रिश्वतखोरी के आरोपों पर संसद में चर्चा की मांग को लेकर नोटिस दिए थे। आम आदमी पार्टी के राघव चड्ढा सहित विपक्ष के कुछ अन्य सदस्यों ने मणिपुर में हिंसा और उत्तर प्रदेश के संभल में हुई हिंसा के मुद्दे पर नोटिस दिए थे। सभापति धनखड़ ने इन सभी नोटिस को अस्वीकार कर दिया और खरगे को अपनी बात रखने का मौका दिया। खरगे ने कहा कि अदाणी समूह के खिलाफ लगाए गए आरोप गंभीर हैं। उन्होंने कहा कि यदि सूचीबद्ध कामकाज को निलंबित कर दिया जाता है तो विपक्षी सदस्य बता सकते हैं कि यह 'बहुत महत्वपूर्ण' मुद्दा पूरे देश को कैसे प्रभावित कर रहा है।

उन्होंने आरोप लगाया कि वैश्विक स्तर पर देश की छवि खराब हुई और फिर भी प्रधानमंत्री मोदी अदाणी का समर्थन कर रहे हैं। हालांकि, इससे पहले खरगे कुछ और बोल पाते, सभापति ने कहा कि वह इस मुद्दे पर उनके नोटिस को अस्वीकार कर चुके हैं इसलिए वह इसे उठा नहीं सकते। इसके बाद कांग्रेस सहित अन्य विपक्षी दलों के सदस्य अपने स्थान पर खड़े हो गए और आसन से खरगे को बोलने देने की मांग करते रहे।

सभापति ने सदस्यों से सदन के सुचारू संचालन की अपील की। हंगामा जारी रहने पर उन्होंने 11 बजकर 30 मिनट पर सदन की कार्यवाही 11 बजकर 45 मिनट तक के लिए स्थगित कर दी। सदन की कार्यवाही दोबारा शुरू होने पर सभापति ने कहा कि वह सदन के सदस्यों का बहुत सम्मान करते हैं। उन्होंने सदस्यों से उन्हें निर्धारित कामकाज जारी रखने देने का आग्रह किया। हालांकि, इस दौरान कुछ विपक्षी सदस्यों को कुछ मामलों को उठाते हुए सुना गया। इसके बाद सभापति ने सदन की कार्यवाही दिनभर के लिए स्थगित कर दी।

संभल हिंसा : सपा सांसद...

इन पर आरोप लगाया गया है कि इन लोगों ने भीड़ को भड़काकर बलवे का रूप दिया।' पुलिस अधीक्षक ने बताया, 'बर्क को भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) की धारा 168 के तहत कोतवाली थाना पुलिस द्वारा पहले नोटिस दिया गया था। उन्होंने पहले भी भड़काऊ भाषण दिए थे। उनसे कहा गया था कि आप इस तरह के भाषण न दें लेकिन उन्होंने उसके बाद भी भीड़ को उकसाने के लिए और 'जामा मस्जिद की हिफाजत' बयान के साथ लोगों को उकसाने का प्रयास किया। इसी का नतीजा था कि कल एकाएक 8 बजकर 45 मिनट पर लोग इकट्ठा हुए और उन्होंने इस तरह की घटना को अंजाम दिया।'

इस सवाल पर कि बर्क रविवार को हिंसा के वक्त तो बेंगलुरु में थे, ऐसे में क्या हिंसा में उनका नाम आया है या पूर्व में दिए गए बयान पर उनके खिलाफ मुकद्दमा हुआ है, विश्नोई ने कहा, 'किसी व्यक्ति का किसी भी जगह पर होने से कोई उद्देश्य नहीं होता। उनके द्वारा दिए गए पहले के जो बयान थे, उसी आधार पर बीएनएसएस की धारा 168 का नोटिस तामील कराया गया। उनके पिता ममलूकुर रहमान बर्क को 10 लाख रुपए के मचलके से पाबंद भी कराया गया था। इस तरीके के लोगों द्वारा बार-बार समय-समय पर बयानबाजी की जा रही थी और लोगों को भड़काया जा रहा था।' विश्नोई ने बताया कि पुलिस ने संभल हिंसा मामले में अब तक कुल 7 मुकद्दमे दर्ज किए हैं जिनमें 6 नामजद और 2,750 अज्ञात लोगों को आरोपी बनाया गया है। अब तक कुल 25 लोगों को गिरफ्तार किया गया है तथा 5 मुकद्दमे कोतवाली थाने में और 2 नखासा थाने में दर्ज कराए गए हैं। उनका कहना था कि ये मुकद्दमे दारोगा शाह फैसल, उपनिरीक्षक दीपक राठी, उपजिलाधिकारी रमेश बाबू, पुलिस क्षेत्राधिकारी अनुज कुमार, पुलिस अधीक्षक के जनसम्पर्क अधिकारी और संजीव कुमार नामक एक व्यक्ति ने दर्ज कराए हैं।

मणिपुर में मोबाइल इंटरनैट...

मोबाइल इंटरनैट सेवाएं 2 दिन के वास्ते निलंबित कर दी थीं। तब से, इसे कई बार विस्तारित किया गया है। आदेश में कहा गया है, 'राज्य सरकार ने मौजूदा कानून व्यवस्था की स्थिति की समीक्षा करने के बाद जनहित में इंफाल पश्चिम, इंफाल पूर्व, काकचिंग, बिष्णुपुर, थौबल, चुराचांदपुर, कांगपोकपी, फेरजावल और जिरीबाम में मोबाइल इंटरनैट सेवाओं को और 2 दिनों के लिए निलंबित रखने का फैसला किया है।'

दानवीर सेठ छाजू राम ने...

अधिकारी, न्यायाधीश, खिलाड़ी, वैज्ञानिक और राजनेता दिए हैं, जिन्होंने भारत का नाम विश्व पटल पर गौरवान्वित करने का काम किया है। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री रणबीर गंगवा ने कहा कि दानवीर सेठ छाजू राम ने न केवल हरियाणा बल्कि देशभर में शिक्षण संस्थाएं स्थापित करवाई। शिक्षा मंत्री महिपाल ढांडा ने कहा कि हरियाणा शिक्षा के क्षेत्र में तेजी से उन्नति कर रहा है। इसमें दानवीर सेठ छाजू राम का विशेष योगदान है। शिक्षा मंत्री ने शिक्षण संस्थान को 21 लाख रुपए की राशि देने की भी घोषणा की। इस अवसर पर विधायक रणधीर पनिहार, भाजपा के महामंत्री सुरेंद्र पूनिया ने भी उपस्थित जनसमूह को संबोधित किया। इनके अलावा विधायक विनोद भ्याणा, विधायिका सावित्री जिंदल, दानवीर सेठ छज्जू राम के पौत्र अरविंद चौधरी, पूर्व मंत्री अनूप धानक, जाट शिक्षण संस्थान के प्रधान दिलदार पूनिया, पूर्व राज्यसभा सांसद जनरल डीपी वत्स, माटी कला बोर्ड के अध्यक्ष ईश्वर मालीवाल, उपायुक्त अनीश यादव सहित अन्य गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे।

पाकिस्तान में व्यापक...

नेतृत्व में प्रदर्शनकारियों ने रविवार को तबाह हो चुके प्रांत से राजधानी पहुंचने के लिए अपनी यात्रा शुरू की थी, लेकिन उन्हें मार्ग में बाधाओं का सामना करना पड़ा। उन्होंने देश की राजधानी में प्रवेश करने और राष्ट्रपति भवन, प्रधानमंत्री कार्यालय, संसद तथा सुप्रीम कोर्ट जैसे महत्वपूर्ण भवनों के करीब डी-चौक पर धरना देने के उनके प्रयास को विफल करने के मकसद से लागू अधिकारियों के कड़े प्रतिरोध के बीच रास्ते में रात भर रुकने के बाद सोमवार को इस्लामाबाद की ओर अपना मार्च फिर से शुरू किया।

इस बीच, पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में रहने वाली 12 करोड़ से ज्यादा की जनता का संपर्क इमरान खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के विरोध मार्च के लगातार दूसरे दिन भी देश के बाकी हिस्सों से कटा रहा। पुलिस ने पार्टी के सैंकड़ों कार्यकर्त्ताओं को गिरफ्तार किया। लाहौर एवं प्रांत के दूसरे हिस्सों में मुख्य सड़कों पर नाकाबंदी के कारण लोगों को ताजी सब्जियां, फल और दूध समेत अन्य जरूरी चीजें खरीदने में काफी मशक्कत करनी पड़ रही है। लोग सड़कें बंद होने के कारण लाहौर के बाहर के इलाकों से कंटेनरों के जरिए फलों और सब्जियों की कमी से परेशान हैं।

बेअंत हत्याकांड में राजोआना...

ने 18 नवंबर को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के सचिव को निर्देश दिया था कि वह राजोआना की दया याचिका पर दो सप्ताह में फैसला करने के अनुरोध के साथ उनके (राष्ट्रपति) समक्ष रखें। हालांकि, उसी दिन बाद में सॉलिसिटर जनरल के अनुरोध पर अदालत ने अपने उस आदेश पर रोक लगा दी थी।

पंजाब, हरियाणा में पराली...

अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) सहित प्रमुख हितधारकों के सहयोग से मानकीकृत प्रोटोकॉल विकसित किए हैं।

सांसद इंजीनियर रशीद...

एजैंसी (एनआईए) को 27 नवंबर तक जवाब दाखिल करने को कहा।

तिहाड़ जेल से ऑनलाइन तरीके से अदालत में पेश हुए इंजीनियर रशीद ने कहा, 'मुझे लोगों ने चुना है। मुझे पिछले सत्र में शामिल होने की अनुमति नहीं दी गई। मैं आपसे हाथ जोड़कर निवेदन करता हूं कि मुझे अंतरिम जमानत दी जाए।' सुनवाई के दौरान रशीद और एनआईए के वकील ने संयुक्त रूप से मांग की कि मामले की सुनवाई अदालत में ही की जाए और इसे किसी अन्य अदालत में स्थानांतरित न किया जाए। अदालत इस मामले में 27 नवंबर को अगली सुनवाई करेगी।

संसद के शीतकालीन सत्र के बीच जेकेपीसीसी प्रमुख ने केंद्र से राज्य का दर्जा मांगा

श्रीनगर, नवंबर : जम्मू-कश्मीर प्रदेश कांग्रेस समिति (जेकेपीसीसी) के प्रमुख तारिक हमीद कर्रा ने सोमवार को केंद्र सरकार से मांग की कि वह जम्मू-कश्मीर को उसका राज्य का दर्जा वापस देकर अपना वादा पूरा करे। कर्रा ने कहा कि चुनाव से पहले, उसके दौरान और उसके बाद भी हमने दृढ़ता से मांग की कि हमारे अधिकार और गारंटी, जो 2019 में छीन ली गई थी, उन्हें बहाल किया जाना चाहिए। हमें राज्य का दर्जा और संवैधानिक गारंटी देने का वादा किया गया था, लेकिन वे वादे सिर्फ खोखले शब्द बनकर रह गए हैं। उन्होंने कहा कि केन्द्र सरकार के वादे केवल बयानबाजी मात्र है। अपनी पार्टी के सदस्यों के साथ एकित्रत हुए कर्रा ने कहा कि वे श्रीनगर में दिल्ली में बैठे लोगों को संसद में किए गए वादों की याद दिलाने के लिए एकत्रित हुए हैं। उन्होंने कहा कि आज संसद का शीतकालीन सत्र शुरू हो रहा है और मैं प्रधानमंत्री मोदी और गृह मंत्री अमित शाह को उनके वादों की याद दिलाना चाहता हूं।

संदेह को दूर करने के लिए एक मर्तबा बैलेट पर हों चुनाव : सीएम सुक्खू

शिमला, नवंबर : मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने विकास खासतौर पर उद्घाटन व शिलान्यास के मुद्दे पर भाजपा को निशाने पर लिया है। उन्होंने भाजपा सरकार पर आधे-अधूरे विकास कार्यों को उद्घाटन व शिलान्यास का आरोप लगाया। मुख्यमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार भाजपा के वक्त के अधूरे कार्यों को पूरा कर रही है। साथ ही सरकार ने फैसला लिया है कि 30 फीसदी रकम जमा होने पर ही नए 30 प्रतिशत विकास कार्यों का शिलान्यास होगा। सुक्खू शिमला में पत्रकारों से अनौपचारिक बातचीत कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने लोगों के शक अर्थात संदेह को दूर करने के लिए देश में एक बार बैलेट पेपर पर चुनाव करवाने चाहिए। टैक्नोलॉजी के ज्ञाता भी यह कह चुके हैं कि सिस्टम को हैक किया जा सकता है। ऐसे में जनता की मांग पर यदि देश में बैलेट पेपर पर चुनाव करवाए जाते हैं, तो इससे सबका शक दूर हो जाएगा। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में हार और जीत का सिलसिला चला रहता है। भाजपा भी 2 सांसदों से सत्ता तक पहुंची है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा ने सत्ता में रहते हुए व्यक्तिगत एवं पार्टी हित में फैसलों को लिया।

संक्षिप्त समाचार

ब्लाक स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता संपन्न, बच्चों को बांटे पुरस्कार

चित्रकूट। युवा कल्याण विभाग द्वारा मानिकपुर मे ब्लॉक स्तरीय ग्रामीण खेल लीग प्रतियोगिता कृषक इंटर कॉलेज भौंरी में संपन्न हुई। प्रधानाचार्य रुद्र नारायण पांडेय बच्चों को पूरे जोश और लगन वा खेल भावना से प्रतिभाग के लिये प्रोत्साहित किया व खेल से मानसिक वा शारीरिक विकास होता है बताया गया था खेलो में सरकार की मंशानुरूप अपना कैरियर वा समाज को अनुशाशित वा प्रगति हेतु आगे बढ़ने को प्रोत्साहित किया गया। क्षेत्रीय युवा कल्याण अधिकारी अखण्ड प्रताप यादव द्वारा 100 मीटर सब जूनियर वर्ग की बच्चियों को हरी झंडी दिखाकर कार्यक्रम की शुरुआत की गई। प्रतियोगिता में लंबी कूद में गरिमा साकेत जूनियर, रंजना सब जूनियर में, रंजीता सीनियर में प्रथम आई। डिस्कस में कमलेश सीनियर में, सुरेन्द्र जूनियर में, अंकित सब जूनियर में प्रथम आये। गोला में कमलेश सीनियर में, सुरेन्द्र जूनियर में, अंकित कुमार सब जूनियर में प्रथम आए ।400 मीटर दौड़ में अनुराग पाल जूनियर में, जया बालिकाओं में जूनियर, गिरिजेश सीनियर में प्रथम आए। 100 मीटर में गरिमा जूनियर में, रामधारी सीनियर में,गुड़िया सीनियर बालिका में, करुणा सब जूनियर बालिका में, ललित कुमार सब जूनियर, अनुराग पाल जूनियर में प्रथम आए। 200 मीटर में जितेंद्र जूनियर में, जया जूनियर बालिका, गिरिजेश , गुड़िया। लंबी कूद में अनुराग पाल अजय, ललित प्रथम आए। बैडमिंटन, कुश्ती, वॉलीबॉल फुटबॉल में मड़ैयन, भौंरी, ऐंचवारा का दबदबा रहा। कार्यक्रम का समापन बच्चों को लंच और पुरस्कार में मेडल और प्रमाण पत्र देते हुए समापन किया गया। निर्णायिकों में अवधेश सिंह जिला खेल सचिव, अमृत लाल क्रीड़ा प्रभारी, श्रीकेशन, विनोद सिंह, चंद्रभान व क्षेत्रीय युवा कल्याण अधिकारी पहाड़ी उदयभान व युवक मंगल दल अध्यक्ष भौंरी कमलेश कुमार मौजूद रहे।

जिला जज ने प्रशासनिक अधिकारियों की बैठक ली

चित्रकूट। आगामी 14 दिसंबर को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत को सफल बनाने के लिये विकास कुमार प्रथम जनपद न्यायाधीश की अध्यक्षता में प्रशासनिक विभागों के अधिकारियों की तृतीय चरण की बैठक सम्पन्न हुयी। बैठक मे नीलू मैनवाल सचिव अपर जिला जज ने बताया कि अध्यक्ष जनपद न्यायाधीश द्व आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत में अधिक से अधिक पादों को चिन्हित कर निस्तारण के लिये बल दिया। सभी अधिकारियों से अपेक्षा की अपने अपने विभागों से सम्बन्धित मामले, जिनकों लोक अदालत के माध्यम से निस्तारित किया जा सके, को अधिक से अधिक चिन्हित कर उनमें पक्षकारों को कम से कम दो चार नोटिस तामीला कराते राष्ट्रीय लोक अदालत में निस्तारित करने का प्रयास करें। बैठक में राममणि पाठक अपर जिला जजनोडल अधिकारी लोक अदालत, आरपी शुक्ल जिला कृषि अधिकारी, मुलायम सिंह सहायक अभियन्ता जल संस्थान, शरद कुमार पाण्डेय वरिष्ठ निरीक्षक विधिक माप विज्ञान, पंकज कुमार मिश्र जिला प्रोबेशन अधिकारी, कमलाकान्त शुक्ला एसएफ आई एनपीपी, बीएल गुप्ता बाल विकास परियोजना अधिकारी, बलराम सहायक अभियन्ता लोक निर्माण विभाग उपस्थित रहे।

एडीएम न्यायिक ने की समीक्षा बैठक, ठेकेदारों पर जतायी नाराजगी

चित्रकूट। अपर जिलाधिकारी न्यायिक राजेश प्रसाद की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक मे निर्धारित कार्ययोजना के अनुसार परिवहन ठेकेदारों द्वारा ट्रकें उपलब्ध न करायें जाने पर नाराजगी व्यक्त की गई और हर्षित ट्रांसपोर्ट के विरुद्ध कारण बताओ नोटिस निर्गत करने के निर्देश दिए गए।स्टेट वेयरहाउस और एफसीआई को पर्याप्त संख्या में लेबर उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। समय से रिलीज आर्डर निरस्त कराकर समयबद्ध रुप से खाद्यान्न का उठान कर लाभार्थियों तक पहुंचाया जाए। अब किसी भी माह खाद्यान्न उठान समय विस्तार कराने के स्थिति उत्पन्न न हो। ट्रकों का आनलाइन ट्रैकिंग करते रहें और मानक का उल्लघंन करने वालों के विरुद्ध कार्यवाही प्रस्तावित करें।

28 को आयेंगे साइबर विशेषज्ञ, लगायेंगे जागरूकता शिविर

चित्रकूट। जिला मजिस्ट्रेट शिवशरणप्पा जीएन ने बताया कि मोहित बजाज (अधिवक्ता) साइबर एक्सपर्ट एण्ड टीम 28 नवम्बर को फॉरेंसिक सांइस, साइबर अपराध, साइबर कानून एवं अन्य संबंधित विषयों पर जनपद में जागरूकता शिविर के कार्यक्रमों को आयोजित किया जाना प्रस्तावित है। उन्होंने बताया कि जनपदीय पुलिस द्वारा पुलिस अधीक्षक कार्यालय में उक्त शिविर कार्यक्रम का आयोजन किया जायेगा।

मुस्कान हत्याकांड का खुलासा न होने पर व्यापारियों ने फिर किया प्रदर्शन, डीएम को सौंपा ज्ञापन

चित्रकूट। राष्ट्रीय जन उद्योग व्यापार संगठन ने मुस्कान हत्याकांड का खुलासा न होने पर व्यापार संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष अमित गुप्ता ने चित्रकूट आकर पीड़ित व्यापारी शिव नरेश अग्रहरी से मुलाकात की व पूरी घटना की जानकारी ली तथा जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा।

राष्ट्रीय जन उद्योग व्यापार संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष अमित गुप्ता के नेतृत्व में राष्ट्रीय महामंत्री संगठन शानू गुप्ता के साथ सैकड़ो व्यापारियों ने पीड़ित व्यापारी के घर जाकर मुलाकात की तथा जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा मुस्कान हत्याकांड घटना के जल्द ही खुलासे की मांग की तथा पुलिस अधीक्षक से फोन द्वारा वार्ता की गई कोई निर्दोष न फंसे इस मामले में दोषी के ऊपर ही कार्रवाई हो। जिलाधिकारी ने जल्द ही कार्रवाई का भरोसा देते हुए व्यापारी को सुरक्षा का भरोसा दिया की बेटी मुस्कान के हत्यारे को गिरफ्तार कर कड़ी से कड़ी सजा दिए जाने की मांग की गई। इस मौके पर विनोद प्रिंस केसरवानी, प्रमोद जायसवाल, शकुंतला गुप्ता राम गुप्ता, सुधीर अग्रहरि, राजेश साहू, विष्णु केसरवानी, रूपेश निगम, नारायण दास गुप्ता, अरविंद कुमार कसौधन, रविराज अग्रहरी, नरेंद्र कुमार, सुशील कुमार पांडे, आनंद बाबा, राजू चौरसिया मौजूद रहे ।

वैधानिक सूचना

पाठकों को सलाह दी जाती है किसी विज्ञापन पर किसी भी प्रतिक्रिया से पहले विज्ञापन में प्रकाशित किसी उत्पाद या सेवा के बारे में अपनी पूरी तरह जांच पड़ताल कर लें। यह समाचार पत्र उत्पाद या सेवा की गुणवत्ता या विज्ञापनदाता आदि के विवरण के बारे में विज्ञापन दाता द्वारा किए गए दावे या उल्लेख की पुष्टि या समर्थन नहीं करता। समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी प्रकार के विज्ञापन में पाठकों को सावधान किया जाता है कि कोई भी प्रतिक्रिया करने से पहले विज्ञापन के बारे में पूर्ण जांच पड़ताल कर लें तब आगे बढ़े। समाचार पत्र उपरोक्त किसी भी विज्ञापन के बारे में किसी पाठक के प्रति उत्तरदायी नहीं होगा।

संयुक्त किसान मोर्चा,केंद्रीय श्रमिक संगठन ,खेत मजदूर संगठन का संयुक्त मंच

(वर्ल्ड न्यूज फीचर नेटवर्क)

बेतिया। संयुक्त किसान मोर्चा, केन्द्रीय श्रमिक संगठन,खेत मजदूर संगठन के संयुक्त मंच के आह्वान पर देशव्यापी चेतावनी प्रदर्शन के मौके अखिल भारतीय किसान महासभा, अखिल भारतीय खेत ग्रामीण सभा,ऑल इंडिया सेंट्रल कॉउंसिल ऑफ ट्रेड यूनियन (एक्टू), आदिवासी संघर्ष मोर्चा, बिहार राज्य गन्ना उत्पादक किसान महासभा, बिहार राज्य निर्माण मजदूर यूनियन, ऑल इंडिया स्टूडेंट्स एसोसिएशन (आइसा), इंकलाबी नौजवान सभा (इनौस) के संयुक्त तत्वावधान में बेतिया समाहरणालय पर विशाल प्रदर्शन कर सभा किया गया।सभा को संबोधित करते हुए अखिल भारतीय किसान महासभा के राष्ट्रीय पार्षद व जिला अध्यक्ष सुनील कुमार राव ने कहा,कि देश के विकास में मजदूरों, किसानों एवं अन्य मेहनतकश वर्गों का अहम योगदान है। उनकी उन्नति ही सही अर्थों में देश की प्रगति का सूचक है। लेकिन हमारे देश की सरकारें - चाहे केन्द्र की हो या राज्यों की - बड़े पूंजीपतियों, कारपोरेट घरानों और बड़े भूस्वामियों के निहित स्वार्थों में काम करती हैं। हमारे देश का शासक वर्ग साम्राज्यवादी शक्तियों के साथ सांठगांठ करता है और साम्राज्यवादपरस्त नव उदारवादी नीतियों को लागू करता है। फलस्वरूप एक ओर जहां देश की आम जनता खासकर मेहनतकश अवाम बदहाली की शिकार है , वहीं मुट्ठी भर अमीरों, धन्नासेठों, पूंजीपतियों, भूस्वामियों एवं लुटेरों के पास देश की धन

सम्पदा का बड़ा हिस्सा गिरवी है। ऐसी हालात में हम जिला पदाधिकारी के माध्यम से सरकार से मांग करना चाहते हैं कि सी 2+50 फीसदी के आधार पर एमएसपी की कानूनी गारंटी के साथ सभी फसलों की खरीद की गारंटी की जाए। एक्टू के जिला संयोजक जवाहर प्रसाद ने कहा कि बिजली क्षेत्र का निजीकरण न हो-कोई प्रीपेड स्मार्ट मीटर न लगाये जाएं । कॉरपोरेट कम्पनियों के लिए अंधाधुंध भूमि अधिग्रहण बंद हो। भूमि अधिग्रहण कानून 2013 के प्रावधानों का सख्ती से पालन हो। खेग्रामश के सचिव संजय राम ने कहा साठ वर्ष से अधिक उम्र के सभी बुजुर्ग व वृद्ध खेत मजदूरों एवं किसानों के लिए 10000 रुपए की मासिक पेंशन योजना लागू की जाए। किसान नेता हरे राम यादव ने कहा नई पेंशन स्कीम को खत्म कर पुराने पेंशन स्कीम को लागू किया जाए। भारतीय श्रम सम्मेलन प्रति वर्ष पुनः आयोजित किया जाए।किसान महासभा के नेता संजय यादव ने कहा कि मनरेगा में 200 दिन काम और 600 रुपये मजदूरी देने और इसे कृषि, पशुपालन और वाटर शेड आधारित योजना से जोड़ने की गारंटी की जाए। बिहार में डी. बंद्योपाध्याय भूमि सुधार आयोग की रिपोर्ट को सार्वजनिक किया जाए और उसकी सिफारिशों को लागू किया जाए। किसान नेता इन्द्रदेव कुशवाहा ने कहा बिहार में एपीएमसी कानून के तहत कृषि मंडी को पुनर्बहाल किया जाए। बिहार में उचित जलप्रबंधन के जरिए बाढ़, जलजमाव एवं सुखाड़ की समस्या का स्थायी समाधान किया जाए। उत्तर कोयल एवं सोन नहर प्रणाली सहित तमाम सिंचाई परियोजनाओं का जीर्णोद्धार किया जाए। आदिवासी संघर्ष मोर्चा के जिला अध्यक्ष नंद किशोर महतो ने कहा कि वनाधिकार कानून 2006 को सख्ती से लागू किया जाए और वन क्षेत्र पर आदिवासियों के नैसर्गिक परम्परागत अधिकारों को सुनिश्चित किया जाए। अब्दुल खैर धर्म कुशवाहा, योगेन्द्र यादव, तारकेश्वर यादव, दिनेश गुप्ता आदि मौजूद थे।

केवीके मधोपुर ने जनजातीय गौरव दिवस का किया आयोजन।

(वर्ल्ड न्यूज फीचर नेटवर्क)

बेतिया। डॉ. राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय, पूसा, बिहार से संबद्ध कृषि विज्ञान केंद्र, मधोपुर ने 25 नवम्बर को भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में जनजातीय गौरव दिवस का आयोजन माडुआहा गांव मे किया। इस अवसर पर केंद्र ने जनजातीय किसानों के सशक्तिकरण और उन्नत कृषि तकनीकों के प्रचार-प्रसार के लिए एक विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम का भी आयोजन किया। यह कार्यक्रम केवीके मधोपुर के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ. अभिषेक प्रताप सिंह के मार्गदर्शन मे हुई । प्रशिक्षण सत्र का संचालन विषय वस्तु विशेषज्ञ डॉ सौरभ दुबे ने किया। उन्होंने किसानों को फसल सुरक्षा के उन्नत उपायों की जानकारी दी और बताया कि जलवायु परिवर्तन एवं सीमित संसाधनों के बावजूद कृषि को अधिक लाभकारी बनाने के लिए कौन-कौन सी तकनीकों का उपयोग किया जा सकता है। इस अवसर पर केंद्र द्वारा 40 जनजातीय किसानों को फूलगोभी की उन्नत किस्मों के पौध सामग्री का वितरण किया गया। डॉ. सौरभ दुबे ने कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रम न केवल किसानों को प्रोत्साहित करते हैं, बल्कि उन्हें आत्मनिर्भर बनने में भी मदद करते हैं। उन्होंने भगवान बिरसा मुंडा के बलिदान और उनके द्वारा आदिवासी समाज के लिए किए गए कार्यों को भी याद किया। कार्यक्रम में किसानों ने बड़ी संख्या में भाग लिया और प्रशिक्षण के दौरान प्राप्त ज्ञान को अपने खेतों में लागू करने का आश्वासन दिया। यह आयोजन केवीके मधोपुर के प्रयासों और समाज के प्रति समर्पण का एक और प्रमाण है, जो आदिवासी किसानों को बेहतर कृषि तकनीकों और संसाधनों से परिचित कराकर उनकी आजीविका को सुदृढ़ करने का निरंतर प्रयास कर रहा है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य जनजातीय किसानों को सशक्त बनाना, उनके कृषि ज्ञान को उन्नत तकनीकों से समृद्ध करना और भगवान बिरसा मुंडा के प्रेरणादायक जीवन और योगदान को जन-जन तक पहुंचाना था। केंद्र के पौधा रोग विशेषज्ञ श्री सौरभ दूबे ने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा ने अपने छोटे से जीवनकाल में जनजातीय समाज के अधिकारों के लिए जो संघर्ष किया, वह हर किसान और ग्रामीण समुदाय के लिए प्रेरणा का स्रोत है। उन्होंने यह भी कहा कि केवीके का उद्देश्य जनजातीय किसानों को उन्नत कृषि तकनीकों और संसाधनों से परिचित कराना है, जिससे उनकी आजीविका में सुधार हो सके।

पौध सामग्री का वितरण

प्रशिक्षण के बाद केवीके मधोपुर की ओर से 40 जनजातीय किसानों को फूलगोभी की उन्नत किस्मों के पौध सामग्री का वितरण किया गया। यह पहल जनजातीय किसानों को आत्मनिर्भर बनाने और उनकी आजीविका को बेहतर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। ऐसे प्रयास किसानों को अपनी फसलों में वैज्ञानिक तरीकों का उपयोग करने के लिए प्रेरित करते हैं, जिससे उनकी पैदावार और आय में वृद्धि हो सकती है।

किसानों का उत्साह और कार्यक्रम की सफलता

जनजातीय किसानों ने इस कार्यक्रम में उत्साहपूर्वक भाग लिया और प्रशिक्षण में दी गई जानकारी को अपने खेतों में अपनाने का आश्वासन दिया। किसानों ने फूलगोभी की पौध सामग्री प्राप्त करने के लिए केवीके के प्रति आभार व्यक्त किया और कहा कि यह उनके लिए अत्यंत लाभकारी सिद्ध होगा।

कार्यक्रम के समापन पर पौधा रोग विशेषज्ञ ने सभी उपस्थित किसानों को धन्यवाद दिया और कहा कि केवीके मधोपुर हमेशा किसानों के हित में कार्य करता रहेगा। यह आयोजन न केवल भगवान बिरसा मुंडा के प्रति श्रद्धांजलि थी, बल्कि किसानों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने का एक महत्वपूर्ण प्रयास भी था।

संविधान एवं लोकतंत्र की मजबूती को आगे आए नई पीढ़ी।

सत्याग्रह रिसर्च फाउंडेशन,मदर ताहिरा चैरिटेबल ट्रस्ट ने संविधान दिवस पर नई पीढ़ी के युवाओं, न्यायपालिका, कार्यपालिका, विधायिका एवं मीडिया के लोगों से अपील की।

>>> संविधान दिवस के अवसर पर सत्याग्रह रिसर्च फाउंडेशन, मदर ताहिरा चैरिटेबल ट्रस्ट एवं विभिन्न सामाजिक संगठनों द्वारा एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

चंपारण। सत्याग्रह भवन में संविधान दिवस के अवसर पर एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें विभिन्न सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों, बुद्धिजीवियों और छात्रों ने भाग लिया। इस अवसर पर सबसे पहले महात्मा गांधी, कस्तूरबा गांधी, बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर, भारतीय संविधान सभा के संस्थापक सदस्यों, अमर शहीदों, स्वतंत्रता सेनानियों और अपने पुरखों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस अवसर पर अंतरराष्ट्रीय पीस एम्बेसडर सह सचिव सत्याग्रह रिसर्च फाउंडेशन डॉ. एजाज अहमद अधिवक्ता, डॉ. सुरेश कुमार अग्रवाल चांसलर प्रज्ञान अंतरराष्ट्रीय विश्वविद्यालय, डॉ. शाहनवाज अली, डॉ. अमित कुमार लोहिया, वरिष्ठ पत्रकार सह संस्थापक मदर ताहिरा चैरिटेबल ट्रस्ट डॉ. अमानुल हक, समाजसेवी नवीनदु चतुर्वेदी, पश्चिम चंपारण कला मंच की संयोजक शाहीन प्रवीण ने संयुक्त रूप से कहा कि आज 26 नवंबर को पूरे देश में संविधान दिवस मनाया जा रहा है। 26 नवंबर को संविधान सभा द्वारा भारतीय संविधान को अपनाने की याद में हर साल संविधान दिवस मनाया जाता है। 26 जनवरी 1950 से भारतीय संविधान लागू किया गया था। तभी से हर साल इसी दिन संविधान दिवस मनाया जाता है। इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि 395 अनुच्छेदों वाले भारतीय संविधान में अब 470 अनुच्छेद रह गए हैं। संविधान सभा को भारतीय संविधान बनाने में 167 दिन लगे थे, जिसके लिए 11 सत्र आयोजित किए गए थे। अपने मूल स्वरूप में भारतीय संविधान में 395 अनुच्छेद, 22 धाराएं और 8 अनुसूचियां हैं। हमारे संविधान में कुल 1,45,000 शब्द हैं, जो पूरे विश्व में अपनाया गया सबसे लंबा संविधान है। वर्तमान में हमारे संविधान में 470 अनुच्छेद, 25 धाराएं और 12 अनुसूचियां हैं और साथ ही 5 परिशिष्ट भी हैं। इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि संविधान दिवस के अवसर पर विभिन्न सरकारी विभागों, संगठनों और शैक्षणिक संस्थानों में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। स्कूलों, कॉलेजों, विश्वविद्यालयों और कई अन्य संस्थानों में संविधान दिवस के अवसर पर विभिन्न भाषण, संवाद, वाद-विवाद प्रतियोगिताएं, प्रश्नोत्तरी आदि का आयोजन किया जा रहा है इस अवसर पर वक्ताओं ने नई पीढ़ी के युवाओं, पत्रकारों, मीडिया कर्मियों, न्यायपालिका, विधायिका, कार्यपालिका एवं आम जनता से संविधान एवं लोकतंत्र की मजबूती के लिए आगे आने की अपील की। उन्होंने कहा कि भारतीय संविधान का उद्देश्य लोकतंत्र की मजबूती है। नागरिकों के बीच संविधान के मूल्यों को बढ़ावा देने के लिए भारत सरकार द्वारा प्रतिवर्ष 26 नवंबर को ह्यसंविधान दिवस के रूप में मनाने का निर्णय 19 नवंबर 2015 को सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय द्वारा अधिसूचित किया गया था। इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि भारतीय संविधान लोकतंत्र की मजबूती का आधार है। भारत को एक लोकतांत्रिक कल्याणकारी देश बनाने में भारतीय संविधान की महत्वपूर्ण भूमिका है।

माधोपुर से दो दिवसीय कृषक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन

(वर्ल्ड न्यूज फीचर नेटवर्क)

बेतिया। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद का पूर्वी अनुसंधान परिसर, पटना एवं कृषि विज्ञान केंद्र, माधोपुर के संयुक्त तत्वाधान में मंगलवार को बेतिया के माधोपुर में फसल विविधीकरण द्वारा उत्पादन लाभप्रदता एवं जीविकोपार्जन में वृद्धि विषय पर दो दिवसीय कृषक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया` इस कार्यक्रम में जिले के बैकुंठवा, रूलही, सेनुवरिया एवं दुबौलिया के लगभग 30 से अधिक किसानों ने भाग लिया` इस परियोजना के प्रधान अन्वेषक एवं फसल अनुसंधान प्रभाग के अध्यक्ष डॉ. संजीव कुमार ने किसानों को संबोधित करते हुए फसल विविधीकरण के महत्व एवं विभिन्न तकनीकी पहलुओं पर प्रकाश डालते हुए इसे अपने पारंपरिक कृषि प्रणाली में शामिल करने के फायदे पर प्रकाश डाला ` साथ ही, उन्होंने आंकड़ों द्वारा समेकित कृषि प्रणाली द्वारा उत्पादकता एवं आय में वृद्धि को दशार्या` संस्थान के वैज्ञानिक डॉ. अभिषेक कुमार ने फसल विविधीकरण द्वारा जलवायु परिवर्तन के प्रभाव के शमन हेतु कृषिवानिकी की उपयोगिता पर प्रकाश डाला` भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद का पूर्वी अनुसंधान परिसर, पटना द्वारा यह प्रशिक्षण कार्यक्रम 27 नवंबर 2024 तक चलेगा` इस प्रशिक्षण में कृषि विज्ञान केंद्र, माधोपुर एवं राजेंद्र कृषि विश्वविद्यालय, पूसा के क्षेत्रीय स्टेशन माधोपुर के विशेषज्ञों द्वारा भी विभिन्न विषयों पर व्याख्यान दिया जाएगा` इस कार्यक्रम को आयोजित करने में कृषि विज्ञान केंद्र, माधोपुर के वैज्ञानिक डॉ. अभिषेक प्रताप सिंह एवं डॉ. सौरभ दूबे का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

अपर एसपी ने मिशन शक्ति अभियान के तहत महिलाओं व बालिकाओं को किया जागरूक

यातायात माह के तहत कालेज में अध्ययनरत 51 छात्राओं को वितरित किए गए नि:शुल्क हेलमेट

■ महोबा

अपर पुलिस अधीक्षक वन्दना सिंह की अध्यक्षता में मुख्यालय महोबा थाना कोतवाली नगर महोबा क्षेत्रअन्तर्गत अवस्थित माँ0 चन्द्रिका महिला महाविद्यालय में यातायात जागरुकता माह नवंबर तथा मिशन शक्ति फेज 5.0 अभियान के तहत जागरुकता कार्यशाला का आयोजन किया गया है। इस कार्यक्रम के मुख्य बिन्दु साइबर सुरक्षा, मिशन शक्ति और यातायात नियमों के प्रति जागरूकता पर आधारित कार्यशालाएँ थीं।

पहले सत्र में 'साइबर सुरक्षा' पर आयोजित किया गया। इस अवसर पर साइबर अपराध के बारे में छात्राओं को सतर्क रहने के लिए कहा। उन्होंने पोर्टल और साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 के बारे में विस्तृत जानकारी दी जिसके माध्यम से शिकायत दर्ज कराने और धोखाधड़ी से बचाव के बारे में बताया।

दूसरे सत्र में मिशन शक्ति अभियान के फेज-5.0 के तहत महिला सशक्तिकरण पर छात्राओं को मिशन शक्ति के विशेष अभियान (फेज-05) के तहत कम्युनिटी पुलिसिंग एवं महिला सशक्तिकरण हेतु विभिन्न योजनाओं के बारे में जानकारी देकर जागरूक किया गया।

तीसरा सत्र यातायात माह नवम्बर के तहत यातायात जागरुकता पर आधारित था, जिसमें सभी छात्राओं को यातायात नियमों जैसे स्टॉप-गो-स्लो, हेलमेट, सीट बेल्ट, गति सीमा का पालन, यातायात निर्देशों, वाहन चलाते समय कभी भी मोबाइल का उपयोग न करना आदि के बारे में जागरूक किया गया।

इसी क्रम में छात्राओं ने रंगोली, चित्रकला एवं निबन्ध प्रतियोगिता के माध्यम से यातायात सुरक्षा के सम्बन्ध में अपनी प्रतिभा को परिलक्षित किया है, अपर पुलिस अधीक्षक द्वारा सभी छात्राओं की प्रशंसा कर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की गयी है, विजेताओं को यातायात सड़क सुरक्षा माह के समापन 30 नवंबर पर पुरस्कृत किया जाएगा।

यातायात माह नवंबर के तहत आयोजित कार्यशाला में महाविद्यालय में स्कूटी से आने वाली अध्ययनरत 51 छात्राओं को नि:शुल्क हेलमेट वितरित किये गये व सभी से अपील की गयी है कि वाहन चलाते समय हेलमेट अवश्य पहने, जिन्दगी अनमोल है, इसको बचाने के लिए सावधानी व सुरक्षात्मक उपायों के साथ यातायात नियमों का सदैव पालन करें। इस दौरान प्रभारी यातायात महोबा श्री सुनील कुमार सिंह, प्रभारी महिला थाना श्रीमती सुषमा चौधरी, महाविद्यालय प्रिंसिपल श्रीमती ज्योति सिंह, समाजसेवी शिवकुमार गोस्वामी, रामजी गुप्ता, महाविद्यालय के सम्मानित शिक्षकगण, अध्ययनरत छात्राओं सहित महिला थाना एवं यातायात पुलिस टीम के अन्य अधिकारी/कर्मचारीगण मौजूद रहे।

चिकित्सा टीम ने बालिकाओं को दी महत्वपूर्ण जानकारी

■ महोबा

पूर्व माध्यमिक विद्यालय अकौना और महुआबांध में मुख्य चिकित्साधिकारी के निर्देश पर प्रभारी सीएचसी जैतपुर की देखरेख में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें आरबीएस की टीमों द्वारा माहवारी के समय बरती जाने वाली सावधानियों और स्वच्छता के बारे में जानकारी देकर छात्राओं को जागरूक किया गया। कार्यक्रम के तहत 196 बालिकाओं को निश्शुल्क सैनेटरी पैड वितरित किए गए। पूर्व माध्यमिक विद्यालयों में आयोजित जागरूकता कार्यक्रम के तहत एफएचडब्ल्यू संगीता ने बताया कि मासिक धर्म अभी प्रतिबंधों से घिरी हुई है, लेकिन मासिक धर्म शर्म की बात नहीं बल्कि स्त्रियों के लिए गर्व का विषय है। कहा कि मासिक धर्म के बारे में गलत धारणाओं के कारण लड़कियों से भेदभाव किया जाता है, जिस कारण लड़कियों की मानसिकता पर भी दुष्प्रभाव पड़ता है और लड़कियां हीन भावना से ग्रस्त हो जाती हैं। उन्होंने बताया कि मासिक धर्म के दौरान आपको अपनी सभी नियमित गतिविधियां करने में सक्षम होना चाहिए। मासिक धर्म के बाद ऐंठन कुछ स्वास्थ्य स्थितियों के कारण हो सकती है, कई स्त्रियों को मासिक धर्म चक्र से पहले या उसके दौरान पेट में ऐंठन का अनुभव होता है। फिर भी, मासिक धर्म के बाद भी ऐंठन होना संभव है। कार्यक्रम में मासिक धर्म दौरान स्वच्छता व सैनेटरी पैड के महत्व को समझाते हुए छात्राओं की झिझक को दूर करने का भी प्रयास करते हुए जागरूक किया गया। डा0 पीएन शर्मा ने बदलते मौसम में स्वस्थ रहने के टिप्स बताते हुए कहा कि इस दौरान व्यक्तिगत स्वच्छता सबसे महत्वपूर्ण है। कार्यक्रम दौरान पूर्व माध्यमिक विद्यालय महुआबांध में 78 और पूर्व माध्यमिक विद्यालय अकौना में 118 छात्राओं को सैनेटरी पैड का वितरण किया गया। कार्यक्रम दौरान ग्राम प्रधान अकौना उमा देवी, प्रतिनिधि गोपाल कुशवाहा बिद्यालय के प्रधानाचार्य मोहम्मद इमरोज, सपना, दिनेश त्रिपाठी, नेतराम यादव, रवेंद्र पाल, हारेन खान, यशपाल सहित दोनो विद्यालयों में छात्राएं मौजूद रहीं।

संक्षिप्त समाचार

जिरीबाम में 2 दिन और बंद रहेंगे मोबाइल इंटरनेट

मणिपुर । गृह विभाग के एक आदेश में कहा गया है कि मणिपुर सरकार ने सोमवार को नौ जिलों में मोबाइल इंटरनेट सेवाओं के निलंबन को दो और दिनों के लिए बढ़ा दिया है। 16 नवंबर को मोबाइल इंटरनेट सेवाओं को दो दिनों के लिए निलंबित कर दिया। राज्य सरकार ने मौजूदा कानून और व्यवस्था की स्थिति की समीक्षा करने के बाद इम्फाल पश्चिम, इम्फाल पूर्व, बिष्णुपुर, थौबल, काकचिंग, कांगपोकपी, चुराचांदपुर के क्षेत्रीय अधिकार क्षेत्र में वीएसएटी और वीपीएन सेवाओं सहित मोबाइल इंटरनेट सेवाओं और मोबाइल डेटा सेवाओं का निलंबन जारी रखने का निर्णय लिया है।

उत्तर भारत में पड़ेगी कंपकंपाने वाली ठंड

नई दिल्ली । दिल्ली सहित पूरे उत्तर भारत में ठंड ने दस्तक दे दी है। सुबह और शाम के मौसम में तापमान में काफी गिरावट देखी जा रही है। पूरे उत्तर भारत का मौसम बदल रहा है और जल्द ही कड़ाके की सर्दी पड़ने वाली है। भारत मौसम विज्ञान विभाग ने बताया कि मंगलवार को दिल्ली का न्यूनतम तापमान 14 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया है, जो इस मौसम के सामान्य तापमान से 2.7 डिग्री अधिक है। अब आगे बताते हैं, देश के अन्य राज्यों में मौसम कैसा रहेगा? मौसम विभाग ने दिल्ली में 28 और 29 नवंबर के लिए येलो अलर्ट जारी किया है। इन दिनों घने कोहरे के कारण विजिबिलिटी बहुत कम हो सकती है। ऐसे में लोगों को सड़क पर गाड़ी चलाते समय काफी ध्यान रखना होगा।

लेबनान में इस्राइली हमले 31 की मौत

बेरूत/वॉशिंगटन । बीते एक साल से ज्यादा समय से इस्राइल और हमास के बीच जंग जारी हैं। वहीं, इस युद्ध की लपटें लेबनान और ईरान तक पहुंच चुकी हैं। इस बीच, एक बार फिर हमले तेज हो गए हैं। इस्राइली हमले में सोमवार को दक्षिण बेरूत तबाह हो गया। अधिकारियों ने दावा किया है कि यहां 31 लोगों मारे गए हैं। हालांकि, इन सबके बीच अमेरिका का कहना है कि इस्राइल और हिजबुल्ला के बीच संघर्षविराम समझौता जल्द ही हो सकता है। यह काफी करीब है। मगर बातचीत अभी भी जारी है। इस्राइली सेना ने सोमवार दोपहर कहा कि उसने लेबनान में हिजबुल्ला से जुड़े लगभग 25 ठिकानों को निशाना बनाया, जिनमें नबातियेह, बालबेक, बेका घाटी और दक्षिणी बेरूत और शहर के बाहरी इलाके शामिल हैं।

युवक पर भी फिरौती नहीं देने पर जानलेवा हमला किया

चंडीगढ़ के सेक्टर 26 में एक के बाद एक दो धमाके नाइट क्लब के बाहर हुए विस्फोट

- दि ओरा क्लब के बाहर बाइक पर आए दो युवकों ने दो धमाके किए
- संचालकों से गैंगस्टर वसूली कर चुके हैं और कई को धमकी भी मिल चुकी

एजेंसी, चंडीगढ़

सेक्टर 26 में स्थित दि ओरा क्लब के बाहर बाइक पर आए दो युवकों ने दो धमाके कर दिए। हालांकि, अभी तक यह नहीं पता चल पाया है कि धमाके किस चीज से किए हैं। इन धमाकों में कोई जानी नुकसान नहीं हुआ है मगर क्लब के शीशे टूट गए हैं। सूचना मिलने के बाद भारी पुलिस बल मौके पर पहुंच गया है। या मामला वसूली से जुड़ा भी हो सकता है। इससे पहले भी कई क्लब संचालकों से गैंगस्टर वसूली कर चुके हैं और कई को धमकी भी मिल चुकी है। कुछ दिन पहले कल्बो में बाउंसर भेजने की एजेंसी रखने वाले युवक पर भी फिरौती नहीं देने पर जानलेवा हमला किया गया था। चंडीगढ़ पुलिस ने फोरेंसिक एक्सपर्ट भी मौके पर बुलाए हैं। अधिकारी और फोरेंसिक एक्सपर्ट जांच में जुटे हुए हैं। अभी तक पुलिस या प्रशासन की तरफ से कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है।

देर रात सवा तीन बजे हुआ धमाका

क्लब के कर्मचारी पूरन ने बताया कि हम जोरदार धमाके की आवाज सुनकर बाहर आए। दरवाजे के शीशे टूटे हुए थे, जिसके बाद हमने पुलिस में शिकायत की। धमाके के समय रेस्टोरेंट के अंदर 7-8 कर्मचारी थे। कोई घायल नहीं हुआ। सीसीटीवी काम नहीं कर रहा है।

सितंबर में कोठी पर फेंका गया था हैंड ग्रेनेड

चंडीगढ़ के सेक्टर-10 की कोठी नंबर-575 में 11 सितंबर को ऑटो सवार दो युवकों ने हैंड ग्रेनेड बम से हमला किया था। उस मामले की जांच राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) कर रही है। उस घटना में जान-माल का तो कोई नुकसान नहीं हुआ लेकिन कोठी में लगे खिड़कियों के सारे शीशे चटक गए थे।

72 घंटे में पकड़े गए आरोपी

इस मामले में विदेश में रह रहे हैप्पी पशिया का नाम सामने आया था जिसमें उसने पंजाब पुलिस में एसपी के पद से रिटायर जसकीरत सिंह चहल को मारने के लिए ब्लास्ट करवाने की जिम्मेदारी ली थी। घटना के 72 घंटे के बाद ही पंजाब पुलिस की स्पेशल टीमों ने अमृतसर और दिल्ली से बम फेंकने वाले दोनों आरोपी रोहन मसीह और विशाल मसीह को गिरफ्तार कर लिया था।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने सोमवार को नई दिल्ली स्थित राष्ट्रपति भवन में आयोजित एक समारोह में रोमानिया के राजदूत सेना लतीफ से परिचय पत्र स्वीकार किया।

जवानों को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं

26/11 की 16वीं बरसी , अमित शाह ने शहीदों को दी श्रद्धांजलि

नई दिल्ली । 26/11 मुंबई आतंकवादी हमलों की आज 16वीं बरसी है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने इस हमले में जान गंवाने वाले लोगों को श्रद्धांजलि अर्पित की। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, साल 2008 में आज ही के दिन मुंबई में कायर आतंकवादियों ने निर्दोष लोगों की हत्या कर मानवता को शर्मसार किया था। 26/11 के मुंबई हमलों में आतंकियों से लड़ते हुए वीरगति को प्राप्त होने वाले जवानों को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं और अपना जीवन गंवाने वाले लोगों को नमन करता हूं। उन्होंने आगे लिखा, आतंकवाद समूची मानव सभ्यता के लिए कलंक है। आतंकवाद के खिलाफ मोदी सरकार की जीरो टॉलरेंस की नीति को पूरे विश्व ने सराहा है और आज भारत आतंक विरोधी पहलों में विश्व में अग्रणी बना है।₹ उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने एक्स पर लिखा, 26/11 मुंबई आतंकी हमले में असमय काल कवलित हुए नागरिकों एवं मातृभूमि की रक्षा के लिए अपने प्राणों का सर्वोच्च बलिदान देने वाले मां भारती के वीर सपूतों को कोटि-कोटि नमन।

लाल सागर में नाव डूबने से 16 लोग लापता

नई दिल्ली। लाल सागर में पर्यटकों की एक नौका के डूबने से कम-से-कम 16 लोग लापता हो गए हैं। मिस्र के खबरो के मुताबिक लाल सागर क्षेत्र के गवर्नर अम्र हनाफी ने कहा है कि- बचावकर्मियों ने तटीय शहर मार्सा आलम के दक्षिण में नौका से 28 लोगों को बचाया और कुछ लोगों को चिकित्सकीय उपचार के लिए हवाई मार्ग से ले जाया गया है। फेसबुक पर लाल सागर 'गवर्नरेट' की ओर से दी गई खबरो के मुताबिक हनाफी ने उस स्थान का दौरा किया जहां नौका डूबी थी। हनाफी ने कहा है नौका पर कुल 44 लोग सवार थे। जिसमें चालक दल के सदस्यों सहित मिस्र के 13 लोग शामिल थे। नौका पर अमेरिका, जर्मनी, ब्रिटेन, पोलैंड, बेल्जियम, स्विट्जरलैंड, फिनलैंड, चीन, स्लोवाकिया, स्पेन और आयरलैंड के कुल 31 विदेशी नागरिक सवार थे। बता दें कि 'सी स्टोरी' नामक इस नौका में कोई तकनीकी समस्या नहीं थी और उसने यात्रा से पहले सभी आवश्यक परमिट प्राप्त किए और नौवहन सुरक्षा के संबंध में इसकी अंतिम बार मार्च में जांच की गई थी।

हादसा एयरपोर्ट के पास दो मंजिला मकान के ऊपर हुआ

लिथुआनिया में मकान के ऊपर क्रैश हुआ डीएचएल कंपनी का कार्गो विमान , एक की मौत

- मालवाहक विमान के साथ यह हादसा एयरपोर्ट के पास दो मंजिला मकान के ऊपर हुआ

एजेंसी, जर्मनी

जर्मनी की पार्सल एवं कूरियर सेवा प्रदान करने वाली डीएचएल कंपनी का एक कार्गो विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। जानकारी के अनुसार यह घटना 25 नवंबर (सोमवार) की है। यह हादसा लिथुआनिया की राजधानी के पास हुआ। विमान एक मकान के ऊपर दुर्घटनाग्रस्त हो गया, इस हादसे में एक व्यक्ति की मौत की खबर है। इस हादसे में प्लेन में सवार तीन लोग बच गए। एलआरटी ने अधिकारियों के हवाले से बताया कि दुर्घटना के बाद दो लोगों के अपस्ताल ले जाया गया, जबकि एक को मृत घोषित कर दिया गया। मालवाहक विमान के साथ यह हादसा एयरपोर्ट के पास दो मंजिला मकान के ऊपर हुआ। हादसे में कुछ लोगों के घायल होने की भी खबर है।

विमान हादसे पर कंपनी की कोई प्रतिक्रिया नहीं आई सामने

जानकारी दें कि डीएचएल ग्रुप का मुख्यालय जर्मनी के बॉन में स्थित है। इस घटना के तुरंत बाद कंपनी ने कोई प्रतिक्रिया नहीं दी। डीएचएल के विमानों का संचलान मैड्रिड में स्थित 'स्विफ्टएयर' करती है। बताया जा रहा है कि जो विमान दुर्घटनाग्रस्त हुआ है वह करीब 31 साल पुरान था। इस प्रकार के विमान को एक्सपर्ट्स पुराना ढांचा मानते हैं। हलांकि, कई मालवाहक विमान इससे भी पुराने हैं। इस घटना को लेकर पुलिस कमिश्नर जनरल पोजेला ने जानकारी दी। उन्होंने बताया कि ये प्लेन एयरपोर्ट से कुछ दूरी पर गिरा।

डीएचएल मालवाहक विमान दुर्घटनाग्रस्त

लिथुआनिया एयरपोर्ट अथॉरिटी ने विमान की पहचान जर्मनी के लीपजिंग से विलनियस हवाई अड्डे के लिए उड़ाने भरने वाले डीएचएल मालवाहक विमान के तौर पर की है। घटना के तुरंत बाद मौके पर दमकल की सेवा प्रदान की गई। इसी के साथ अन्य आपाताकालीन सेवाओं को घटनास्थल पर भेजा गया। शुरुआती जांच में अभी विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने के कारणों का नहीं पता चल सका है।

21 देशों में डेंगू के करीब 15 लाख मामलों का विश्लेषण कर यह पता लगाने का प्रयास किया

25 वर्षों में 60 फीसदी तक बढ़ सकता है डेंगू का खतरा

- 2050 तक डेंगू के मामलों में 40 से 60 फीसदी की वृद्धि हो सकती है
- डेंगू के बढ़ते मामलों के लिए 18 फीसदी तक जलवायु परिवर्तन जिम्मेदार

एजेंसी, नई दिल्ली

जलवायु में आ रहे बदलावों के कारण 2050 तक डेंगू के मामलों में 40 से 60 फीसदी की वृद्धि हो सकती है। इतना ही नहीं, कुछ क्षेत्रों में तो इसके मामले 200 फीसदी तक बढ़ सकते हैं। अमेरिकन सोसाइटी ऑफ ट्रॉपिकल मेडिसिन एंड हाइजीन (एएसटीएमएच) की सालाना बैठक के दौरान पेश किए गए शोध अध्ययन में वैज्ञानिकों ने कहा है कि डेंगू के बढ़ते मामलों के लिए 18 फीसदी तक जलवायु परिवर्तन जिम्मेदार है। यह अध्ययन मैरीलैंड, हार्वर्ड और स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय से जुड़े शोधकर्ताओं ने किया है। वैज्ञानिकों ने 21 देशों में डेंगू के करीब 15 लाख मामलों का विश्लेषण कर यह पता लगाने का प्रयास किया है कि बढ़ता तापमान खास तौर पर अमेरिका और एशिया में डेंगू के प्रसार को कैसे प्रभावित कर रहा है। इस विश्लेषण से पता चला है कि डेंगू का प्रसार तब होता है जब तापमान 15 डिग्री सेल्सियस के आसपास होता है और 27.8 डिग्री सेल्सियस तक उच्चतम स्तर पर पहुंच जाता है। अधिक गर्मी होने से इसका प्रसार धीमा पड़ जाता है। 2023 के दौरान अमेरिकी राज्यों में डेंगू के 45.9 लाख से ज्यादा मामले सामने आए थे। वहीं, 2024 में यह आंकड़ा बढ़कर 1.25 करोड़ पर पहुंच गया है। यानी इस दौरान डेंगू के मामले में 160 फीसदी से ज्यादा की वृद्धि हुई।

मच्छरों से होने वाली बीमारियों की बड़ी वजह

अध्ययन बताता है कि जलवायु परिवर्तन दुनिया में मच्छरों की वजह से पैदा होने वाली बीमारियों में हो रहे इजाफे की एक बड़ी वजह है। जिस तरह जलवायु बदल रही है उसकी वजह से मच्छर उन स्थानों पर भी पनपने लगे हैं जहां वे पहले नहीं पनपते थे। यदि उत्सर्जन में तेजी से कटौती की जाए तो 2050 तक डेंगू के मामलों में होने वाली 60% की वृद्धि को 40% पर सीमित किया जा सकता है।

और बदतर होंगे प्रभाव

अध्ययन से जुड़ी वरिष्ठ शोधकर्ता एरिन मोर्डेकाई का कहना है कि बढ़ते तापमान और डेंगू के बढ़ते मामलों के बीच स्पष्ट और सीधा संबंध है। वहीं, अध्ययन के जो नतीजे सामने आए हैं वह दर्शाते हैं कि इसके प्रभाव और भी बदतर हो सकते हैं। इसके आधार पर यह तय किया जा सकता है कि भविष्य में स्वास्थ्य से जुड़ी योजनाओं के निर्माण में किन मुद्दों पर गौर करना जरूरी है।

सर्वाधिक प्रभावित 30 देशों में भारत भी

डेंगू से सर्वाधिक प्रभावित 30 देशों में भारत भी शामिल है। भारत में पिछले पांच वर्षों के दौरान डेंगू के मामलों में करीब 84% की वृद्धि हुई है। 2020 में डेंगू के 1,57,315 मामले सामने आए थे, वहीं 2023 में यह बढ़कर 2,89,235 तक पहुंच गए। इस अवधि में डेंगू से मौतों में 192 फीसदी वृद्धि हुई। विश्व स्वास्थ्य संगठन का कहना है कि दो दशकों में वैश्विक स्तर पर डेंगू के मामलों में वृद्धि हुई है। 2023 के अंत तक 129 से अधिक देशों में डेंगू संक्रमण की रिपोर्ट सामने आई है।

हार से हताश देश में दंगा करने करवाने को तैयार

सोमवार को विपक्ष के नेताओं ने स्पीकर को गुहार लगाई कि वक्फ पर बनी जेपीसी की रिपोर्ट को सदन में न रखने दिया जाए।

इंडिया गेट से

अजय सेतिया
की कलम से

इधर संसद में वक्फ बिल आ रहा है, जगदंबिका पाल ने 500 पेज की रिपोर्ट तैयार कर ली है। उधर, राहुल-अखिलेश की शह पर मुस्लिम वक्फ बोर्ड ने देश भर में दंगा करने की तैयारी कर ली है। कांग्रेस शासित कर्नाटक में हुई बैठक में बिल के खिलाफ सड़कों पर उतरने का फैसला किया गया है। इस बैठक में कांग्रेस और समाजवादी पार्टी के सांसद भी मौजूद थे। शनिवार और रविवार को उत्तर प्रदेश के संभल और एटा में दंगों की रिहर्सल की गई। सोमवार को विपक्ष के नेताओं ने स्पीकर को गुहार लगाई कि वक्फ पर बनी जेपीसी की रिपोर्ट को सदन में न रखने दिया जाए। विपक्ष मुसलमानों को संदेश दे रहा है कि वह तो बिल रुकवाने के लिए हर संभव कोशिश कर रहा है। अब तुम भी बाहर बैठे कुछ करो। संभल और एटा में मुसलमानों ने मस्जिद और वक्फ के नाम पर दंगा किया। इन दंगों को मुद्दा बना कर विपक्ष ने संसद नहीं चलने देने का इरादा बना लिया है, ताकि वक्फ बोर्ड बिल संसद में रखा ही न जा सके। संसद सत्र शुरू होने से एक दिन पहले उत्तर प्रदेश के संभल और एटा में मुसलमानों की भीड़ ने पुलिस और हिन्दुओं पर हमले किए। संभल में जो कुछ हुआ, उसने एक बार फिर साफ़ कर दिया है कि भारत के मुसलमानों का भारत के संविधान और न्यायपालिका में कोई भरोसा नहीं है। संसद में उनके समर्थन में हंगामा करने वाली कांग्रेस और समाजवादी पार्टी एक हाथ में संविधान लेकर खड़ी हैं तो दूसरे हाथ से संविधान को पैरों तले रौंदने वालों की पैरवी की जा रही है। एटा में मुसलमानों ने एक हिन्दू की पुश्तैनी जमीन को वक्फ की बता कर उसके घर पर हमला बोल दिया। कर्नाटक में तो ऐसे दर्जनों किस्से सामने आ चुके हैं। कांग्रेस ने मुसलमानों के हाथ में वक्फ नाम का ऐसा हथियार थमा दिया है, जिससे वे मुगलों की तरह जिस चाहे जमीन को हथियाने में लगे हुए हैं। मुगल काल में 3000 से ज्यादा मंदिर तोड़ कर मस्जिदें बनाई गई, उसी तरह वक्फ कर रहा है। कब्जाए गए मंदिर के मुद्दे पर ही संभल में ढाई हजार से ज्यादा मुसलमानों ने पुलिस पर हमला किया। हमलावर पत्थर, लाठियां और पिस्तौल ले कर पहुंचे थे। यह भीड़ इसलिए पहुंची थी, क्योंकि संभल की कोर्ट ने मस्जिद का सर्वे करने का आदेश दिया था। मुसलमानों को यह मंजूर नहीं कि उनकी मस्जिद की कोई कोर्ट पड़ताल करवाए कि वह वैध है या अवैध है। भारतीय पुरातत्व विभाग की 1875 की एक रिपोर्ट है, इस रिपोर्ट के पेज 25 और 26 पर लिखा है कि मस्जिद के अंदर और बाहर के खंभे पुराने हिन्दू मंदिर के हैं, जिसे प्लास्टर लगा कर छुपा दिया गया है। सर्वे में पाया गया था कि वे खंभे मस्जिद निर्माण काल खंड से पुराने हैं। इस रिपोर्ट में मस्जिद में मौजूद शिलालेख का जिक्र भी है, जिस में लिखा है कि हिन्दू मंदिर को तोड़ कर मस्जिद बनाने का काम 933 हिजरी में पूरा हुआ। हिन्दू मंदिर से मस्जिद बनाने काम मीर हिन्दू बेग ने पूरा करवाया। इसके अलावा बाबरनामा के पेज 687 पर लिखा है कि बाबर के दरबारी मीर हिन्दू बेग ने संभल के हिन्दू मंदिर को तोड़ कर मस्जिद बनवाई। अब इन्हीं दो दस्तावेजी सबूतों के बाद कोर्ट ने सर्वे करवाने का आदेश दिया। मुसलमानों को अपने पूर्वज मुगलों की लिखी किताबों पर भी भरोसा नहीं। उन्हें भारत के संविधान और न्यायपालिका में भी कोई भरोसा नहीं, भरोसा होता तो वे शांति से सर्वे होने देते। सर्वे करने के लिए अधिकारी जब मस्जिद पहुंचे, उससे पहले ही ढाई हजार से ज्यादा मुस्लिम इक्कठे हो चुके थे। 15-15 किलोमीटर दूर से मुस्लिम भीड़ दंगा करने के इरादे से पहुंची थी। इसके वीडियो और सीसीटीवी में सबूत मौजूद हैं कि उनके हाथों में पत्थर, लाठियां और हथियार थे। उन्होंने पहले पुलिस पर पथराव शुरू किया। कई घंटे तक चली मुठभेड़ में कई बार पुलिस को पीछे हटना पड़ा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दंगाईयों पर पहले अश्रु गैस के गोले चलवाए, फिर लाठियां चलवाईं, वे फिर भी नहीं माने तो गोली चलवा दी। जवाब में भीड़ से भी पुलिस पर फायरिंग की गई, इससे साबित होता है कि दंगाई किस इरादे से इक्कठे हुए थे, वे क़ानून को अपना काम करने देना नहीं चाहते थे। क्योंकि, उन्हें पता है कि मस्जिद तो मंदिर तोड़ कर ही बनाई गई है। लेकिन, अखिलेश यादव और उनके सांसदों ने संसद के दोनों सदनों में इस मुद्दे पर हंगामा करके साबित कर दिया कि संभल में इकट्ठी हुई ढाई हजार मुस्लिम भीड़ के पीछे राजनीतिक हाथ था। अखिलेश यादव ने उल्टे पुलिस प्रशासन को दोषी ठहराया है तो क्या वह यह चाहते थे कि पुलिस पर पथराव करने वाली भीड़ का मुकाबला करके उसे खदेड़ने की बजाए भाग जाती। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सत्र शुरू होने से पहले ही तेवर दिखा दिए थे कि विपक्ष सबक नहीं सीख रहा, लेकिन जनता उन्हें बार-बार सबक सीखा रही है कि वह बाज आ जाए। समझने वाले को इशारा काफी है कि महाराष्ट्र के चुनाव नतीजों ने मोदी और योगी के हौसले बुलंद कर दिए है। वे हर सिर उठाने वाले का सिर कुचलने के मूड में आ गए हैं।

गैरकानूनी सामान धड़ल्ले से अमेरिका में लाया जा रहा

ट्रंप के आते ही चीन , कनाडा और मैक्सिको के आएंगे बुरे दिन

- कनाडा से आने वाले सामानों पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगाने वाले हैं
- मेक्सिको और कनाडा की सीमा से अमेरिका में दाखिल हो रहे

एजेंसी, वाशिंगटन

अमेरिका के नव-निर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि वह मैक्सिको और कनाडा से आनेवाले सामानों पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगाने वाले हैं। इसके साथ ही उन्होंने चीन से आयात पर 10 प्रतिशत टैरिफ लगाने की भी बात कही है। अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर कई पोस्ट करते हुए ट्रंप ने अमेरिका के बड़े व्यापारिक साझेदारों पर देश में प्रवेश करने वाले सभी सामानों पर व्यापक टैरिफ लगाने की कसम खाई है। उन्होंने पोस्ट में लिखा, 20 जनवरी को मैं मेक्सिको और कनाडा से संयुक्त राज्य अमेरिका और उसकी हास्यास्पद खुली सीमाओं में आने वाले सभी उत्पादों पर 25% टैरिफ लगाने के लिए सभी आवश्यक दस्तावेजों पर हस्ताक्षर करूंगा। उन्होंने कहा कि हजारों की संख्या में लोग मेक्सिको और कनाडा की सीमा से अमेरिका में दाखिल हो रहे हैं। अमेरिका में इस समय क्राइम का स्तर बहुत अधिक है। इस समय भी मेक्सिको से बड़े पैमाने पर अवैध प्रवासी अमेरिका में दाखिल हो रहे हैं। 20 जनवरी को मेरे पहले आदेशों में एक आदेश ये भी होगा कि मैं मेक्सिको और कनाडा से अमेरिका में आयात हो रहे सभी उत्पादों पर 25 फीसदी का शुल्क लगाऊंगा। यह फैसला ऐसे समय पर लागू किया जाएगा, जब ड्रग्स विशेष रूप से फेंटानिल और सभी गैरकानूनी सामान धड़ल्ले से अमेरिका में लाया जा रहा है। टैरिफ डोनाल्ड ट्रंप के आर्थिक एजेंडे का एक महत्वपूर्ण हिस्सा हैं, रिपब्लिकन पार्टी के नव-निर्वाचित राष्ट्रपति ने 5 नवम्बर की अपनी जीत से पहले चुनाव प्रचार के दौरान सहयोगियों और विरोधियों पर समान रूप से व्यापक शुल्क लगाने की कसम खाई थी।

संपादकीय

कौन बनेगा मुख्यमंत्री?

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में भाजपा ने अब तक की सबसे बड़ी जीत तो हासिल कर ली है, लेकिन सवाल है कि मुख्यमंत्री कौन बनेगा? देवेंद्र फड़नवीस या एकनाथ शिंदे? दावा तो देवेंद्र फड़नवीस का बनता है, क्योंकि भाजपा ने कुल 288 सीटों में से अकेले 132 सीटें जीतीं। शिवसेना (एकनाथ शिंदे) गुट ने 57 सीटें तो 41 सीटें एनसीपी (अजित पवार गुट) ने जीती हैं। सवाल ये है कि फड़नवीस को मुख्यमंत्री बनाया जाना एकनाथ शिंदे को मंजूर होगा? देवेंद्र फडणवीस मुख्यमंत्री बनते हैं, तो फिर शिंदे क्या करेंगे? क्या उन्हें केंद्र में जिम्मेदारी दी जाएगी? शिंदे उपमुख्यमंत्री पद पर राजी हो जाएंगे, ऐसा लगता नहीं हैं। हां, अजित पवार हमेशा की तरह उपमुख्यमंत्री बने रह सकते हैं। अगर दो दिन बाद भी मुख्यमंत्री का फैसला नहीं हो पाया है, तो इसका मतलब यह है कि पेंच कहीं फंसा हुआ है। एक पेंच यह भी है कि 26 नवंबर यानी आज महाराष्ट्र विधानसभा का कार्यकाल खत्म हो रहा है। इससे पहले सरकार बनानी जरूरी है। ऐसा न होने पर राष्ट्रपति शासन लगाना पड़ेगा। हो सकता है रात किसी वक्त मुख्यमंत्री के नाम का ऐलान हो जाए, क्योंकि भाजपा नहीं चाहेगी कि जनता में कोई गलत संदेश जाए। शिवसेना (एकनाथ शिंदे गुट) के सांसद नरेश म्हस्के ने कहा है कि एकनाथ शिंदे को मुख्यमंत्री बने रहना चाहिए, क्योंकि लाडली बहिण योजना का आइडिया उनका ही था। इसका महायुति को बहुत फायदा हुआ है। शिंदे गुट के नेता बिहार पैटर्न पर मुख्यमंत्री बनाए जाने की बात कर रहे हैं। बिहार में जेडीयू की भाजपा से कम सीटें, लेकिन नीतीश कुमार मुख्यमंत्री हैं। क्या देवेंद्र फड़नवीस को बिहार पैटर्न मंजूर होगा। यह भी तय है कि मुख्यमंत्री का फैसला दिल्ली से होगा। भाजपा हाईकमान जिस नाम का ऐलान करेगा, उसे मानना सभी की मजबूरी होगा। भाजपा हाईकमान का फैसला अंतिम होता है, वहां किंतु-परंतु की कोई गुंजाइश नहीं होती है। हालांकि नंबर के हिसाब से देवेंद्र फडणवीस आश्वस्त हो सकते हैं कि वही मुख्यमंत्री बनेंगे। एक तर्क दिया जा रहा है कि अगर देवेंद्र फडणवीस मुख्यमंत्री रह कर उपमुख्यमंत्री बन सकते हैं, जो शिंदे को क्यों आपत्ति होनी चाहिए? फिलहाल गेंद भाजपा हाईकमान के पाले में है। देखना यह है कि वह क्या फैसला लेता है। इतना जरूर कहा जा सकता है कि अजित पवार को उपमुख्यमंत्री पद से गुजारा करना होगा। उनके भाग्य में मुख्यमंत्री पद नहीं दिखता।

तर्क दिया जा रहा है कि अगर फडणवीस मुख्यमंत्री रह कर उपमुख्यमंत्री बन सकते हैं, जो शिंदे को क्यों आपत्ति होनी चाहिए? गेंद भाजपा हाईकमान के पाले में है।

पाठकवाणी

महाराष्ट्र में बड़ी जीत

महाराष्ट्र में इतनी बड़ी जीत की उम्मीद शायद भाजपा समेत महायुति के समर्थकों को भी नहीं होगी। महाराष्ट्र में 10 से अधिक पार्टीज ने मिलकर दो गठबंधन बनाए थे। जिसमें महायुति आशा से अधिक सीटें प्राप्त करके महाराष्ट्र ही नहीं, पूरे देश को हैरान किया है। महाराष्ट्र चुनाव के प्रभाव दुरगामी में सिद्ध होंगे। इन चुनाव परिणाम से यह भी सिद्ध हुआ कि यदि एक दल वोट जेहाद के लिए किसी जाति विशेष को एकजुट करता है तो दूसरे दल के लिए ध्रुवीकरण अपने आप हो जाता है। सोशल मीडिया के चलते जनता को ज्ञात होता रहा कि कौनसा दल सत्ता की लालसा में कितना रसातल तक जा सकता है। फिर हारने के बाद विपक्षी दल द्वारा ईवीएम चुनाव आयोग से लेकर हर एजेंसी को कोसा गया यहां तक की महाराष्ट्र में ईवीएम खराब और झारखंड में ईवीएम अच्छी जैसी बचकाना बातें कही गईं। जो ईवीएम महाराष्ट्र में खराब है, वह झारखंड में कैसे सही हो गई? टेस्ला के मालि जबकि एलन मस्क कह रहे हैं कि 8 घंटे में 65 करोड़ वोटों की गणना कर लेना अद्भुत है और अमेरिका इस मामले में बहुत पिछड़ा हुआ है। कुल मिलाकर महाराष्ट्र की जीत ने कई नेताओं के मुगालते दूर किए हैं। तो एनडीए को नई एनर्जी दी है। इस जीत मैं आरएसएस की जबरदस्त भूमिका को भी श्रेय देना ही होगा। उसने अच्छा काम किया।

–**सुभाष बुड़ावन वाला**, रतलाम, एमपी

कुछ खास

बिना ट्रायल उमर खालिद को चार साल से जेल में रखा हुआ है। अब आज अगर आप आंदोलन करते हैं, तो आपको जेल में डाल दिया जाता है! आज जेल जाने का मतलब है, आपके करियर, आपके उद्देश्य, आपके लक्ष्य, आपके जज्बात को तोड़ना और आपको पूरी तरह खत्म करना।

–**हेमंत सोरेन**, झारखंड के मुख्यमंत्री

आज का ट्वीट

''गौतम अडानी का नाम लेते ही संसद की कार्यवाही रिकॉर्ड में जाना बंद हो गई। संसद स्थगित कर दी गई। मोदी अडानी एक हैं, तो अडानी जी सेफ हैं।''

–**कृष्ण कांत**

हमने इस तरह पाया संविधान

संविधान दिवस

शाहीन सबा

संविधान निर्माण के बाद कैलीग्राफर प्रेम बिहारी नारायण रायजादा ने अपने हाथ से लिखकर उसकी मूल (अंग्रेजी) प्रति तैयार की। इस काम में उन्होंने 6 महीने लगाए, 432 निबें घिसाईं और सैकड़ों बोतलें स्याही खपा डालीं। संविधान का मसौदा बनाने में दो साल, ग्यारह महीने और सत्रह दिन लगे। संविधान सभा के 165 दिनों के ग्यारह सत्र आयोजित किए गए थे।

'हम भारत के लोग' बेहद दर्पपूर्वक कहते हैं कि हमारा संविधान आकार में दुनिया का सबसे बड़ा लिखित संविधान है। मूल रूप से अंग्रेजी में लिखे गए इस संविधान में 117369 शब्द, 25 भाग, 395 अनुच्छेद और 12 अनुसूचियां हैं, जबकि अब तक 106 संशोधन किए जा चुके हैं। लेकिन हममें से कम ही लोग जानते हैं कि इसके निर्माण की राह कितनी ऊबड़-खाबड़ राहों से गुजरी है और इसके निर्माताओं ने कितने कांटे बुहारकर हमें इससे उपकृत किया है। इसे जानने चलें तो हम पाते हैं कि 1946 में आजादी की आहट सूंघ रहे अविभाजित देश में छः दिसम्बर को गठित संविधान सभा ने अपना काम शुरू ही किया था कि बंटवारे का कहर टूट पड़ा और वह भी विभाजित होने को अभिशप्त हो गई। 1946 में गठन के वक्त उसके कुल 389 सदस्यों में 15 महिलाएं थीं यानी उनका प्रतिनिधित्व चार प्रतिशत से भी कम था। विभाजन के बाद कुल सदस्यों की संख्या घटकर 299 हो गई जबकि महिलाओं की बारह। इनमें 229 सदस्य निर्वाचित होकर आये थे, जबकि 70 को मनोनीत किया गया था।

हां, इस सभा में देशी रियासतों तक के प्रतिनिधि शामिल थे, लेकिन स्वतंत्रता संघर्ष के महानायक महात्मा गांधी ने नैतिक कारणों से उसमें रहने से इन्कार कर दिया था। कहते हैं कि कांग्रेस के प्राबल्य के बावजूद सभा के सदस्यों में वैचारिक एकता या तालमेल के अभाव ने भी महात्मा को उससे दूर रहने के लिए प्रेरित किया था। अलबत्ता, उन्होंने संविधान निर्माण की शुभकामनाएं देने से गुरेज नहीं किया था।

THE CONSTITUTION OF
INDIA
PREAMBLE

एक और विडम्बना यह कि विभाजन के बाद बाबासाहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर भी भारतीय संविधान सभा में नहीं रह गये थे। कारण यह कि पूर्वी बंगाल का वह क्षेत्र, जिसके वोटों से वे अविभाजित भारत की संविधान सभा के लिए चुने गये थे, विभाजन के बाद पूर्वी पाकिस्तान में चला गया और वे भारतीय संविधान सभा के नहीं, पाकिस्तान की संविधान सभा के सदस्य हो गए। यह और बात है कि उन्होंने इस स्थिति को स्वीकार नहीं किया और बाद में कांग्रेस के एक सदस्य के इस्तीफे से रिक्त सीट का उपचुनाव जीतकर भारतीय संविधान सभा की सदस्यता पा ली। अनंतर, वे इस सभा की प्रारूप समिति के अध्यक्ष बने और संविधान के निर्माता कहलाए। दिलचस्प यह कि अविभाजित भारत में संविधान सभा के गठन के तीन दिन बाद नौ दिसम्बर को जिस संविधान हाल में उसकी पहली बैठक हुई, उसे बाद में संसद भवन के सेंट्रल हॉल के नाम से जाना जाने लगा। तब उस बैठक के लिए उसकी भव्यतम सजावट की गई थी। विभाजन के बाद सभा की बैठकों में जहां प्रस्तावित गणराज्य के स्वरूप, नागरिकों के मौलिक अधिकारों, राजभाषा और राष्ट्रध्वज समेत अनेक विषयों पर गर्मागर्म विचारोत्तेजक बहसें हुईं।

बारह महिला सदस्यों ने संख्या में बेहद मामूली होने के बावजूद सभा की कार्रवाई में समय-समय पर कई महत्वपूर्ण हस्तक्षेप किये, लेकिन अपने समुदाय यानी महिलाओं के लिए किसी भी तरह के आरक्षण की मांग नहीं की। दक्षायनी वेलायुधन ने तो अनुसूचित जातियों के लिए पृथक निर्वाचन क्षेत्रों के मुद्दे पर चली बहस में यह कहकर हैरान कर दिया कि वे किसी भी स्थान पर किसी भी तरह के आरक्षण के पक्ष में नहीं हैं। उनका कहना था कि दुर्भाग्यवश हमें आरक्षण की व्यवस्था स्वीकार करनी पड़ रही है, क्योंकि ब्रिटिश साम्राज्यवाद हमारे ऊपर कुछ ऐसे निशान छोड़ गया है कि हम हमेशा एक दूसरे से डरे रहते हैं। ऐसे में हम पृथक निर्वाचन क्षेत्रों को खत्म नहीं कर सकते और हमें इसको सहना होगा क्योंकि यह एक अनिवार्य बुराई है। अनंतर, वे बाबासाहेब के साथ मिलकर कई बहसों में जाति से जुड़े कई मुद्दों को प्रकाश में ले आईं। उनके विपरीत संयुक्त प्रांत (अब उत्तर प्रदेश) से आई सभा की एकमात्र मुस्लिम महिला सदस्य बेगम एजाज रसूल (मुस्लिम लीग) ने देश की राष्ट्रभाषा, राष्ट्रमंडल का हिस्सा रहने या न रहने, आरक्षण, संपत्ति के अधिकार और अल्पसंख्यक अधिकारों पर बहसों में हस्तक्षेप किया।

प्रसंगवश, सभा में बिहार से चुनकर सभा में आई मशहूर कवयित्री सरोजिनी नायडू की कवि प्रतिभा का कोई सानी नहीं था। उनकी हाजिर-जवाबी का भी नहीं। बापू उन्हें ऐसे ही 'भारतकोकिला' थोड़े कहते थे। कहते हैं कि वे जब भी सभा को सम्बोधित करतीं, उसके सदस्यों को, कहना चाहिए, सम्पूर्ण सदन को मंत्रमुग्ध कर-के रख देती थीं। संभवतः इसी कारण डॉ. राजेन्द्र प्रसाद के सभा के स्थायी अध्यक्ष चुने जाते वक्त उसके अस्थायी (पीठासीन) अध्यक्ष डॉ. सच्चिदानन्द सिन्हा ने सरोजिनी को 'बुलबुल-ए-हिन्द/द नाइटिंगेल आफ इंडिया' कहकर बोलने के लिए आमंत्रित किया तो चुहल के इरादे से यह 'अनुरोध' भी कर डाला कि 'वे हमें गद्य में नहीं, पद्य यानी कविता में संबोधित करें'। लेकिन सरोजिनी बोलने खड़ी हुईं तो उनके नहले पर दहला जड़ दिया। पहले तो हंसते हुए उनके अनुरोध को असंवैधानिक करार दे डाला, फिर उनका मान रखते हुए अपनी कोई कविता सुनाने के बजाय 'एक कश्मीरी कवि' (पंडित ब्रजनारायण चकबस्त, जो कश्मीरी मूल के भले ही थे, उत्तर प्रदेश के फैजाबाद शहर में पैदा हुए थे।) की लोकप्रिय खाक-ए-हिंद शीर्षक रचना की ये पंक्तियां सुनाईं: बुलबुल को गुल मुबारक, गुल को चमन मुबारक, रंगीं तबीअतों को रंगेसुखन मुबारक। फिर क्या था, उन्होंने महफिल इस कदर लूट ली कि किसी को कतई पता नहीं चला कि उक्त पंक्तियां सुनाते वक्त उनकी याद्दाश्त उन्हें दगा दे गई है, जिसके चलते उन्होंने उनका क्रम उलट-पलट डाला है। मूल रचना में वे इस क्रम में हैं: शैदां-ए-बोस्तां को सर्व-ओ-समन मुबारक। रंगीं तबीअतों को रंग-ए-सुखन मुबारक। लेकिन संविधान सभा के सबसे अलबेले सदस्य सच पूछिए तो संयुक्त प्रांत (अब उत्तर प्रदेश) से चुनकर आए लोकमान्य बालगंगाधर तिलक के दीवाने शायर हसरत मोहानी थे। पहले तो उन्होंने संविधान सभा में अपनी तीन साल की सेवाओं के बदले कोई मेहनताना लेने से साफ इन्कार कर दिया, यह कहकर कि उन्होंने जो कुछ भी किया, उसे मुल्क की खिदमत मानते हैं इसलिए उसकी एवज में कोई अपेक्षा नहीं रखते और अपनी 'गरीबी में खुश' हैं। फिर नेहरू के बहुत आग्रह करने लिया भी तो सिर्फ एक रुपया। ऐसा करने वाले वे सभा के इकलौते सदस्य थे।

संविधान निर्माण के बाद अपने वक्त के मशहूर कैलीग्राफर प्रेम बिहारी नारायण रायजादा ने अपने हाथ से लिखकर उसकी मूल (अंग्रेजी) प्रति तैयार की। इस काम में उन्होंने 6 महीने लगाए, 432 निबें घिसाईं और सैकड़ों बोतल स्याही खपा डाली। लेकिन मोहानी की तरह उन्होंने भी इसकी फीस नहीं ली। बस, इतना चाहा कि उनकी लिखी प्रति के हर पेज पर उनका और अंतिम पेज पर उनके गुरु व दादा मास्टर राम प्रसाद सक्सेना का नाम रहे। उनकी इस इच्छा का सम्मान किया गया। यहां यह जानना भी दिलचस्प है कि संविधान का मसौदा बनाने में कुल मिलाकर दो साल, ग्यारह महीने और सत्रह दिन लगे थे और इस दौरान संविधान सभा के कुल मिलाकर 165 दिनों के ग्यारह सत्र आयोजित किए गए थे।

साइबरवर्ल्ड

नए कलेवर में पुरानी कहानी

महाराष्ट्र और झारखंड के चुनाव के नतीजे शनिवार को आ गए। हरियाणा और जम्मू-कश्मीर की तरह इस बार भी मुकाबला एक-एक की बराबरी पर छूटा, यानी झारखंड में झामुमो और कांग्रेस गठबंधन को जीत मिली और महाराष्ट्र में महायुति को, जिसमें भाजपा, शिवसेना शिंदे गुट और अजित पवार की एनसीपी शामिल है। भाजपा समर्थक इस जीत से बेहद गदगद हैं और फिर से पूरे देश में यह विचार फैलाया जा रहा है कि मोदी है तो मुमकिन है। हालांकि महाराष्ट्र की इस जीत को मुमकिन करने में सर्वोच्च न्यायालय से लेकर निर्वाचन आयोग जैसी संस्थाओं ने कितना योगदान दिया है, इसका विश्लेषण भी किया जाना चाहिए। जब भाजपा ने महाराष्ट्र में ऑपरेशन लोटस चलाकर शिवसेना और उसके बाद एनसीपी को तोड़ा, विधायकों को न जाने कौन से चमत्कारी तरीके से अपने साथ किया और फिर सरकार बनाई, तब उस सरकार को, राज्यपाल के फैसले को शीर्ष अदालत ने गलत बताया, लेकिन कमाल देखिए कि एक अवैध सरकार को कार्यकाल पूरा किए जाने का मौका दिया। निर्वाचन आयोग ने झारखंड के चुनाव तो समय से पहले कराए, लेकिन महाराष्ट्र के चुनाव हरियाणा के साथ न करवा कर जानबूझ कर उसे टाला, त्योहार आने का वास्ता दिया गया। इन सारे अजीब लगने वाले फैसलों के पीछे क्या भाजपा के लिए पक्षपात किए जाने की बू नहीं आती ! महाराष्ट्र में उसे बड़ी जीत हासिल हुई है और झारखंड में अपनी ईमानदारी दिखाने के लिए जनादेश से खिलवाड़ नहीं किया गया और फिर से झामुमो-कांग्रेस की सरकार बनने का रास्ता तैयार हो गया। झारखंड में निर्वाचन आयोग की निष्पक्षता और पारदर्शिता का मुगालता बने रहने दिया। लेकिन महाराष्ट्र में ये जोखिम भाजपा नहीं उठा सकती थी, क्योंकि यहां की धारावी परियोजना में अडानी समूह के अरबों रुपए लगे हैं। हालांकि धारावी क्षेत्र में कांग्रेस को जीत मिली है। महाराष्ट्र में शरद पवार और उद्धव ठाकरे को भी भाजपा खत्म करना चाहती है, ताकि उसके सामने चुनौती देने वाले नेता न रहें। ये सारे काम तभी संभव थे, जब महाराष्ट्र में भाजपा जीतती।

–**पलाश सुरजन** की फेसबुक वॉल से

अमृतवाणी

गुणों की मोहर

एक स्वामी जी सत्संग के लिए पधारे। लोगों ने प्रवचन देने का आग्रह किया तो स्वामीजी ने कहा कि मैं क्या बोलूं, आप सब जानते हैं। जो अच्छा है उसे करो और जो बुरा है उसे मत करो, उसे त्याग दो। लोगों में से एक स्वर उभरा, स्वामीजी, हम सब बहुत अच्छे बनना चाहते हैं और इसके लिए यथासंभव प्रयास भी करते हैं लेकिन फिर भी हम सबसे अच्छे तो दूर अच्छे भी क्यों नहीं बन पाते? स्वामीजी ने कहा कि हम अपने ऊपर जैसी मोहर लगाते हैं, वैसा ही तो बनेंगे। लोग उनकी बात का मतलब नहीं समझ सकें। लोगों ने प्रार्थना की कि स्वामीजी अपनी बात को किसी उदाहरण से स्पष्ट करें, जिससे हमें बात समझ में आ जाए। ऐसा सुनकर स्वामी जी ने जेब से तीन नोट निकाले और पूछा कि ये कितने-कितने के नोट हैं? एक नोट दस रुपये का था, दूसरा सौ रुपये का और तीसरा हजार का। इसके बाद स्वामीजी ने पूछा कि इनमें क्या अंतर है? लोग चुप रहे और स्वामी जी की ओर देखते रहे। स्वामीजी ने समझाया, ये तीनों नोट एक जैसे कागज पर छपे हैं। कागज के पहले टुकड़े से दस रुपये की चीज खरीदी जा सकती है तो दूसरे से सौ रुपये की और तीसरे से हजार की। ये कागज पर लगी मोहर या छाप द्वारा निर्धारित हुआ है। हमारा जीवन भी एक कोरे कागज की तरह ही है। हम चाहें तो उस पर दस रुपये के बराबर छोटी-मोटी विशेषता या गुण की मोहर लगा सकते हैं और चाहें तो हजार रुपये या उससे भी अधिक की कीमत के गुणों की मोहर लगा सकते हैं। जैसी छाप या सोच वैसा जीवन। इस संसार रूपी छापे खाने में मन रूपी कागज पर केवल सात्विक व जीवनोपयोगी उच्च विचारों की मोहर लगाकर ही जीवन को हर प्रकार की उत्कृष्टता प्रदान की जा सकती है।

तीखी नजर

नारों का खेल और राजनीति

दिनेश विजयवर्गीय

साहित्य की तरह राजनीतिक उठा पटक में रस रसीला स्वाद लेने वाले युवा मित्र मुंशी आज एक साहित्यिक समारोह में मिल गए। सुबह का का नाश्ता चल रहा था। वह मेरा और अपना नाश्ता, सर्दी की रेशम धूप में ले आया। हम कुर्सी में बैठकर पोहा और जलेबी के स्वाद का आनंद लेने लगे। वह जलेबी मुंह में रखता हुआ बोला, अभी हाल ही में हुए चुनाव में पिछले वर्ष हुए चुनाव का माहौल बदल दिया। सत्ता पक्ष वालों ने सब जगह मैदान मार लिया। बल्ले बल्ले हो गई उनकी। पहले से ज्यादा सीटें लेकर आई है। विपक्ष का तो सूपड़ा ही साफ कर दिया। मैंने उत्सुकता वश पूछा, यह सब एकाएक है कैसे हो गया? वह बोला, काठ की हांडी एक बार ही चढ़ती है, बार-बार नहीं चढ़ती। उनके संविधान बचाने वाले नारे अपनी मारक क्षमता खो चुके। अब नए नारों ने कान में सुरसुरी छोड़ दी। लोगों के यही नारे अचेतन मन को सहलाते हुए कुछ चेतन मन में प्रवेश कर गए, इसका नेताओं को पता ही नहीं चला।

लोकतंत्र के चुनावी माहौल में मुफ्त की रेवड़ी जैसे अपना प्रभाव दिखाती है, वैसे ही प्रभावी एवं नयापन लिए हुए नारे भी अपना सतरंगी रूप दिखाने लगते हैं। नारों के बलबूते सत्ता का सिंहासन डोलने ही नहीं लगता, बल्कि समय आने पर पलट भी जाता है। कभी गरीबी हटाओ का नारा जन मानस में अच्छे से छा गया। संविधान बचाओ ने भी अपने थोड़े हाथ पैर चलाए और सहज ही सफलता दिला गया। उसने भी बहुत कुछ रंग जमाया। नारों की इन्हीं मारक क्षमताओं के बीच एक नया नारा आया। बंटेगे तो कटेंगे। इस नारे ने जैसे लोगों के मन में घर बना लिया। यह नारा मिसाइल की तरह अपने लक्ष्य पाने में बहुत कुछ प्रभावी है। पर कई जगह इस नारे की कड़वाहट को दूर करने के लिए इस पर मीठी चाशनी चढ़ा कर इसे परिष्कृत रूप से प्रस्तुत किया। अब इसका नया रूप हो गया एक रहोगे तो सब सेफ रहोगे। कुछ भी सोचें पर इन नारों ने अपना उद्देश्य प्राप्त करने में बड़ा योगदान दिया। अब आगे ऐसे ही नारों की डिमांड रहने वाली है।

मैंने कहा, यदि नारों में ही राजनीति में खेला करने की क्षमता है तो फिर तुम भी जन मन को प्रभावित करने वाले कुछ नारे बना डालो। अखबार रोज पढ़ते हो, जनता क्या कुछ चाहती है, यह तो पता लग ही जाएगा। बस उसी के आधार पर अपनी राजनीतिक साहित्यिक रुचि अनुसार नारे बनाओ। नारे सही और सामायिक प्रभावी बनने लगे तो राजनेता आपके पास आकर और भी ऐसे तो

नारों के लिए कहने लगेंगे। भविष्य में भी नारों की नाव से ही चुनावी वैतरणी पार होने की संभावना बनी रहेगी। सभी राजनीतिक दल तुम्हारे पास नारे लिखवान आएंगे। पैसा मिलेगा और नाम भी। मुंशी मेरी बात से चुनाव में नारों की सवारी के महत्व पर आश्वस्त होता हुआ गरमा गरम चाय लेने चला गया। वह जल्दी चाय लेकर लौट आया। हम ऐसे ही गपशप करते चाय पूरी कर, समारोह के हॉल की ओर बढ़ गए।

नजरिया

विध्वंस को महिमामंडित करना शर्मनाक

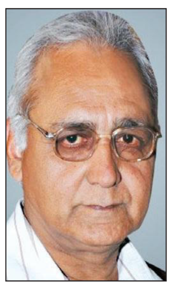

तनवीर जाफरी

भारतीय लेखकों सहित विश्व के सौ से अधिक उपन्यासकारों, लेखकों, कवियों, अनुवादकों और प्रकाशकों ने साहित्यिक पुरस्कार की आयोजक कंपनी जेसीबी को खुला पत्र लिखकर यह कहा है कि 'जेसीबी साहित्य पुरस्कार' कोई पुरस्कार नहीं, बल्कि पाखंड है

साहित्य, मानवीय अभिव्यक्ति का एक ऐसा रूप है जो 'संस्कृति' का प्रसार करता है। साहित्य को समाज का दर्पण भी कहा जाता है। साहित्यकार अपनी रचनाओं में समाज के विभिन्न पहलुओं को दशार्ते हैं। साहित्य, जीवन के प्रचलन के अनुसार गतिशील रहता है। गैर-काल्पनिक गद्य, काल्पनिक गद्य, कविता, नाटक, और लोक कथाएं आदि साहित्य के प्रमुख रूप हैं। साहित्यिक भाषा, किसी भाषा का वह रूप है जिसका उपयोग औपचारिक, अकादमिक, या विशेष रूप से विनम्र लहजे में लिखते समय किया जाता है। साहित्य समाज के मर्म का भी दर्पण है। यह साहित्य ही है जिसके द्वारा शब्दों के माध्यम से बड़े ही प्रभावी तरीके से अपनी बात कही और दूसरों तक पहुंचाई जाती है। हमारे देश में हिंदी व उर्दू साहित्य का एक सबसे प्रभावी नाम था मुंशी प्रेमचंद। उनके उपन्यासों व कहानियों में प्रायः गरीबी,सामाजिक अन्याय, सामाजिक व साम्प्रदायिक सद्भाव सहित तमाम मानवीय पहलुओं का जिक्र हुआ करता था। इसी तरह प्रेमचंद के समकक्ष अंग्रेजी साहित्य में भी ऐसे अनेक साहित्यकार हुए हैं, जिन्होंने सामाजिक मुद्दों और यथार्थवाद को इसी तरह संबोधित किया। इनमें चार्ल्स डिकेंस को जहां गरीबों के संघर्षों के चित्रण और सामाजिक अन्याय की आलोचना के लिए जाना जाता है वहीँ विशेष रूप से ओलिवर ट्विस्ट और डेविड कॉपर फील्ड जैसी रचनाओं के लिये भी वे प्रसिद्ध हैं। इसी तरह मार्क ट्वेन के आख्यानों में अक्सर जाति और वर्ग के विषयों पर प्रकाश डाला जाता था, जैसा कि द एडवेंचर्स ऑफ हकलबेरी फिन में देखा गया है। वहीं टोनी मॉरिसन जोकि बेलव्ड जैसे उपन्यासों में अफ़्रीकी अमेरिकी अनुभवों और सामाजिक मुद्दों की उनकी खोज प्रेमचंद के हाशिए पर पड़े समुदायों पर ध्यान केंद्रित करने के साथ प्रतिध्वनित होती है। प्रेमचंद की ही तरह इन लेखकों ने भी अपने आख्यानों का उपयोग सामाजिक मानदंडों और अन्याय की आलोचना करने के लिए किया।

हमारा देश गांधी के सत्य अहिंसा के सिद्धांतों पर चलने वाले देश के रूप में विश्व प्रसिद्ध है। इसलिये यहाँ हिंसा,विध्वंस,नफरत,विद्वेष,साम्प्रदायिकता तबाही बर्बादी जैसे अमानवीय पहलुओं की कोई गुंजाइश नहीं होनी चाहिए। परन्तु ब्रिटिश कंपनी जे सी बैमफोर्ड एक्सकेवेटर लिमिटेड (जेसीबी) की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी जेसीबी (इंडिया) जो ब्रिटिश कंजर्वेटिव पार्टी के सबसे प्रभावशाली दान दाताओं में से एक रही है, इसी जेसीबी कंपनी ने लेखकों के लिए एक साहित्य पुरस्कार की स्थापना की है। गौर तलब है कि यही जे सी बी कंपनी है जो इस्राइली रक्षा मंत्रालय के साथ एक अनुबंध के तहत फिलिस्तीन में मकानों को ध्वस्त करने और अवैध इस्राइली बस्तियों के विस्तार के लिए जेसीबी बुलडोजर मुहैय्या करा रही है। इसी जेसीबी के बुलडोजर गजा में तबाही मचाए हुए हैं। भारत में भी सुप्रीम कोर्ट के दखल के बाद भले ही जेसीबी के बुलडोजरों द्वारा ढहाए जाने वाले भवनों की संख्या में अब विराम लग गया हो। परंतु गत एक दशक से देश के खासकर भारतीय जनता पार्टी शासित अनेक राज्यों में सत्ता शक्ति का दुरूपयोग करते हुए धर्म व जाति-विशेष के लोगों को निशाना बनाया गया और शासन द्वारा अदालत की शक्तियों को अपनी हाथों में लेने की कोशिश की गई, जिसने पूरे विश्व में मानवीय संवेदनाओं को झकझोर कर रख दिया। इससे भी शर्मनाक बात यह है कि इसी विध्वंसकारी मशीन का भारत से लेकर अमेरिका तक इन्हीं दक्षिणपंथियों द्वारा महिमामंडन किया गया। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर इस मशीन का विदेशों में प्रदर्शन किया गया। और हद तो तब हो गई, जब गांधी के राज्य गुजरात में अप्रैल 2022 में तत्कालीन ब्रिटिश प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन ब्रिटिश जेसीबी कंपनी का दौरा करते हैं और साथ ही बुलडोजर पर खड़े होकर फोटो कराते हैं। साथ ही अपने इसी दौरे में वे गांधी जी के आश्रम में जाकर उनका चरखा भी चलाते हैं। सवाल यह है कि जो जेसीबी कंपनी भारतीय लेखकों की विविधता का जश्न मनाते हुए साहित्यिक पुरस्कार देने के घोषणा कर रही हो, उसी कंपनी द्वारा ऐसी विध्वंसकारी मशीन का निर्माण व जनसंहारक उपयोग किया जाना, जिससे कि वह दंड के रूप में लाखों लोगों के जीवन,उनके घरों व आजीविका को नष्ट करने में भागीदार हो, ऐसे दोहरेपन में आखिर 'साहित्यिक पुरस्कार' की क्या गुंजाइश?

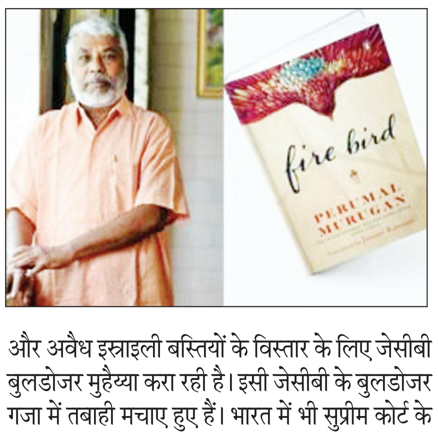

यही वजह है कि भारतीय लेखकों सहित विश्व के सौ से अधिक उपन्यासकारों, लेखकों, कवियों, अनुवादकों और प्रकाशकों ने ब्रिटिश बुल्डोजर निर्माता और एक साहित्यिक पुरस्कार की आयोजक कंपनी जेसीबी की आलोचना करते हुए एक खुला पत्र लिखकर साफ शब्दों में यह कहा है कि 'जेसीबी साहित्य पुरस्कार' कोई पुरस्कार नहीं बल्कि यह इस कंपनी का एक पाखंड है क्योंकि 'जेसीबी साहित्य पुरस्कार' की घोषणा करने वाली यही कंपनी भारत और फिलस्तीन में गरीबों तथा हाशिये पर पड़े गरीब लोगों की जिंदिगी 'उजाड़' रही है और जो दंड के रूप में इतने सारे लोगों के जीवन और आजीविका को नष्ट करने में भागीदार है। 'लेखकों ने पत्र में यह भी लिखा है कि भारतीय जनता पार्टी की सरकार ने विभिन्न राज्यों में मुसलमानों के घरों, दुकानों और उपासना स्थलों को ध्वस्त करने के लिए 'व्यवस्थित अभियान' में लगातार जेसीबी बुलडोजर का इस्तेमाल किया है और इस परियोजना को 'बुलडोजर न्याय' का नाम दिया गया है, जो बेहद परेशान करने वाला है। मानवीय संवेदनाओं का सम्मान करने वाले लेखकों के लिये यह महत्वपूर्ण व जरूरी है कि वे मानवाधिकारों के इस घोर उल्लंघन के खिलाफ आवाज उठाएं, क्योंकि 'विध्वंस' को महिमामंडित करना शर्मनाक है।

डब्ल्यूटीसी तालिका में शीर्ष पर पहुंची टीम इंडिया

भारत ने पहले टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया को 295 रनों से हराकर पांच मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त बनाई, बुमराह बने मैन ऑफ द मैच

● पर्थ,

यशस्वी जयसवाल और विराट कोहली की शतकीय पारियों और जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज की शानदार गेंदबाजी के दम पर भारत पहले टेस्ट मैच में ऑस्ट्रेलिया पर 295 रनों जीत दर्ज कर आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) अंक तालिका में शीर्ष पर पहुंच गया है। जसप्रीत बुमराह को उनके शानदार खेल के लिए 'प्लेयर ऑफ द मैच' से नवाजा गया। भारत ने चार मैचों की सीरीज में 1-0 से बढ़त बना ली है। यह ऐतिहासिक टेस्ट जीत देश के क्रिकेट इतिहास की सबसे उल्लेखनीय जीतों में से एक है। एशिया के बाहर भारत की यह दूसरी सबसे बड़ी जीत है। उसने वेस्टइंडीज को 2019 में नॉर्थ साउंड में 318 रनों से हराया था। भारत को दक्षिण अफ्रीका, इंग्लैंड, न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया में अब तक की सबसे बड़ी जीत मिली है। पर्थ के ऑप्टस स्टेडियम में ऑस्ट्रेलिया को पहली बार किसी टीम ने हराया है। पहले टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया को हराकर भारत 61.11 अंक प्रतिशत के साथ तालिका में शीर्ष पर पहुंच गया है। वहीं ऑस्ट्रेलिया 13 मैचों में चौथी शिकस्त के साथ दूसरे पायदान पर खिसक गया। उनका अंक प्रतिशत 57.69 का हो गया। भारत को फाइनल में पहुंचने के लिए अब तीन मैचों में जीत दर्ज करनी है। 55.56 प्रतिशत अंक के साथ श्रीलंका तीसरे पायदान पर है। न्यूजीलैंड की टीम 54.55 प्रतिशत अंक के साथ चौथे स्थान पर विराजमान है। पांचवें स्थान पर दक्षिण अफ्रीका की टीम है। अफ्रीका का जीत प्रतिशत 54.17 है। इंग्लैंड की टीम 40.79 प्रतिशत जीत के साथ छठे स्थान पर है। ऑस्ट्रेलिया ने सुबह रविवार के 12 रन पर तीन विकेट से आगे खेलना शुरु किया। सुबह के सत्र में मोहम्मद सिराज ने उस्मान ख्वाजा (04) को आउट कर ऑस्ट्रेलिया को 17 के स्कोर पर चौथा झटका दिया। इसके बाद स्टीव स्मिथ और ट्रेविस हेड ने पारी को संभालने का प्रयास किया। 25वें ओवर में सिराज ने स्टीव स्मिथ (17) को पंत के हाथों कैच आउट कराकर भारत को पांचवी सफलता दिलाई। इस समय ऐसा लगने लगा था कि ऑस्ट्रेलिया पारी जल्द ही सिमट जाएगी। बल्लेबाजी करने आये मिचेल मार्श ने ट्रेविस हेड के पारी को संभाला। दोनों बल्लेबाजों के बीच छठे विकेट के लिए 82 रनों की साझेदारी हुई। बुमराह ने ट्रेविस हेड (89) को आउट कर इस साझेदारी को तोड़ा। इसके बाद नीतीश कुमार रेड्डी ने मिचेल मार्श (47) को बोल्ड कर भारत को सातवीं सफलता दिलाई। मिचेल स्टार्क को (12) को वॉशिंगटन सुंदर ने आउट किया। नाथन लॉयन (00) को भी सुंदर ने बोल्ड आउट किया। हर्षित राणा ने एलेक्स कैरी (36) को आउट कर ऑस्ट्रेलियाई पारी का अंत कर दिया। ऑस्ट्रेलिया की पूरी टीम 58.4 ओवर में 238 पर सिमट गई और रिकॉर्ड 295 रनों से मुकाबला हार गई। भारत की ओर जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज ने तीन-तीन विकेट लिये। वॉशिंगटन सुंदर को दो विकेट मिले। हर्षित राणा ने और नीतीश कुमार ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया। इससे पहले भारत की पहली पारीः 58.3 ओवर में 150 रन पर सिमट गई थी। नीतीश रेड्डी 41, पंत 37 रनों की पारी खेली थी। तथा ऑस्ट्रेलिया की ओर से जोश हेजलवुड ने 29 रन देकर चार विकेट और मिशेल स्टार्क ने 14 रन देकर दो विकेट झटके थे। वहीं ऑस्ट्रेलिया पहली पारी 51.2 ओवर में 104 रन पर ढेर हो गई थी। मिशेल स्टार्क ने सर्वाधिक 26 रन बनाये थे। वहीं भारत की ओर से जसप्रीत बुमराह ने 30 रन देकर पांच विकेट और हर्षित राणा ने तीन विकेट लिये। भारत ने दूसरी पारी में यशस्वी जयसवाल (161) और कोहली (नाबाद 100) की शतकीय पारियों के दम पर छह विकेट पर 487 रनों पर पारी घोषित कर ऑस्ट्रेलिया को जीत के लिए 534 रनों का लक्ष्य दिया था।

DREAM11
SIRA

स्कोर बोर्ड

भारत पहली पारी : 150 रन

ऑस्ट्रेलिया पहली पारी : 104 रन

भारत दूसरी पारी : 487 रन पर पारी घोषित

ऑस्ट्रेलिया दूसरी पारी	रन	गेंद	4	6
मैकस्वीनी पगबाधा बो बुमराह	00	8	0	0
ख्वाजा का पंत बो सिराज	04	13	0	0
कमिंस का कोहली बो सिराज	02	8	0	0
लाबुशेन पगबाधा बो बुमराह	03	5	0	0
स्मिथ का पंत बो सिराज	17	60	0	0
ट्रैविस हेड का पंत बो बुमराह	89	101	8	0
मार्श बो नीतीश	47	67	3	2
एलेक्स कैरी बो हर्षित	36	58	2	0
स्टार्क का जुरेल बो सुंदर	12	35	0	0
नाथन लायन बो सुंदर	00	2	0	0
जॉश हेजलवुड नाबाद	04	10	1	0

अतिरिक्त : 24 रन

कुल 58 .4 ओवर में 238 रन पर ऑलआउट

विकेट पतन: 1-0, 2-9, 3-12, 4-17, 5-79, 6-161, 7-182, 8-227, 9-227, 10-238

गेंदबाजी	ओवर	मेडन	रन	विकेट
जसप्रीत बुमराह	12	1	42	3
मोहम्मद सिराज	14	2	51	3
हर्षित राणा	13 .4	1	69	1
वॉशिंगटन सुंदर	15	0	48	2
नीतीश कुमार रेड्डी	4	0	21	1

बुमराह ने कोहली और यशस्वी की सराहना की

पर्थ, वार्ता : भारतीय टेस्ट टीम के कप्तान जसप्रीत बुमराह ने विराट कोहली की फॉर्म को लेकर चिंताओं को खारिज करते हुए कहा कि कुछ बाहरी आलोचनाओं के बावजूद स्टार बल्लेबाज शानदार फॉर्म में है। इसके साथ उन्होंने यशस्वी जयसवाल की सर्वश्रेष्ठ टेस्ट पारी के लिए भी सराहना की। मैच के बाद संवाददाता सम्मेलन में बुमराह ने कहा कि इस जीत से मैं बहुत खुश हूं। पहली पारी में हम पर दबाव डाला गया, लेकिन जिस तरह से हमने जवाब दिया वह शानदार था। मैंने यहां 2018 में खेला था उस समय पिच नरम थी। इस बार पिच में कम चुनौतीपूर्ण थी, लेकिन हम अच्छी तरह से तैयार थे। मैंने सभी से कहा था कि अपनी क्षमताओं पर विश्वास बनाए रखें। जयसवाल की यह अब तक की सर्वश्रेष्ठ टेस्ट पारी खेली। वह गेंद को बेहतरीन तरीके से छोड़ रहे थे। मैंने विराट को फॉर्म से बाहर कभी नहीं देखा है। मुश्किल पिचों पर इस तरह की चीजो को आंकना कठिन है। लेकिन नेट्स में वह अच्छे दिख रहे थे। हमें हमेशा दर्शकों का समर्थन मिलता है, और जब ऐसा समर्थन होता है तो हमें अच्छा महसूस होता है।

हमारा प्रदर्शन बेहद निराशाजनक : कमिंस

ICC WTC FINAL 2023
AUSTRALIA

पर्थ, वार्ता : ऑस्ट्रेलिया के कप्तान पैट कमिंस ने कहा कि हमारा प्रदर्शन बेहद निराशाजनक रहा। तैयारी अच्छी थी, सभी खिलाड़ी अच्छे फॉर्म में थे, लेकिन कई चीजें हमारे लिए सही नहीं रहीं, जिस पर हमें ध्यान देने जरूरत है। इस तरह के प्रदर्शन के बाद तुरंत वापसी करना चाहते हैं, लेकिन हम कुछ दिन आराम करेंगे और फिर एडिलेड में अभ्यास शुरू करेंगे। यह हार ऑस्ट्रेलिया की टीम के लिए झटका है। इसके बाद डे-नाइट टेस्ट होना है और ऑस्ट्रेलियाई टीम वापसी करने का पूरा प्रयास करेगी।

यूनाइटेड भारत और नेशनल यूनाइटेड की जीत

नई दिल्ली, वार्ता : यूनाइटेड भारत एफसी और नेशनल यूनाइटेड एफसी ने अपने-अपने मुकाबले जीत कर डीएसए दिल्ली प्रीमियर लीग में पूरे अंक अर्जित किए। डॉ. बी आर अम्बेडकर स्टेडियम में खेले गये मुकाबले में प्लेयर ऑफ द मैच फजल के गोल से यूनाइटेड भारत ने हिन्दुस्तान एफसी को 1-0 से हराया। वहीं दिन के दूसरे मुकाबले में नेशनल यूनाइटेड ने सांगोट जार्ज के गोल की बदौलत तरुण संघा पर 1-0 से जीत दर्ज की। नेशनल यूनाइटेड के राम स्वरूप को मैन ऑफ द मैच घोषित किया गया। अंक तालिका की फिसड्डी टीमों के बीच खेले गए मुकाबले में अग्रिम पंक्ति के खिलाड़ियों की कमजोर निशानेबाजी के कारण गोल नहीं निकल पाए। यूनाइटेड भारत और हिन्दुस्तान एफसी ने आठ-आठ मैच खेलकर क्रमशः छह-छह अंक जुटा लिये हैं। नेशनल यूनाइटेड के नौ और तरुण संघा के सात अंक बने हैं। हालांकि अभी लंबा सफर तय करना है।

सार संक्षेप

राजस्थान ने मिजोरम को हराया

राजकोट : सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के सोमवार को खेले गये मैच में राजस्थान ने मिजोरम को 62 रनों से हराया। राजकोट में मिजोरम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी राजस्थान ने भारत शर्मा (74) और दीपक हुड्डा (65) की शानदार बल्लेबाजी के दम पर निर्धारित 20 ओवर में छह विकेट पर 217 रनों का स्कोर खड़ा किया। मिजोरम की ओर से मोहित जांगड़ ने दो विकेट लिये। केसी करिअप्पा, नवीन गुरुंग, खियांग्ते वानरोतलिंगा और बॉबी जोथानसंगा ने एक-एक विकेट लिया। 217 रनों के जवाब में बल्लेबाजी करने उतरी मिजोरम की टीम राजस्थान की सधी हुई गेंदबाजी के आगे निर्धारित 20 ओवर में पांच विकेट पर 155 रन ही बना सकी और 62 रन से मुकाबला हार गई। मिजोरम की ओर अग्नि चोपड़ा ने (47), मोहित जांगड़ ने (नाबाद 41), जेहू एंडरसन (37) रनों की पारी खेली। राजस्थान की ओर से कमलेश नागरकोटी ने दो विकेट लिये। राहुल चहर और दीपक हुड्डा ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

कर्नाटक ने त्रिपुरा को हराया

इंदौर : कर्नाटक ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी त्रिपुरा ने कप्तान मनदीप सिह (66), सम्राट सूत्रधार (55) रनों की पारियों की बदौलत निर्धारित 20 ओवर में पांच विकेट पर 185 का स्कोर खड़ा किया। कर्नाटक की ओर से वासुकी कौशिक, विद्याधर पाटिल, श्रेयस गोपाल और मनोज भंडागे ने एक-एक विकेट लिया। 186 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी कर्नाटक ने आर स्मरण (57), कप्तान मयंक अग्रवाल (51) और अभिनव मनोहर (नाबाद 34) तथा शुभांग हेगड़े (नाबाद 20) की शानदार पारियों के दम पर 19.3 ओवर में पांच विकेट पर 191 रन बनाकर मुकाबला पांच विकेट से जीत लिया। त्रिपुरा की ओर से अभिजीत सरकार ने दो विकेट लिये। एस दास और अजय सरकार ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

खेलकूद प्रतियोगिता का शुभारंभ

उदयपुर : राजस्थान राज्य क्रीड़ा परिषद के तत्वावधान में तीन दिवसीय राज्य स्तरीय जनजाति खेलकूद प्रतियोगिता-2024 का शुभारंभ सोमवार को महाराणा प्रताप खेलगांव उदयपुर में हुआ। प्रतियोगिता में जनजाति उपयोजना क्षेत्र के सात जिलों से 1300 से अधिक खिलाड़ी भाग ले रहे हैं। प्रतियोगिता का उद्घाटन समारोह खेलगांव स्थित स्टेडियम में नगर निगम आयुक्त रामप्रकाश, अतिरिक्त आयुक्त (टीएडी) गितेशश्री मालवीया, आदिम जाति शोध एवं प्रशिक्षण संस्थान के निदेशक ओपी मीणा, समाजसेवी प्रमोद सागर तथा रविन्द्र श्रीमाली, राज्य जनजाति खेल अधिकारी नरेंद्र भूरिया के आतिथ्य में हुआ। प्रारंभ में जिला खेल अधिकारी महेश पालीवाल ने अतिथियों का उपरणा एवं पगड़ी पहनाकर स्वागत किया। राज्य जनजाति खेल अधिकारी भूरिया ने स्वागत उद्बोधन देते हुए राज्य सरकार की ओर से खिलाड़ियों को प्रदत्त सुविधाओं तथा खेल योजनाओं की जानकारी देते हुए उससे लाभान्वित होने का आहवान किया। जिला खेल अधिकारी पालीवाल ने बताया कि प्रतियोगिता में उदयपुर, सलूम्बर, डूंगरपुर, बांसवाड़ा, प्रतापगढ़, सिरोही और बारां जिलों के तकरीबन 1300 से अधिक जनजाति खिलाड़ी भाग ले रहे हैं।

आईपीएल नीलामी के दूसरे दिन सबसे महंगे बिके भुवनेश्वर

आईपीएल मेगा ऑक्शन- वैभव सूर्यवंशी सबसे युवा प्लेयर :13 साल के लेफ्टहैंड बैटर को राजस्थान ने खरीदा, सचिन तेंदुलकर के बेटे अर्जुन दूसरी बार में बिके

● जेद्दा,

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 के सत्र के लिए नीलामी के दूसरे दिन सोमवार को भारत के अनुभवी तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार को रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) ने 10.75 करोड़ रुपये की सबसे बड़ी बोली लगाकर खरीदा।

भुवनेश्वर को खरीदने के लिए लखनऊ सुपर जायंट्स (एचएसजी) और मुंबई इंडियंस (एमआई) के बीच कड़ी स्पर्धा रही। आखिरी क्षणों आरसीबी ने दिन की सबसे बड़ी बोली लगाकर उन्हें अपने पक्ष में किया। दीपक चाहर को मुंबई इंडियंस में 9.25 करोड़ रुपये में खरीदा। वहीं तुषार देशपांडे को राजस्थान रॉयल्स (आरआर) से 6.50 करोड़ रुपये खरीदा। ऑलराउंडर मार्को यानसेन को पंजाब किंग्स (पीबीकेएस) ने सात करोड़ रुपये में खरीदा। जबकि बड़ौदा के क्रुणाल पांड्या को आरसीबी ने 5.75 करोड़ रुपये में खरीदा। रणजी में शानदार प्रदर्शन करने वाले हरियाणा के अंशुल कंबोज को चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) को 3.40 करोड़ रुपये में खरीदा। गुजरात टाइटन्स (जीटी) ने न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज गेराल्ड कोएट्जी को 2.40 करोड़ रुपये में हासिल किया। वहीं केन विलियमसन, अजिंक्य रहाणे और ग्लेन फिलिप्स सहित कई बड़े नाम कैप्ड खिलाड़ियों को खरीदार नहीं मिला। पिछले सीजन में रिकॉर्ड कीमत हासिल करने वाले इंग्लैंड के सैम कुरेन 2.40 करोड़ रुपये में सीएसके में वापस आ गए। सऊदी अरब के जेद्दाह में आईपीएल मेगा ऑक्शन का दूसरा दिन चल रहा है। आज सबसे बड़ी बोली हैदराबाद के पेसर भुवनेश्वर कुमार पर लगी। उन्हें रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने 10.75 करोड़ में खरीदा। आज 10 करोड़ के पार जाने वाले पहले और इकलौते प्लेयर भी भुवनेश्वर ही बने। वहीं 13 साल के वैभव सूर्यवंशी को राजस्थान ने 1.10 करोड़ की कीमत में खरीदा है। वैभव बिहार के समस्तीपुर के रहने वाले हैं। उन्होंने 2 महीने पहले अंडर-19 टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सेंचुरी लगाई थी। सचिन तेंदुलकर के बेटे अर्जुन पहले अनसोल्ड रहे, लेकिन उन्हें लास्ट राउंड में मुंबई ने 30 लाख रुपए में खरीद लिया। दिल्ली के बल्लेबाज प्रियांश आर्या को पंजाब ने बेस प्राइस से करीब 13 गुना यानी 3.80 करोड़ रुपए में खरीदा। उनका बेस प्राइस 30 लाख रुपए था। यह उनका आईपीएल डेब्यू होगा। प्रियांश ने दिल्ली प्रीमियर लीग में 6 गेंद में 6 छक्के लगाए थे। आखिरी राउंड में अनसोल्ड प्लेयर्स के नाम वापस आए। अर्जुन तेंदुलकर को 30 लाख रुपए में मुंबई ने खरीदा। मुंबई ने लिजाड विलियम्स को 75 लाख रुपए में शामिल किया। राजस्थान ने कुणाल राठौड़ को 30 लाख रुपए में खरीदा। बेंगलुरु ने 1 करोड़ रुपए में लुंगी एनगिडी को खरीदा। अभिनंदन सिंह 30 लाख रुपए में बेंगलुरु का हिस्सा बना। कुलवंत खेजरोलिया को 30 लाख रुपए में गुजरात ने खरीदा। अशोक शर्मा को 30 लाख रुपए में राजस्थान ने खरीदा। विवेश पुथुर को मुंबई और मोहित राठी को बेंगलुरु ने 30-30 लाख रुपए में खरीदा। साउथ अफ्रीका के युवा लेफ्ट आर्म पेसर क्वेना मफाका को राजस्थान ने खरीदा। उनकी बेस प्राइस 75 लाख रुपए था, बेंगलुरु ने उन्हें खरीदने की कोशिश की। हालांकि, आखिर में राजस्थान ने 1.50 करोड़ रुपए में उन्हें खरीद लिया। गुजरात ने 75 लाख रुपए में करीम जनत को खरीदा। प्रवीण दुबे को 30 लाख रुपए में पंजाब ने खरीदा। दिल्ली ने अजय मंडल और मानवंथ कुमार को 30-30 लाख रुपए में खरीदा। मुंबई ने 30 लाख रुपए में बेवन जैकब्स को खरीदा। त्रिपूर्ण विजय को 30 लाख रुपए में दिल्ली ने खरीदा। लखनऊ सुपरजायंट्स ने 75 लाख रुपए में मैथ्यू ब्रीट्जकी को खरीदा। टीम ने 30-30 लाख रुपए में राजवर्धन हंगरगेकर और अर्शिन कुलकर्णी को भी खरीदा। हैदराबाद ने 30 लाख रुपए में सचिन बेबी को खरीदा। चेन्नई ने 30 लाख रुपए में आंद्रे सिद्धार्थ को खरीदा। इंग्लैंड के लेफ्ट हैंड ऑलराउंडर मोईन अली बेस प्राइस में ही बिक गए। उन्हें 2 करोड़ रुपए में कोलकाता नाइट राइडर्स ने खरीद लिया। पिछले सीजन वह चेन्नई से खेले थे। ड्ङफने 75 लाख रुपए में उमरान मलिक को भी खरीदा। दिल्ली कैपिटल्स ने 75 लाख रुपए में डोनोवन फरेरा को खरीदा। बेंगलुरु ने 30 लाख रुपए में स्वास्तिक चिकारा को खरीदा। कोलकाता ने 40 लाख रुपए में अनुकुल रॉय को खरीदा। वंश बेदी को 55 लाख रुपए में चेन्नई ने खरीदा। दूसरे राउंड के ऑक्शन में गुजरात टाइटंस ने ग्लेन फिलिप्स को 2 करोड़ रुपए में खरीद लिया। उनके बाद अजिंक्य रहाणे को 1.50 करोड़ रुपए में कोलकाता ने खरीदा। युवा लेफ्ट हैंड बैटर देवदत्त पडिक्कल पहले राउंड में अनसोल्ड रहे थे। उन्हें दूसरे राउंड में बेंगलुरु ने 2 करोड़ रुपए की बेस प्राइस में खरीद लिया। उनके बाद लवनीथ सिसोदिया को कोलकाता और श्रेयस गोपाल को चेन्नई ने 30-30 लाख रुपए में खरीद लिया। 13 साल के वैभव सूर्यवंशी को राजस्थान ने 1.10 करोड़ रुपए में खरीदा। उनका बेस प्राइस 30 लाख रुपए था। इसके साथ ही वे आईपीएल इतिहास के सबसे कम उम्र के खिलाड़ी भी बन गए हैं। बिहार के खिलाड़ी का आईपीएल में इस सीजन से डेब्यू होगा। वैभव ने अंडर-19 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ शतक लगाया था। वैभव ने फर्स्ट क्लास में 12 साल की उम्र में डेब्यू किया था। उन्होंने चार साल की उम्र में क्रिकेट खेलना शुरू किया। उनके पिता संजीव सूर्यवंशी किसानी करती हैं। वैभव के पिता ने बचपन में क्रिकेट के प्रति उनके जुनून को देखकर अपने घर के पिछे एक छोटा सा खेल का मैदान बनाया था। जब वैभव 9 साल के हुए तब संजीव ने उन्हें पास के कस्बे समस्तीपुर में एक क्रिकेट अकादमी में दाखिला दिलाया था। ऑस्ट्रेलियाई पेसर नाथन एलिस को चेन्नई ने 2 करोड़ रुपए में खरीदा। उनका बेस प्राइस 1.25 करोड़ रुपए था। पिछले साल वे पंजाब से खेले थे। इंग्लिश ऑलराउंडर जैकब बेथेल को बेंगलुरु ने 2.60 करोड़ रुपए में खरीदा। उनका बेस प्राइस 1.25 करोड़ रुपए था। यह उनका आईपीएल डेब्यू होगा। ऑलराउंडर विल जैक्स को मुंबई ने 5.25 करोड़ रुपए में खरीदा। उनका बेस प्राइस 2 करोड़ रुपए था। बेंगलुरु ने उनके लिए अपना राईटू कार्ड यूज नहीं किया है। पिछले सीजन में वे बेंगलुरु से खेले थे, उन्होंने 8 मैच में 230 रन बनाए थे। उन्होंने गुजरात के खिलाफ शतक लगाया था। उनका स्ट्राइक रेट 175 है। इस डील के बाद टक फ्रेंचाइजी के आकाश अंबानी ने फ्ळइ की डेस्क पर जाकर हाथ मिलाया। लेफ्ट आर्म पेसर गुरजनप्रीत सिंह को चेन्नई ने 2.20 करोड़ रुपए में खरीदा। उनका बेस प्राइस 30 लाख रुपए था। यह गुरजनप्रीत का आईपीएल डेब्यू होगा। लेफ्ट आर्म पेसर स्पेंसर जॉनसन को कोलकाता ने 2.80 करोड़ रुपए में खरीदा। उनका बेस प्राइस 2 करोड़ रुपए था। पिछले सीजन में वे गुजरात से खेले थे। साई किशोर को गुजरात ने राईट कार्ड यूज कर 2 करोड़ रुपए में खरीदा। उनका बेस प्राइस 75 लाख रुपए था। पिछले सीजन में वे गुजरात से ही खेले थे। अजमतुल्लाह उमरजई को पंजाब ने 2.40 करोड़ रुपए में खरीदा। उनका बेस प्राइस 1.50 करोड़ रुपए था। पिछले सीजन में वे बेंगलुरु से खेले थे। ऑस्ट्रेलियन ऑलराउंडर टिम डेविड को बेंगलुरु ने 3 करोड़ रुपए में खरीदा। उनका बेस प्राइस 2 करोड़ रुपए था। पिछले सीजन में वे मुंबई से खेले थे, उन्होंने 13 मैच में 241 रन बनाए थे। ऑलराउंडर शाहबाज अहमद को लखनऊ ने 2.40 करोड़ रुपए में खरीदा। उनका बेस प्राइस 1 करोड़ रुपए था। पिछले सीजन में वे हैदराबाद से खेले थे। वेस्टइंडीज ऑलराउंडर शेरफन रदरफोर्ड को गुजरात ने 2.60 करोड़ रुपए में खरीदा। उनका बेस प्राइस 1.5 करोड़ रुपए था। पेसर अंशुल कंबोज को चेन्नई ने बेस प्राइस से 11 गुना ज्यादा यानी 3.40 करोड़ रुपए में खरीदा। उनका बेस प्राइस 30 लाख रुपए था। पिछले साल वे मुंबई से खेले थे।

अफगानिस्तान के 18 साल के मिस्ट्री स्पिनर अल्लाह गजनफर को मुंबई ने बेस प्राइस से 6 गुना ज्यादा यानी 4.80 करोड़ रुपए में खरीदा। उनका बेस प्राइस 75 लाख रुपए था। यह आईपीएल में गजनफर का पहला सीजन होगा। अफगानिस्तान के लिए 8 वनडे खेलते हुए उन्होंने 12 विकेट लिए हैं।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक सैयद ज़की हैदर के लिए इरानीयन आर्ट प्रिंटर्स 1534 कासिमजान स्ट्रीट दरियागंज नई दिल्ली 11006 से मुद्रित कराकर, 2684 गली काले खां कूचा चलान दरियागंज नई दिल्ली 02 से प्रकाशित किया।
संपादक : सैयद ज़की हैदर- हैड ऑफिस :- एफ19/4 सेकेंड फ्लोर नफीश रोड जामिया नगर दिल्ली- 110025., सम्पर्क सूत्र :- 9911371802, 9810383593
जितेन्द्र कुमार बिस्वाल ब्यूरो चीफ उड़ीसा/ गोविंद कनोडिया/ पटना/ सैय्यद यूसुफ अली नक़वी-पॉलिटिकल एडिटर। ई-मेलः- dailyloktantra@gmail.com

किसी भी प्रकार के विवाद हेतु निपटारे के लिए केवल दिल्ली न्यायालय ही मान्य होगी।
नोट- किसी भी समाचार/आलेख पर दावा प्रति दावा/आपत्ति समाचार प्रकाशन के 15 दिनों के अन्तराल तक ही मान्य होगा। समाचार पत्र में प्रकाशित आलेख से संपादक/प्रकाशक का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

क्षेत्रीय कार्यालय अनवार मंजिल नया टोला गंज नंबर 01 बेतिया/ बिहार/ पिन नंबर 84 5438/>> संवाददाता, सना खान/(डॉ. अमानुल हक) स्थानीय संपादक/बिहार)